

Цель изучения дисциплины «Древние языки и культуры. Древнегреческий язык»:

1. формирование способности понимать как оригинальные древнегреческие тексты, так и современные тексты, содержащие греческие слова;
2. расширение гуманитарного кругозора, повышение языковой культуры.

Задачи

1. Научиться правильно и бегло читать греческие слова и предложения.
2. Овладеть основными навыками перевода со словарем оригинальных греческих текстов, определяя грамматические формы существительных, прилагательных и глаголов, устанавливая связи между словами в предложении.
3. Освоить греческий лексический минимум.
4. Познакомиться с греческими крылатыми выражениями.
5. Научиться находить сходства и отличия в грамматическом строе древнегреческого и современных иностранных языков.
6. Развивать системное мышление.
7. Получить сведения по истории Древнего мира, античной культуре и мифологии.
8. Научиться самостоятельности суждений при комментировании текстов и выражении своего отношения к прочитанному.

Phonetica Alphabetum

Эразмова система чтения			
<i>Буква</i>	<i>Латинский эквивалент</i>	<i>Название</i>	<i>Произношение</i>
Α α	A a	ἄλφα, альфа	[a]
Β β	B b	βῆτα, бета	[б]
Γ γ	G g	γάμμα, гамма	[г], [н] перед γ, κ, ξ, χ
Δ δ	D d	δέλτα, дельта	[д]
Ε ε	E e	ἒ ψιλόν эпсилон	[э], всегда краткий звук
Ζ ζ	Z z	ζῆτα, дзета	[дз]
Η η	E e	ἦτα, эта	[э], всегда долгий звук
Θ θ	Th th	θῆτα, т ^х ета	[т ^х]
Ι ι	I i	ἰῶτα, иота	[и]
Κ κ	K k	κάππα, каппа	[к]
Λ λ	L l	λάμβδα, ламбда	[л]
Μ μ	M m	μῦ, мю	[м]
Ν ν	N n	νῦ, ню	[н]
Ξ ξ	X x	ξῖ, кси	[кс]
Ο ο	O o	ὀ μικρόν, омикрон	[о], всегда краткий звук
Π π	P p	πί, пи	[п]
Ρ ρ	R r	ῥῶ, ро	[р]
Σ σ ς	S s	σίγμα, сигма	[с], конце слова – ς
Τ τ	T t	ταῦ, тау	[т]
Υ υ	Y y	ῦ ψιλόν, юпсилон	[ü]
Φ φ	Ph ph	φῖ, фи	[ф]
Χ χ	Ch ch	χῖ, хи	[х]
Ψ ψ	Ps ps	ψῖ, пси	[пс]
Ω ω	O o	ὦ μέγα, омега	[о], всегда долгий звук

<i>Рейхлинова система чтения</i>		
<i>Буква</i>	<i>Название</i>	<i>Произношение</i>
Α α	ἄλφα, альфа	[а]
Β β	βῆτα, вита	[в]
Γ γ	γάμμα, гамма	[г], [н] перед γ, κ, ξ, χ (ἄγγελος, ἀνάγκη, λόγῃ), [й] между гласными (ἅγιος «святой»)
Δ δ	δέλτα, дельта	[д]
Ε ε	ἒ ψιλόν эпсилон	[э]
Ζ ζ	ζῆτα, зита	[з]
Η η	ἦτα, ита	[и]
Θ θ	θῆτα, фита	[ф]
Ι ι	ἰῶτα, иота	[и]
Κ κ	κάππα, каппа	[к], [г] после γ (ἄγκυρα [ангира] «якорь»)
Λ λ	λάμβδα, ламвда	[л]
Μ μ	μῦ, ми	[м]
Ν ν	νῦ, ни	[н]
Ξ ξ	ξῖ, кси	[кс]
Ο ο	ὀ μικρόν, омикрон	[о]
Π π	πί, пи	[п], [б] после μ (ἄμβελος [амбелос] «люза»)
Ρ ρ	ῥῶ, ро	[р]
Σ σ ζ	σίγμα, сигма	[с]: не в конце слова – σ, в конце – ζ (σεισμός)
Τ τ	ταῦ, тав	[т], [д] после ν (κοντάκιον [кондакион] «кондак»)
Υ υ	ῦ ψιλόν, ипсилон	[и]
Φ φ	φῖ, фи	[ф]
Χ χ	χῖ, хи	[х]
Ψ ψ	ψῖ, пси	[пс]
Ω ω	ὦ μέγα, омега	[о]

Diphthongi

<i>Эразмова система чтения</i>			
<i>Diphthongī</i>	<i>Spiritūs</i> <i>придыхание</i>	<i>Accéntūs</i> <i>ударение</i>	<i>Геревод</i>
αυ: αὐλός [αυλός]	тонкое (´) (не читается)	острое (´)	свирель
ευ: εὖ [эу]	тонкое	облеченное (˘)	хорошо
ου: νοῦς [нус]	—	облеченное	мысль, ум
αι: αἰθήρ=Αἰθήρ [аит ^х эр]	тонкое	острое	горный воздух
ει: εἶ [эи]	тонкое	—	если
οι: οἶκος [о́йкос]	тонкое	облеченное	дом
υι: υἱός [hу́иός]	густое (´)	острое	сын
α: ῥαδίως [рад́иос]	густое (не читается)	острое	легко
η: θνήσκω [т ^х н´эско]	—	острое	умираю
ω: ᾠδή=Ὠδὴ [од´э]	тонкое	острое	песнь, песня

Если ι и υ не образуют дифтонги и читаются отдельно, над ними ставятся две точки (τρήμα, trēma): ἄυλνος «бессонный», οἰστός «стрела».

<i>Рейхлинова система чтения</i>	
αυ: αὐλός [авлός], αὐτός [афт́ός]	
ευ: εὖ [эв], εὐχαριστία [эфхарист́иа]	
ου: νοῦς [нус]	
αι: αἰθήρ=Αἰθήρ [эф́ур]	
ει: εἶ [и]	
οι: οἶκος [у́йкос]	
υι: υἱός [и́ос] (густое придыхание не читается)	
α: ῥαδίως [рад́иос]	
η: θνήσκω [фн́у́ско]	
ω: ᾠδή=Ὠδὴ [од́у]	

Accentus

<i>Accentus</i>	3-й слог	2-й слог	1-й слог
тяжелое (βαρεῖα)	—	—	καὶ λέγει «и говорит»
облеченное (περισπασμός)	—	ζῷον «животное»	νοῦς «ум»
острое (ὀξεῖα)	ἄνθρωπος «человек»	παρθένος «дева»	ψυχή «душа»

Но: ζῷου «животного» (род. п.), ἀνθρώπου «человека» (род. п.), так как последний слог — долгий. Острое ударение (´) на последнем слоге слова, после которого нет знака препинания или энклитики, переходит в тяжелое (тупое) ударение (˘): ἔ ψιλόν, ὃ μικρόν.

Знаки препинания		Ἐγκλιτικά (не все)	Προκλιτικά	
русские	древнегреческие	τίς, τί «некто, нечто»	ἐν (+dat.) в (где)	артикли:
.	.	εἰμί «есмы»	εἰς (+acc.) в (куда)	ὁ
,	,	μου «меня»	ἐκ, ἐξ (+gen.) из	ἡ
::	˘	πού где-либо	εἰ если	οἱ
?	;	ποῖ куда-либо	ὡς как; что	αἱ

I. Прочитайте: δύναμις «сила», λόγος «слово», λαός, «народ», λόγχη «копье», γυνή «женщина», ζυγόν «ярмо; иго», μάκαρ «блаженный», δεξιός «правый», παρθένος «дева», σάλπιγξ «труба», ἀντίφωνος «звучащий в ответ».

II. Прочитайте, называя диакритики: σταυρός «крест», βασιλεύς «царь», μύια «муха», πούς «нога», ποιμήν «пастух», χεῖρ «рука», πραῦς «кроткий», τραγωδία «трагедия», ληστής «разбойник», βοῦς «бык», ἀνὴρ «муж», ἡμέρα «день», ὕδωρ «вода», αἷμα «кровь», εὕρισκω «я нахожу», εὔρηκα «я нашел», ἕδω «пою», ἥλιος «солнце», οἶνος «вино», Ἑλληγ «эллин, грек», ῥήτωρ «оратор», οὐρανός «небо», εὐσέβεια «благочестие», ἀεὶ «всегда», αἰών «век», ψεῦδος «ложь», φῶς «свет», ἐγκώμιον «хвалебная песня», δῆμος «народ», ὀφθαλμός «глаз».

III. Выполните задания: а) прочитайте; б) найдите проклитики и энклитики; в) сформулируйте правила постановки ударения в словах с энклитиками и проклитиками; г) найдите формы глаголов в настоящем времени (кроме глагола «быть») и выделите у них окончания единственного и множественного числа 1-го, 2-го и 3-го лица: ἱερεὺς τις «некий священник», νεανίσκος τις «некий юноша», ἄνθρωπος τις «некий человек», εἶπέν τις «сказал некто», ἄνθρωπος εἰμι «человек есмь...», πόθεν εἰμί «...откуда есмь», πραῦς εἰμι «кроток есмь», ἐκεῖ εἰμι «там есмь...», ἀθῶός εἰμι «невиновен есмь...», ἐκ τοῦ ὀφθαλμοῦ <...> ἐν τῷ ὀφθαλμῷ «из глаза <...> в глазу...», σκότος ἐστίν «...тьма есть», ἐκ τῶν ὀφθαλμῶν «с глаз», ἀγρός ἐστιν «поле есть...», ἐξ Αἰγύπτου «из Египта...», οὗτός ἐστιν «этот есть...», ἐν ὀφθαλμοῖς «в глазах...», ἄξιός ἐστιν «...достоин есть», ἐκ τῆς χώρας «...из страны...», εἰς τὴν χώραν «в страну...», οὐ θέλω «не хочу», ὡς θέλεις «...как хочешь», οὐχ εὕρισκει «не находит», οὐκ ἔχομεν «...не имеем...», εἰ θέλετε «если хотите...», οὐκ ἔχουσιν «не имеют...»

Morphologia
Verbum
Coniugatio prima (γлаголы на -ω)
Praesens activi
Indicativus

Παιδεύω «воспитываю»	<i>Praesens indicatīvi activi</i>	
	число	
<i>лицо</i>	<i>единственное</i>	<i>множественное</i>
1-ε	παιδεύ-ω воспитыва-ю	παιδεύ-ο-μεν воспитыва-ем
2-ε	παιδεύ-εις воспитыва-ешь	παιδεύ-ε-τε воспитыва-ете
3-ε	παιδεύ-ει воспитыва-ет	παιδεύ-ουσι(ν) воспитыва-ют

IV. Прочитайте, найните глаголы, по окончаниям определите лицо и число, переведите предложения: 1. <...> λέγετε εὐδία, πυρράζει γάρ ὁ οὐρανός (Μφ. 16:2). 2. Ἴδου ἀναβαίνομεν εἰς Ἱεροσόλυμα (Μφ. 20:18):3. <...> οἶνον (вин. падеж) οὐκ ἔχουσιν (Ин. 2:3). 4. καθὼς ἀκούω, κρίνω <...>. (Ин. 5:30). 5. <...> καὶ λέγει τῷ Πέτρῳ, Σίμων, καθεύδεις; (Μκ. 14:37).

Словарь

ἀκούω <i>слышу</i>	καθὼς <i>как</i>
ἀναβαίνω <i>восхожу</i>	καὶ <i>и</i>
γάρ <i>ведь</i>	κρίνω <i>сужу</i>
εἰς (+асс.) <i>в, на, к (+ вин. пад.)</i>	λέγω <i>говорю</i>
εὐδία <i>ясная, тихая погода</i>	οἶνος <i>вино</i>
ἔχω <i>имею</i>	οὐκ <i>не</i>
ἰδού <i>вот</i>	οὐρανός <i>небо</i>
Ἱεροσόλυμα (не склоняется)	Πέτρος <i>Петр</i> (дат.: Πέτρῳ)
Ἱερουσαλὴμ	πυρράζω <i>пламенею; есмь</i>
καθεύδω <i>сплю</i>	<i>огненного цвета</i>
	Σίμων <i>Симон</i>

Imperatīvus

Παιδεύω «воспитываю»	<i>Praesens imperatīvi actīvi</i>	
	<i>число</i>	
<i>лицо</i>	<i>singularis</i>	<i>pluralis</i>
2-е	παιδεύ-ε воспитывай	παιδεύ-ε-τε воспитывайте
3-е	παιδευ-έ-τω пусть воспитывает	παιδευ-ό-ντων = παιδευ-έ-τωσαν пусть воспитывают

V. *Прочитайте, наϊδiυτε глаголы, переведите предложения:* 1. γυναίκες ἐν ταῖς ἐκκλησίαις (Μη. Ч.) σιγάτωσαν (1 Κορ. 14:34). 2. εὐθυμεῖ τις; ψαλλέτω (Ίακ. 5:13). 3. ἡ φιλαδελφία μενέτω (Евр. 13:1). 4. γυνή ἐν ἡσυχία μανθανέτω <...> (1 Τιμ. 2:11). 5. ὀργίζεσθε καὶ μὴ ἀμαρτάνετε· ὁ ἥλιος μὴ ἐπιδυέτω ἐπὶ παροργισμῶ ὑμῶν (Еф. 4:26). 6. δοκιμάζέτω δὲ ἄνθρωπος ἑαυτόν, καὶ οὕτως ἐκ τοῦ ἄρτου ἐσθιέτω καὶ ἐκ τοῦ ποτηρίου πινέτω (1 Κορ. 11:28).

Словарь

ἀμαρτάνω <i>сoгрешаю</i>	ἥλιος <i>солнце</i>
ἄνθρωπος <i>человек</i>	ἡσυχία <i>безмолвие</i>
ἄρτος <i>хлеб</i>	καὶ <i>и</i>
γυνή <i>женщина; жена</i> (Μη. Ч.): γυναίκες)	μανθάνω <i>учусь</i>
δέ <i>же</i>	μένω <i>остаюсь; пребываю</i>
δοκιμάζω <i>испытываю</i>	μὴ <i>не</i>
ἑαυτόν <i>себя</i>	ὀργίζεσθε <i>гневайтесь</i>
ἐκ <i>из, от</i>	οὕτως <i>так; таким образом</i>
ἐκκλησία <i>церковь</i>	παροργισμός <i>гнев</i>
ἐν <i>в</i>	πίνω <i>пью</i>
ἐπὶ <i>в; во время</i>	ποτήριον <i>чаша</i>
ἐπιδύω <i>захожу</i>	σιγάω <i>молчу</i>
ἐσθίω <i>ем; вкушаю</i>	τις <i>некто</i>
εὐθυμέω <i>являюсь радостным</i>	ὑμῶν <i>вашего</i>
	φιλαδελφία <i>братолюбие</i>
	ψάλλω <i>пою псалмы</i>

Infinitivus

<i>Praesens infinitivi activi</i>
παιδεύ-ειν <i>воспитывать</i>

VI. *Прочитайте, наǔдите глаголы, переведите предложения:* 1. <...> ἤρξατο ὁ Ἰησοῦς κηρύσσειν καὶ λέγειν Μετανοεῖτε <...> (Μφ. 4:17). 2. ᾿Αξιόν ἐστιν ὡς ἀληθῶς μακαρίζειν σε τὴν Θεοτόκον <...>. 3. οὐ δύνασθε Θεῷ δουλεύειν καὶ μαμωνᾶ. (Μφ. 6:24).

Словарь

ἀληθῶς <i>истинно</i>	καὶ <i>и</i>
᾿ξιός 3 <i>достойный</i>	κηρύσσω <i>проповедую</i>
δουλεύω <i>служу; являюсь</i>	λέγω <i>говорю</i>
<i>работ</i>	μακαρίζω <i>прославляю</i>
δύνασθε <i>можете</i>	μαμωνᾶς <i>богатство; мамона</i>
ἐστίν <i>есть</i>	μετανοεῶ <i>каюсь</i>
Θεοτόκος <i>Богородица</i>	οὐ <i>не</i>
Θεῷ <i>Богу</i>	σε <i>тебя</i>
Ἰησοῦς <i>Иисус</i>	ὡς <i>как</i>
ἤρξατο <i>начал</i>	

Verbum εἰμί «εσμί»

<i>Лицо</i>	<i>Singulāris</i>	<i>Plurālis</i>
1-ε	εἰμί <i>есмь</i>	ἐσμέν <i>есмы</i>
2-ε	εἶ <i>еси</i>	ἐστέ <i>есте</i>
3-ε	ἐστί(ν) <i>есть</i>	εἰσί(ν) <i>суть</i>

<i>Praesens infinitivi activi</i>	εἶναι <i>быти</i>
-----------------------------------	-------------------

VII. *Прочитайте, найдите глаголы, переведите предложения:* 1. Πολλοὶ γάρ εἰσιν κλητοί, ὀλίγοι δὲ ἐκλεκτοί (Μφ. 22:14). 2. Τί δειλοὶ ἐστε, ὀλιγόπιστοι; (Μφ. 8:26). 3. Δοῦλοι ἀχρεῖοι ἐσμεν (Λκ. 17:10). 4. Τί οὖν βαπτίζεις εἰ σὺ οὐκ εἶ ὁ Χριστὸς οὐδὲ Ἡλίας οὐδὲ ὁ προφήτης; (Ιη. 1:25). 5. <...> θεωρῶ (=θεωρέω), ὅτι προφήτης εἶ σὺ (Ιη. 4:19). 6. Ἐγὼ καὶ ὁ Πατὴρ ἓν ἐσμεν (Ιη. 10:30). 7. Ἐγὼ εἰμι ἡ ὁδὸς καὶ ἡ ἀλήθεια καὶ ἡ ζωὴ (Ιη. 14:6). 8. <...> ὁ Πιλάτος οὐκοῦν βασιλεὺς εἶ σὺ; <...> ὁ Ἰησοῦς· σὺ λέγεις ὅτι βασιλεὺς εἰμι (Ιη. 18:37). 9. <...> ὁ Θεὸς ἀγάπη ἐστίν. (1 Ιη. 4:8). 10. Κύριε, καλὸν ἐστὶν ἡμᾶς ὧδε εἶναι (Μφ. 17:4).

Словарь

ἀγάπη <i>любовь</i>	κλητός <i>приглашенный; званый</i>
ἀλήθεια <i>истина</i>	Κύριε <i>Господи</i>
ἀχρεῖος <i>беспольный</i>	λέγω <i>говорю</i>
βαπτίζω <i>погружаю; крещу</i>	ὁδός <i>путь</i>
βασιλεύς <i>царь</i>	ὀλιγόπιστος <i>маловерный</i>
γάρ <i>ведь</i>	ὀλίγος <i>немногочисленный,</i>
δέ <i>же</i>	<i>немногий</i>
δειλός <i>робкий; боязливый</i>	ὅτι <i>что</i>
δοῦλος <i>раб</i>	οὐδέ <i>и не</i>
ἐγὼ <i>я</i>	οὐκ <i>не</i>
εἰ <i>если</i>	οὐκοῦν <i>следовательно</i>
ἐκλεκτός <i>избранный</i>	οὖν <i>итак</i>
ἐν <i>одно</i>	πατήρ <i>отец</i>
ζωή <i>жизнь</i>	Πιλάτος <i>Пилат</i>
Ἡλίας <i>Илия</i>	πολύς, πολλή, πολύ <i>многий;</i>
ἡμᾶς <i>нас (переведите: нам)</i>	<i>многочисленный</i>
Θεός <i>Бог</i>	προφήτης <i>пророк</i>
θεωρέω <i>вижу</i>	σύ <i>ты</i>
Ἰησοῦς <i>Иисус</i>	τί <i>что; почему</i>
καί <i>и</i>	Χριστός <i>Христос</i>
καλόν <i>прекрасно, хорошо</i>	ὧδε <i>здесь</i>

Nomen substantivum
Declinatio secunda
Masculinum et femininum

<i>Παдеж</i>	<i>Προπαροξύτονον: оксия на третьем слоге с конца</i>	
	<i>singulāris</i>	<i>plurālis</i>
<i>именительный</i>	ἄνθρωπος «человек»	ἄνθρωποι «люди»
<i>родительный</i>	ἀνθρώπου «человека»	ἀνθρώπων «людей»
<i>дательный</i>	ἀνθρώπῳ «человеку»	ἀνθρώποις «людям»
<i>винительный</i>	ἄνθρωπον «человека»	ἀνθρώπους «людей»
<i>звательный</i>	ἄνθρωπε «человече!»	ἄνθρωποι «люди!»

<i>Casus</i>	<i>Παροξύτονον: оксия на втором слоге с конца</i>	
	<i>singulāris</i>	<i>plurālis</i>
<i>nominatīvus</i>	παρθένος «дева»	παρθένοι «девы»
<i>genitīvus</i>	παρθένου «девы»	παρθένων «дев»
<i>datīvus</i>	παρθένῳ «деве»	παρθένοις «девам»
<i>accusatīvus</i>	παρθένον «деву»	παρθένοους «дев»
<i>vocatīvus</i>	παρθένε «дево!»	παρθένοι «девы!»

<i>Casus</i>	<i>Ὀξύτονον: оксия на последнем слоге</i>	
	<i>singulāris</i>	<i>plurālis</i>
<i>nominatīvus</i>	ἀδελφός «брат»	ἀδελφοί «братья»
<i>genitīvus</i>	ἀδελφοῦ «брата»	ἀδελφῶν «братьев»
<i>datīvus</i>	ἀδελφῷ «брату»	ἀδελφοῖς «братьям»
<i>accusatīvus</i>	ἀδελφόν «брата»	ἀδελφούς «братьев»
<i>vocatīvus</i>	ἀδελφέ «брате!»	ἀδελφοί «братья!»

VIII. *Прочитайте, найдите глаголы, переведите предложения, определяя падеж и число существительных:*

1. Πιστεύω εἰς ἕνα Θεόν <...>. 2. Θεοτόκε Παρθένε, χαίρε <...>. 3. Ῥαββί, σὺ εἶ ὁ υἱὸς τοῦ Θεοῦ, σὺ βασιλεὺς εἶ τοῦ Ἰσραήλ (Ἰη. 1:49). 4. Δόξα ἐν ὑψίστοις Θεῷ καὶ ἐπὶ γῆς εἰρήνη ἐν ἀνθρώποις εὐδοκία (Λκ. 2:14). 5. Ἄρτι γὰρ ἀνθρώπους πείθω ἢ τὸν Θεόν; ἢ ζητῶ (=ζητέω) ἀνθρώποις ἀρέσκειν; (Γαλ. 1:10). 6. Ὁμοία ἐστὶν ἡ βασιλεία τῶν οὐρανῶν κόκκῳ σινάπεως (Μφ. 13:31). 7. μὴ θαυμάζετε, ἀδελφοί, εἰ μισεῖ (=μισέει) ὑμᾶς ὁ κόσμος (1 Ἰη. 3:13).

Словарь

ἀδελφός <i>брат</i>	Θεοτόκος <i>Богородица</i>
ἄνθρωπος <i>человек</i>	Ἰσραήλ <i>Израиль</i>
ἀρέσκω <i>угождаю</i>	καί <i>и</i>
ἄρτι <i>ныне</i>	κόκκος <i>зерно; семячко</i>
βασιλεὺς <i>царь</i>	κόσμος <i>мир</i>
βασιλεία <i>царство</i>	ὅμοιος <i>похожий; подобный</i>
γάρ <i>ибо</i>	οὐρανός <i>небо</i>
γῆ <i>земля</i>	μὴ <i>не</i>
δόξα <i>слава</i>	μισέω <i>ненавижу</i>
εἰ <i>если</i>	παρθένος <i>дева</i>
εἰρήνη <i>мир</i>	πείθω <i>убеждаю; упрашиваю</i>
εἰς <i>в (+ вин. пад.)</i>	πιστεύω <i>верю; верую</i>
ἐν <i>в (+ предл. пад.)</i>	ῤαββί <i>равви</i>
ἕνα <i>одного; единого (вин. пад.)</i>	σίναπι (род. пад.: σινάπεως) <i>горчица</i>
ἐπὶ <i>на</i>	σύ <i>ты</i>
εὐδοκία <i>благоволение</i>	υἱός <i>сын</i>
ζητέω <i>ищу; стремлюсь</i>	ὑμᾶς <i>вас</i>
ἢ <i>или</i>	ὑψιστος <i>высший; вышний</i>
θαυμάζω <i>удивляюсь</i>	χαίρω <i>радуюсь</i>
Θεός <i>Бог</i>	

Neutrum

<i>Casus</i>	<i>Προπερισπόμενον: обличенное на втором слоге с конца</i>	
<i>nominatīvus</i>	ζῷον «животное»	ζῷα «животные»
<i>genitīvus</i>	ζῷου «животного»	ζῷων «животных»
<i>datīvus</i>	ζῷῳ «животному»	ζῷοις «животным»
<i>accusatīvus</i>	ζῷον «животное»	ζῷα «животных»
<i>vocatīvus</i>	ζῷον «животное!»	ζῷα «животные!»

<i>Casus</i>	<i>Ὀξύτονον: острое на последнем слоге</i>	
<i>nominatīvus</i> = <i>vocatīvus</i>	ῥόν «яйцо»	ῥά «яйца»
<i>genitīvus</i>	ῥόν «яйца»	ῥῶν «яиц»
<i>datīvus</i>	ῥῶν «яйцу»	ῥοῖς «яйцам»
<i>accusatīvus</i>	ῥόν «яйцо»	ῥά «яйца»

IX. Прочитайте, найдите глаголы, переведите текст, определяя падеж и число существительных: Καὶ ἐν μέσῳ τοῦ θρόνου καὶ κύκλῳ τοῦ θρόνου τέσσαρα ζῷα γέμοντα ὀφθαλμῶν ἔμπροσθεν καὶ ὀπισθεν καὶ τὸ ζῷον τὸ πρῶτον ὅμοιον λέοντι, καὶ τὸ δεῦτερον ζῷον ὅμοιον μόσχῳ, καὶ τὸ τρίτον ζῷον ἔχον τὸ πρόσωπον ὡς ἀνθρώπου, καὶ τὸ τέταρτον ζῷον ὅμοιον ἀετῷ πετομένῳ (Откр. 4:6-7).

Словарь

ἀετός <i>орел</i>	μέσον <i>середина</i>
ἄνθρωπος <i>человек</i>	μόσχος <i>телец</i>
γέμοντα <i>преисполненные</i>	ὅμοιος <i>подобный</i>
δεύτερος <i>второй</i>	ὀπισθεν <i>сзади</i>
ἔμπροσθεν <i>спереди</i>	ὀφθαλμός <i>глаз; око</i>
ἐν (+dat.) <i>в (+ предл. пад.)</i>	πέτομενος <i>летающий</i>
ἔχον <i>имеющий</i>	πρόσωπον <i>лицо; лик</i>
ζῷον <i>животное</i>	πρῶτος <i>первый</i>
θρόνος <i>трон; престол</i>	τέσσαρα <i>четыре</i>
καὶ <i>и</i>	τέταρτος <i>четвертый</i>
κύκλος <i>круг (κύκλῳ вокруг)</i>	τρίτος <i>третий</i>
λέοντι <i>льву</i>	ὡς <i>как, словно</i>

Declinatio prima
Femininum: α purum («альфа чистая»)

Causus	Προπαροξύτονον	
	singulāris	plurālis
<i>nominatīvus = vocatīvus</i>	χίμαιρᾶ «коза»	χίμαιραι «козы»
<i>genitīvus</i>	χιμαίρᾱς «козы»	χιμαιρῶν «коз»
<i>datīvus</i>	χιμαίρᾳ «козе»	χιμαίραις «козам»
<i>accusatīvus</i>	χίμαιρᾶν «козу»	χιμαίρᾱς «коз»

Causus	Παροξύτονον			
<i>nom. = voc.</i>	ιδέα «вид; идея»	ιδέαι	πολιτεία «государство»	πολιτεῖαι
<i>genitīvus</i>	ιδεᾶς	ιδεῶν	πολιτείας	πολιτειῶν
<i>datīvus</i>	ιδεᾷ	ιδεαῖς	πολιτεία	πολιτεῖαις
<i>accusatīvus</i>	ιδεᾶν	ιδεᾶς	πολιτεῖαν	πολιτεῖας

Causus	Όξύτονον	
<i>nominatīvus = vocatīvus</i>	ἀγορά [ᾱ] «площадь»	ἀγοραί «площади»
<i>genitīvus</i>	ἀγορᾶς «площади»	ἀγορῶν «площадей»
<i>datīvus</i>	ἀγορᾷ «площади»	ἀγοραῖς «площадям»
<i>accusatīvus</i>	ἀγοράν «площадь»	ἀγοράς «площади»

X. *Προχिताίτε, ναῦθιτε γлаголы, πηρεβειτε текст, определяя падеж и число существительных: 1. καὶ ἐξελθὼν περὶ τρίτην ὥραν εἶδεν ἄλλους ἑστῶτας ἐν τῇ ἀγορᾷ ἀργούς <...> (Μφ. 20:3). 2. Τίτι δὲ ὁμοίῳσω τὴν γενεὰν ταύτην; ὁμοία ἐστὶν παιδίοις καθημένοις ἐν ταῖς ἀγοραῖς <...> (Μφ. 11:16). 3. Καὶ εἶπεν Μαριὰμ· Μεγαλύνει ἡ ψυχὴ μου τὸν Κύριον, <...> ἀπὸ τοῦ νῦν μακαριοῦσιν (буд. вр.) με πάσαι αἱ γενεαί· ὅτι ἐποίησέν μοι μεγάλα ὁ δυνατός, <...> καὶ τὸ ἔλεος αὐτοῦ εἰς γενεὰς καὶ γενεὰς τοῖς φοβουμένοις αὐτόν. <...> διεσκόρπισεν ὑπερηφάνους διανοία καρδίας αὐτῶν <...> (Λκ. 1:46, 48-51). 4. [οἶκος Θεοῦ] ἐστὶν ἐκκλησία Θεοῦ ζῶντος, στῦλος καὶ ἐδραῖωμα τῆς ἀληθείας (1 Τιμ. 3:15).*

Словарь

<p> ἀγορά <i>площадь</i> ἀλήθεια <i>истина</i> ἀργός <i>праздний</i> ἄλλος <i>другой</i> ἀπό (+gen.) <i>от</i> αὐτόν <i>ego</i> (вин. пад.) αὐτοῦ <i>ego</i> (род. пад.) αὐτῶν <i>их</i> (род. пад.) γενεά <i>род, племя</i> δέ <i>же</i> διάνοια <i>размышление;</i> <i>мысль</i> διεσκόρπισεν <i>он рассеял</i> δυνατός <i>сильный; могучий</i> ἐδραΐωμα <i>утверждение</i> εἶδεν <i>увидел</i> εἶπεν <i>сказал(а)</i> εἰς <i>в</i> (+ вин. пад.) ἐκκλησία <i>Церковь</i> ἔλεος <i>милосердие; милость</i> ἐν (+dat.) <i>в</i> (+ предл. пад.) ἐξελθὼν <i>вышедший, выйдя</i> ἐποίησεν <i>сотворил</i> ἐστῶτας <i>стоящих</i> ζῶντος <i>живого</i> Θεός <i>Бог</i> καθήμενος <i>сидящий</i> καί <i>и</i> </p>	<p> καρδία <i>сердце</i> Κύριος <i>Господь</i> μακαρίζω <i>прославляю</i> Μαριάμ <i>Мария</i> με <i>меня</i> (вин. п.) μεγάλα <i>великое; величие</i> (букв.: ср. р. мн. ч.) μεγαλύνω <i>возвеличиваю</i> μοι <i>мне</i> (дат. п.) μου <i>моя</i> νῦν <i>ныне</i> οἶκος <i>дом</i> ὅμοιος <i>подобный</i> ὁμοιώσω <i>уподоблю</i> ὅτι <i>(потому) что</i> παιδίον <i>дитя</i> πᾶσαι <i>все</i> περί (+acc.) <i>около</i> στῦλος <i>столп; опора</i> ταύτην <i>эту</i> (согласуйте со словом γενεάν) τίνι <i>кому</i> τρίτος <i>третий</i> ὑπερήφανος <i>надменный;</i> <i>высокомерный</i> φοβούμενος <i>боящийся</i> ψυχή <i>душа</i> ᾠρα <i>час</i> </p>
--	---

α impurum («альфа нечистая»)

<i>Casus</i>	<i>Προπαροξύτονον</i>	
<i>nominatīvus = vocatīvus</i>	μέλισσᾶ «пчела»	μέλισσαι
<i>genitīvus</i>	μελίσης	μελισσῶν
<i>datīvus</i>	μελίση	μελίσαις
<i>accusatīvus</i>	μέλισσᾶν	μελίσαῖς

<i>Casus</i>	<i>Προπερισπώμενον</i>	
<i>nominatīvus = vocatīvus</i>	μοῦσᾶ «муза»	μοῦσαι
<i>genitīvus</i>	μούσης	μουσῶν
<i>datīvus</i>	μούση	μούσαις
<i>accusatīvus</i>	μούσᾶν	μούσαῖς

<i>Casus</i>	<i>Παροξύτονον</i>	
<i>nominatīvus = vocatīvus</i>	ρίζᾶ «корень»	ρίζαι
<i>genitīvus</i>	ρίζης	ρίζων
<i>datīvus</i>	ρίζη	ρίζαις
<i>accusatīvus</i>	ρίζᾶν	ρίζαις

XI. Прочитайте, найдите глаголы, переведите текст, определяя падеж и число существительных: 1. Δόξαν παρὰ ἀνθρώπων οὐ λαμβάνω (Ιη. 5:41). 2. <...> σεισμός μέγας ἐγένετο ἐν τῇ θαλάσῃ <...> (Μφ. 8:24). 3. οὐ δύνασθε τραπέζης Κυρίου μετέχειν καὶ τραπέζης δαιμονίων (1 Κορ. 10:21). 4. <...> ἑτέρα μὲν ἢ τῶν ἐπουρανίων δόξα, ἑτέρα δὲ ἢ τῶν ἐπιγείων. ἄλλη δόξα ἡλίου, καὶ ἄλλη δόξα σελήνης, καὶ ἄλλη δόξα ἀστέρων· ἀστὴρ γὰρ ἀστέρος διαφέρει ἐν δόξῃ (1 Κορ. 15:40-41). 5. <...> μὴ πάντες γλώσσαις λαλοῦσιν; μὴ πάντες διερμηνεύουσιν; ζηλοῦτε δὲ τὰ χαρίσματα τὰ μείζονα. <...> Ἐὰν ταῖς γλώσσαις τῶν ἀνθρώπων λαλῶ (=λαλέω) καὶ τῶν ἀγγέλων, ἀγάπην δὲ μὴ ἔχω, γέγονα χαλκὸς ἢ ἡχῶν ἢ κύμβαλον ἀλαλάζον (1 Κορ. 12:30-13:1).

Словарь

ἀγάπη <i>любовь</i>	ἔχω <i>имею</i>
ἄγγελος <i>ангел</i>	ζηλώω <i>ревностно добиваюсь</i>
ἀλαλάζον <i>гремящее</i>	ἤ или
(переведите: <i>гремящий</i>)	ἥλιος <i>солнце</i>
ἄλλη <i>другая</i> (при	ἤχων <i>звонящий</i>
перечислении: <i>одна... другая...</i>)	θάλασσα <i>море</i>
ἄνθρωπος <i>человек</i>	καί <i>и</i>
ἀστήρ (gen.: ἀστέρος) <i>звезда</i>	κύμβαλον <i>кимвал</i>
γάρ <i>ибо</i>	Κύριος <i>Господь</i>
γέγονα <i>я стал</i>	λαλέω <i>говорю</i>
γλῶσσα <i>язык</i>	λαμβάνω <i>принимаю</i>
δαιμόνιον <i>бес</i>	μείζονα <i>бóльшие</i>
δέ <i>же</i>	μή <i>неужели; разве; не</i>
διαφέρω <i>отличаюсь от...</i>	μέγας <i>большой; великий</i>
διερμηνεύω <i>истолковываю</i>	μετέχω <i>принимаю участие;</i>
δόξα <i>слава</i>	<i>причащаюсь</i>
δύνασθε <i>можете</i>	οὐ <i>не</i>
ἐάν <i>если</i>	πάντες <i>все</i>
ἐγένετο <i>сделался/сделалась</i>	παρά (+gen.) <i>от</i>
ἐν (+dat.) <i>в (+ предл. пад.)</i>	σεισμός <i>волнение; буря</i>
ἐπίγειος <i>земной</i>	σελήνη <i>луна</i>
ἐπουράνιος <i>небесный</i>	τράπεζα <i>стол; трапеза</i>
ἑτέρα <i>другая</i> (при	χαλκός <i>медь</i>
перечислении: <i>одна... другая...</i>)	χαρίσματα <i>дары</i>

ᾱ → η

<i>Casus</i>	<i>Παροξύτονον</i>	
<i>nominatīvus</i>	νύμφη «невеста» [ῥ]	νύμφαι
<i>genitīvus</i>	νύμφης	νυμφῶν
<i>datīvus</i>	νύμφη	νύμφαις
<i>accusatīvus</i>	νύμφην	νύμφᾱς
<i>vocatīvus</i>	νύμφᾱ	νύμφαι

<i>Casus</i>	<i>Παροξύτονον</i>	
<i>nominatīvus=vocatīvus</i>	ὔλη «лес; материя» [ŭ]	ὔλαι
<i>genitīvus</i>	ὔλης	ὔλων
<i>datīvus</i>	ὔλη	ὔλαις
<i>accusatīvus</i>	ὔλην	ὔλᾱς

<i>Casus</i>	<i>Ὀξύτονον</i>	
<i>nominatīvus = vocatīvus</i>	ψυχή «душа»	ψυχαί
<i>genitīvus</i>	ψυχῆς	ψυχῶν
<i>datīvus</i>	ψυχῇ	ψυχαῖς
<i>accusatīvus</i>	ψυχήν	ψυχάς

XII. Прочитайте, наϊдите глаголы, переведите текст, определяя падеж и число существительных: 1. <...> ὁ θησαυρὸς τῶν ἀγαθῶν καὶ ζωῆς χορηγός, <...> σώσον, Ἄγαθέ, τὰς ψυχὰς ἡμῶν. 2. Ἐλλην παραβολὴν ἐλάλησεν αὐτοῖς· Ὅμοία ἐστὶν ἡ βασιλεία τῶν οὐρανῶν ζύμη <...> (Μφ. 13:33). 3. διὰ τοῦτο ἐν παραβολαῖς αὐτοῖς λαλῶ (=λαλέω), ὅτι βλέποντες οὐ βλέπουσιν καὶ ἀκούοντες οὐκ ἀκούουσιν <...> (Μφ. 13:13). 4. <...> καὶ ἡ γλῶσσα μικρὸν μέλος ἐστὶν καὶ μέγала αὐχεῖ. Ἴδου ἡλίκον πῦρ ἡλίικην ὔλην ἀνάπτει· καὶ ἡ γλῶσσα πῦρ· ὁ κόσμος τῆς ἀδικίας (Иак. 3:5-6). 5. Εἰσέλθατε διὰ τῆς στενῆς πύλης· ὅτι πλατεία ἡ πύλη καὶ εὐρύχωρος ἡ ὁδὸς ἡ ἀπάγουσα εἰς τὴν ἀπώλειαν, καὶ πολλοὶ εἰσιν οἱ εἰσερχόμενοι δι' αὐτῆς· ὅτι στενή ἡ πύλη καὶ τεθλιμμένη ἡ ὁδὸς ἡ ἀπάγουσα εἰς τὴν ζωὴν, καὶ ὀλίγοι εἰσιν οἱ εὐρίσκοντες αὐτήν (Μφ. 7:13-14).

Словарь

ἀγαθός <i>добрый, благой</i>	ἀπώλεια <i>гибель</i>
ἀδικία <i>несправедливость</i>	αὐτήν <i>еѐ</i>
ἀκούοντες <i>слышающие, слыша</i>	αὐτῆς (ἠ) <i>еѐ</i>
ἀκούω <i>слышу</i>	αὐτοῖς <i>им</i>
ἄλλος, ἄλλη, ἄλλο <i>другой,</i>	αὐχέω <i>хваляюсь</i>
<i>другая, другое</i>	βασιλεία <i>царство</i>
ἀνάπτω <i>сжигаю</i>	βλέποντες <i>видящие, видя</i>
ἀπάγουσα <i>уводящая; ведущая</i>	βλέπω <i>вижу</i>

<p> <i>γλῶσσα язык</i> <i>διά (= δι') (+gen.) через</i> <i>διὰ τοῦτο из-за того</i> <i>εἰς (+acc.) в (+ вин. пад.)</i> <i>εἰσέλθατε входите</i> <i>εἰσερχόμενοι входящие</i> <i>ἐλάλησεν сказал</i> <i>ἐν (+dat.) в (+ предл. пад.)</i> <i>εὕρισκοντες находящие;</i> <i>обнаруживающие</i> <i>εὐρύχωρος широкий;</i> <i>просторный</i> <i>ζύμη закваска</i> <i>ζωή жизнь</i> <i>ἥλικος какою; каковой</i> <i>ἡμῶν наши</i> <i>θησαυρός сокровище</i> <i>ἰδοῦ смотри; вот</i> <i>καί и</i> <i>κόσμος мирь; украшение</i> <i>λαλέω говорю</i> </p>	<p> <i>μεγάλα многое</i> <i>μέλος часть тела</i> <i>μικρός малый</i> <i>ὁδός путь; дорога</i> <i>ὀλίγος, 3 немногий</i> <i>ὅμοιος подобный</i> <i>ὅτι что; потому что</i> <i>οὐ (= οὐκ) не</i> <i>οὐρανός небо</i> <i>πάλιν вновь; опять</i> <i>παραβολή притча</i> <i>πλατεία широкая</i> <i>πολλοί многие</i> <i>πύλη дверь; врата</i> <i>πῦρ огонь</i> <i>στενός узкий; тесный</i> <i>σῶσον спаси</i> <i>τεθλιμμένος тесный</i> <i>ὕλη лес; вещество</i> <i>χορηγός податель</i> <i>ψυχή душа</i> </p>
---	---

Masculinum: α purum

<i>Casus</i>	<i>Παροξύτονον</i>	
<i>nominatīvus</i>	νεανίᾱς «юноша»	νεανίαι
<i>genitīvus</i>	νεανίου	νεανιῶν
<i>datīvus</i>	νεανίᾳ	νεανίαις
<i>accusatīvus</i>	νεανίᾱν	νεανίᾱς
<i>vocatīvus</i>	νεανία	νεανίαι

Masculinum: -ης

<i>Casus</i>	<i>Παροξύτονον</i>			
<i>nominatīvus</i>	δεσπότης «владыка»	δεσπόται	δεσμώτης «узник»	δεσμῶται
<i>genitīvus</i>	δεσπότου	δεσποτῶν	δεσμώτου	δεσμωτῶν
<i>datīvus</i>	δεσπότῃ	δεσπόταις	δεσμώτῳ	δεσμώταις
<i>accusatīvus</i>	δεσπότην	δεσπότᾱς	δεσμώτην	δεσμώτας
<i>vocatīvus</i>	δέσποτᾱ	δεσπόται	δεσμῶτα	δεσμῶται

<i>Casus</i>	<i>Ὀξύτονον</i>	
<i>nominatīvus</i>	μαθητής «ученик»	μαθηταί
<i>genitīvus</i>	μαθητοῦ	μαθητῶν
<i>datīvus</i>	μαθητῇ	μαθηταῖς
<i>accusatīvus</i>	μαθητήν	μαθητάς
<i>vocatīvus</i>	μαθητά	μαθηταί

Articuli

<i>Casus</i>	<i>Singularis</i>			<i>Pluralis</i>		
	<i>m</i>	<i>f</i>	<i>n</i>	<i>m</i>	<i>f</i>	<i>n</i>
<i>Nom.</i>	ὁ	ἡ	τό	οἱ	αἱ	τά
<i>Gen.</i>	τοῦ	τῆς	τοῦ	τῶν	τῶν	τῶν
<i>Dat.</i>	τῷ	τῇ	τῷ	τοῖς	ταῖς	τοῖς
<i>Acc.</i>	τόν	τήν	τό	τούς	τάς	τά
<i>Voc.</i>	ὦ	ὦ	ὦ	ὦ	ὦ	ὦ

XIII. Прочитайте, найдите глаголы, переведите текст, определяя падеж и число существительных: 1. Ἰησοῦς <...> λέγει τῇ μητρὶ· Γύναι, ἴδε ὁ υἱός σου. εἶτα λέγει τῷ μαθητῇ Ἴδε ἡ μήτηρ σου (Ин. 19:26-27). 2. ἀπὸ δὲ τῶν ἡμερῶν Ἰωάννου τοῦ βαπτιστοῦ ἕως ἄρτι ἡ βασιλεία τῶν οὐρανῶν βιάζεται καὶ βιασταὶ ἀρπάζουσιν αὐτήν (Μφ. 11:12). 3. Νῦν ἀπολύεις τὸν δοῦλόν σου, δέσποτα, κατὰ τὸ ῥῆμά σου ἐν εἰρήνῃ (Лк. 2:29). 4. οὐκ ἔστιν μαθητῆς ὑπὲρ τὸν διδάσκαλον (Лк. 6:40). 5. ὁ δεχόμενος προφήτην εἰς ὄνομα προφήτου μισθὸν προφήτου λήμψεται (Μφ. 10:41). 6. οἱ γραμματεῖς τῶν Φαρισαίων ἰδόντες, ὅτι ἐσθίει μετὰ τῶν ἀμαρτωλῶν καὶ τελωνῶν ἔλεγον τοῖς μαθηταῖς αὐτοῦ Ὅτι μετὰ τῶν τελωνῶν καὶ ἀμαρτωλῶν ἐσθίει; καὶ ἀκούσας ὁ Ἰησοῦς λέγει αὐτοῖς· Οὐ χρεῖαν ἔχουσιν οἱ ἰσχύοντες ἰατροῦ ἀλλ' οἱ κακῶς ἔχοντες (Μκ. 2:16-17). 7. καὶ αὐτὸς ἔδωκεν τοὺς μὲν (κογο) ἀποστόλους (кем), τοὺς δὲ (κογο) προφήτας (кем), τοὺς δὲ (κογο) εὐαγγελιστάς (кем), τοὺς δὲ (κογο) ποιμένας (кем) καὶ διδασκάλους (кем), πρὸς τὸν καταρτισμὸν τῶν ἀγίων εἰς ἔργον διακονίας, εἰς οἰκοδομὴν τοῦ σώματος τοῦ Χριστοῦ <...> (Еф. 4:11-12).

Словарь

ἅγιος <i>святой</i>	γραμματεῖς <i>ученый; книжник</i>
ἀκούσας <i>услышав</i>	γύναι <i>жено!</i>
ἀλλ' = ἀλλά <i>но</i>	δέ <i>же</i>
ἀμαρτωλός, ὁ <i>грешник</i>	δεσπότης, ὁ <i>владыка</i>
ἀπό (+gen.) <i>от</i>	δεχόμενος <i>принимающий</i>
ἀπολύω <i>отпускаю</i>	διακονία, ἡ <i>служение</i>
ἀπόστολος, ὁ <i>апостол</i>	διδάσκαλος, ὁ <i>учитель</i>
ἀρπάζω <i>хватаяю; захватываю</i>	δοῦλος, ὁ <i>раб</i>
αὐτήν <i>ее</i>	ἔδωκεν <i>дал</i> (здесь: <i>поставил</i>)
αὐτοῖς <i>им</i>	εἰρήνη, ἡ <i>мир</i>
αὐτός <i>сам, он</i>	εἰς (+acc.) <i>в, во; к, на</i>
αὐτοῦ <i>его</i>	εἶτα <i>потом; затем</i>
βαπτιστής, ὁ <i>креститель</i>	ἔλεγον <i>говорили</i>
βασιλεία, ἡ <i>царство</i>	ἐν (+dat.) <i>в</i>
βιάζεται <i>берется силой</i>	ἔργον, τό <i>дело</i>
βιαστής, ὁ <i>применяющий</i>	ἐσθίω <i>ем</i>
ὑσῖλιε; <i>борец</i>	ἔχοντες <i>чувствующие себя</i>

(κακῶς ἔχοντες <i>больные</i>) εὐαγγελιστής, ὁ <i>проповедник</i> <i>Евангелия</i> ἔχω <i>имею</i> ἕως ἄρτι <i>доселе</i> ἡμέρα, ἡ <i>день</i> ἰατρός, ὁ <i>врач</i> ἴδε <i>вот</i> ἰδόντες <i>видящие</i> Ἰησοῦς, ὁ <i>Иисус</i> ἰσχύοντες <i>здравствующие;</i> <i>здоровые</i> Ἰωάννης, ὁ <i>Иоанн</i> καί <i>и</i> κακῶς <i>плохо; дурно</i> κατὰ (+ acc.) <i>по; согласно</i> καταρτισμός, ὁ <i>исправление;</i> <i>усовершенствование</i> λέγω <i>говорю</i> λήμψεται <i>получит</i> μαθητής, ὁ <i>ученик</i> μετὰ (+ gen.) <i>с; вместе с</i>	μήτηρ (dat. μητρί), ἡ <i>мать</i> μισθός, ὁ <i>плата; награда</i> νῦν <i>ныне</i> οἰκοδομή, ἡ <i>созидание</i> ὄνομα, τό <i>имя</i> ὅτι <i>что</i> οὐ (= οὐκ) <i>не</i> οὐρανός, ὁ <i>небо</i> ποιμένες <i>пастыри</i> πρὸς (+ acc.) <i>для</i> προφήτης, ὁ <i>пророк</i> ῥῆμα, τό <i>слово; глагол</i> σου <i>твой, твоего, твоему</i> σώματος <i>τέλα</i> τελώνης, ὁ <i>мытарь</i> τοὺς μὲν... τοὺς δὲ... <i>одних...</i> <i>других...</i> υἱός, ὁ <i>сын</i> ὑπέρ (+acc.) <i>над</i> Φαρισαῖος, ὁ <i>фарисεῖ</i> χρεία, ἡ <i>нужда</i> Χριστός, ὁ <i>Христос</i>
--	--

Nomen adiectivum

νέος 3 = νέος (m), νέα (f), νέον (n) «молодой»	φίλος 3 = φίλος (m), φίλη (f), φίλον (n) «любимый»
μῶρος 3 = μῶρος (m), μώρα (f), μῶρον (n) «глупый; юридивый»	κοῦφος 3 = κοῦφος (m), κόυφη (f), κοῦφον (n) «легкий; ничтожный»
ἰερός 3 = ἰερός (m), ἱερά (f), ἱερόν (n) «великий; священный»	σοφός 3 = σοφός (m), σοφή (f), σοφόν (n) «искусный; мудрый»
βάρβαρος 2 = βάρβαρος (m, f), βάρβαρον (n) «негреческий»	ἥσυχος 2 = ἥσυχος (m, f), ἥσυχον (n) «спокойный»
δίκαιος 3 <i>и</i> 2 = δίκαιος (m), δικαία (f), δίκαιον (n) <i>и</i> δίκαιος (m, f), δίκαιον (n) «справедливый»	ἀνθρώπινος 3 = ἀνθρώπινος (m), ἀνθρώπινή (f), ἀνθρώπινον (n) «человеческий»

XIV. *Прочитайте, найдите глаголы, переведите текст, определяя падеж, число и род прилагательных:* Φῶς ἰλαρὸν ἁγίας δόξης ἀθανάτου Πατρός, οὐρανίου, ἁγίου, μάκαρος, Ἰησοῦ Χριστέ, ἔλθόντες ἐπὶ τὴν ἡλίου δύσιν, ἰδόντες φῶς ἑσπερινόν, ὑμνοῦμεν Πατέρα, Υἱὸν καὶ Ἄγιον Πνεῦμα, Θεόν. Ἄξιόν σε ἐν πᾶσι καιροῖς ὑμνεῖσθαι φωναῖς αἰσίαις, Υἱὲ Θεοῦ, ζῶν διδούς· διὸ ὁ κόσμος σε δοξάζει.

Словарь

ἅγιος 3 <i>святой</i>	ἰλαρός 3 <i>радостный</i>
ἀθάνατος 2 и 3 <i>бессмертный</i>	Ἰησοῦς, ὁ <i>Иисус</i>
αἰσίος 3 <i>подходящий</i>	καιρός, ὁ <i>время</i>
ἄξιος 3 <i>достойный</i>	κόσμος, ὁ <i>мир</i>
διδούς <i>дающий</i>	μάκαρ (gen. μάκαρος) <i>блаженный</i>
διὸ <i>поэтому</i>	οὐράνιος 3 <i>небесный</i>
δόξα, ἡ <i>слава</i>	πᾶσι dat. pl. от πᾶς <i>весь</i>
δοξάζω <i>славить</i>	πατήρ (gen. πατρός, acc. Πατέρα), ὁ <i>отец</i>
δύσιν (acc. sg. δύσιν), ἡ <i>закат, запад</i>	πνεῦμα (gen. πνεύματος), τό <i>дух</i>
ἐλθόντες <i>пришедшие</i>	σε <i>тебя</i>
ἐν (+dat.) <i>в</i>	ὑμνέω <i>петь; воспевать</i>
ἐπὶ (+acc.) <i>на</i>	υἱός, ὁ <i>сын</i>
ἑσπερινός 3 <i>вечерний</i>	φωνή, ἡ <i>звук; голос</i>
ζωή, ἡ <i>жизнь</i>	φῶς (gen. φωτός), τό <i>свет</i>
ἥλιος, ὁ <i>солнце</i>	Χριστός, ὁ <i>Христос</i>
Θεός, ὁ <i>Бог</i>	
ἰδόντες <i>увидев(шие)</i>	

Ср.: *Iucunda lux tu gloriae, fons luminis de lumine, beate Iesu caelitus a Patre sancto prodiens. Fulgor diei lucidus solisque lumen occidit, et nos ad horam vesperam te confitemur cantico. Laudamus unicum Deum, Patrem potentem, Filium cum Spiritu Paraclito in Trinitatis Gloria. O digne linguis qui piis lauderis omni tempore, Fili Dei, te saecula vitae datorem personent. Amen.*

O Gladsome Light of the Holy Glory of the Immortal Father, Heavenly, Holy, Blessed Jesus Christ! Now that we have come to the setting of the sun and behold the light of evening, we praise God Father, Son and Holy Spirit. For meet it is at all times to worship Thee with voices of praise. O Son of God and Giver of life, therefore all the world doth glorify Thee.

Свѣте тихій сѣтъ славы, безсмертнаго, оца нб҃наго, сѣтаго блженнаго, їисе хр҃те: пришедше на западъ солнца, видѣвше свѣтъ вечерній, поемъ оца, сѣна, и сѣтаго дха, б҃га. достоинъ еси во вса времена пѣтъ быти гласы преподобными, сѣне ѡжиі, животь дааи: тѣмже мїръ тл славить

XV. *Переведите текст:* 1. Ἦρος (=Ἔρωσ) δηῦτέ (= δὴ αὐτέ) μὲν ὁ (=ὁ) λυσιμέλης δόνει (=δονεῖ) / γλυκύπικρον ἀμάχανον (=ἀμήχανον) ὄρπετον (=ὄρπετόν) (*Sappho*. *Fragm.* 130). 2. ἰόπλοκ' (=ἰοπλόκε), ἄγνα (=ἀγνά), μελλιχόμειδε Σάπφοι (=Σαπφοῖ), / θέλω τί τ' εἶπην (=εἶπεῖν), ἀλλά με κωλύει αἰδώς (=αἰδώς) (*Alceus*. *Fragm.* 384, 137). 3. Ἦρος αὐτέ με κυανέοισιν (=κυανέοις) ὑπὸ / βλεφάροις τακέρ' ὄμμασι δερκόμενος / κηλήμασι παντοδαποῖς ἐς (=εἰς) ἄπει- / ρα δίκτυα Κύπριδος ἐσβάλλει (=εἰσβάλλει) / ἧ μὰν τρομέω νιν ἐπερχόμενον, / ὥστε φερέζυγος ἵππος ἀεθλοφόρος ποτὶ (=πρὸς) γήραι / ἀέκων σὺν ὄχεσφι θοοῖς ἐς ἄμιλλαν ἔβα (*Ibycus*. *Fragm.* 6).

Словарь

ἀγνός, 3 <i>чистый; непорочный</i>	<i>в косы фиалками;</i>
ἀ(ε)θλοφόρος, 2 <i>получивший награду на состязании</i>	<i>увенчанный фиалками; фиалкокудрый</i>
ἀ(έ)κων, -ουσα, -ον <i>против воли</i>	<i>ἵππος, ὁ конь</i>
αἰδώς, οὖς, ἡ <i>чувство стыда; стыд</i>	<i>κῆλημα, -ατος, τό чара, обольщение</i>
ἀλλά <i>но</i>	
ἀμήχανος, 2 <i>неодолимый</i>	<i>κυάνεος, 3 иссиня-черный</i>
ἄμιλλα, ἡ <i>состязание</i>	<i>Κύπρις, -ιδος, ἡ Киприда</i>
ἄπειρος, 2 <i>беспредельный</i>	<i>κωλύω препятствую</i>
αὖτε <i>опять</i>	<i>λυσιμελής, 2</i>
βλέφαρον, τό <i>ресница</i>	<i>обессиливающий</i>
γῆρας, γήραος, τό <i>старость</i>	<i>μ' (=με) меня</i>
γλυκύπικρος, 2 <i>сладостно-горький</i>	<i>μελλιχόμεϊδος, 2 с медовой улыбкой</i>
δεοκόμενος, 3 <i>глядящий</i>	<i>νίν ego, ee</i>
δή <i>именно, как раз, же, -то</i>	<i>ὄμμα, ὄμματος, τό око</i>
δίκτυον, τό <i>сеть; невод</i>	<i>ὄχσεφ(ι)ν dat. pl. от ὄχος,</i>
δονέω <i>сотрясаю; гоню</i>	<i>-εος, τό колесница</i>
ἔβα – <i>аорист 3 sg. от βαίνω иду</i>	<i>παντοδαπός, 3 всевозможный</i>
εἰπεῖν <i>инф. аор. от λέγω говорю</i>	<i>πρός (=dat.) κ; у; при</i>
εἰς (+acc.) <i>в</i>	<i>Σαπφώ, -οὔς, ἡ (vocativus: Σαπφοῖ) Сапфо</i>
εἰσβάλλω <i>бросаю</i>	<i>σύν (+dat.) с</i>
ἐπερχόμενος, 3 <i>приближающийся</i>	<i>τ' (=τοί) тебе</i>
έρπετόν, τό <i>змея</i>	<i>τακέρ' (=τακερά) томно</i>
Ἔρωс, -ωτος, ὁ <i>Эрот</i>	<i>τίς, τί некто; нечто</i>
ἤ μάν <i>поистине; конечно</i>	<i>τρομέω трепещу; боюсь</i>
θέλω <i>хочу</i>	<i>ὑπό (+dat.) под; из-под</i>
θοός, 3 <i>быстрый</i>	<i>φερέζυγος, 2 несущий ярмо</i>
ἰοπλόκος, 2 <i>с вплетенными</i>	<i>ὥστε как, словно</i>

Pronomina

Личные		Nom.	Gen.	Dat.	Acc.
	1sg	ἐγώ «Я»	ἐμοῦ (μου)	ἐμοί (μοι)	ἐμέ (με)
	2sg	σύ «Ты»	σοῦ (σου)	σοί (σοι)	σέ (σε)
	1pl	ἡμεῖς «Мы»	ἡμῶν	ἡμῖν	ἡμᾶς
	2pl	ὕμεῖς «Вы»	ὕμῶν	ὕμῖν	ὕμᾶς
Указательные	m. ὅδε (G. τοῦδε), f. ἥδε (G. τῆσδε), n. τόδε (G. τοῦδε) ἁούτος (G. τοῦτου), αὕτη (G. ταύτης), τοῦτο (τούτου) (pl. N. m. οὗτοι, f. αὗται, n. ταῦτα, G. τούτων) «этой»				
	m. ἐκεῖνος, f. ἐκεῖνη, n. ἐκεῖνο «той»				
Возвратные	ἐμαυτοῦ, -ῆς «меня самого, мой», σ(ε)αυτοῦ, -ῆς «тебя самого, твой», ἐαυτοῦ, -ῆς, οὐ «себя» и т.д.				
Относительное	m. ὅς (G. οὗ), f. ἥ (G. ἧς), n. ὅ (G. οὗ) «который»				

m. αὐτός, f. αὐτή, n. αὐτό «сам»; в косв. пад. — αὐτοῦ «его» и т. д.; с артиклем — ὁ αὐτός «той же самый» и т.д. (ср.: тавтология).
ἄλλος, -η, -ο «другой»; с артиклем — ὁ ἄλλος «остальной»

XVI. Прочитайте, найдите глаголы, переведите текст, определяя падеж и число местоимений: 1. Λέγω ὅτι σὺ εἶ Πέτρος, καὶ ἐπὶ ταύτῃ τῇ πέτρᾳ οἰκοδομήσω μου τὴν ἐκκλησίαν, καὶ πύλαι ᾄδου οὐ κατισχύσουσιν αὐτῆς (Μφ. 16:18). 2. Τίς ἄρα οὗτός ἐστιν ὅτι καὶ ὁ ἄνεμος καὶ ἡ θάλασσα ὑπακούει αὐτῷ; (Μκ. 4:41). 3. Λέγει αὐτῷ ὁ Πιλάτος: Τί ἐστιν ἀλήθεια; (Ин. 18:38). 4. πᾶς ὁ λαὸς εἶπεν· τὸ αἶμα αὐτοῦ ἐφ' ἡμᾶς καὶ ἐπὶ τὰ τέκνα ἡμῶν (Μφ. 27:25).

Словарь

ἄδης, ὁ <i>ad</i>	λαός, ὁ <i>narod</i>
αἷμα, τό <i>кровь</i>	λέγω <i>говорю</i>
ἀλήθεια, ἡ <i>истина</i>	οἰκοδομέω <i>воздвигаю; создаю</i>
ἄνεμος, ὁ <i>ветер</i>	ὅτι (<i>потому</i>) <i>что</i>
ἄρα <i>итак; же</i>	οὐ (οὐκ) <i>не</i>
αὐτός, -ή, -ό <i>сам; он</i>	οὗτος, αὕτη, τοῦτο <i>этот, эта, это</i>
ἐγώ <i>я</i>	πᾶς <i>весь. всякий</i>
εἶ <i>см. εἰμί бытъ</i>	πέτρα, ἡ <i>скала</i>
εἶπεν <i>сказал</i>	Πέτρος, ὁ <i>Петр</i>
ἐκκλησία, ἡ <i>Церковь</i>	Πιλάτος, ὁ <i>Пилат</i>
μου, μοι, με <i>см. ἐγώ</i>	πύλη, ἡ <i>дверь, врата</i>
ἐπί (+dat., + acc.) <i>на</i>	σύ <i>ты</i>
ἐστί <i>см. εἰμί бытъ</i>	ταυτ- <i>см. οὗτος</i>
ἐφ' = ἐπί	τέκνον, τό <i>дитя; ребенок</i>
ἡμεῖς, ἡμῶν, ἡμῖν, ἡμᾶς <i>мы</i>	τίς, τί <i>кто? что?</i>
θάλασσα, ἡ <i>море</i>	ὑπακούω <i>слушаюсь;</i>
καί <i>и</i>	<i>подчиняюсь</i>
κατισχύω <i>одолеваю</i>	

XVII. *Прочитайте, найдите глаголы, переведите текст:*

Ἀναξιμένης Εὐρυστράτου Μιλήσιος ἀρχὴν τῶν ὄντων ἀέρα ἀπεφήνατο, ἐκ γὰρ τούτου πάντα γίνεσθαι καὶ εἰς αὐτὸν πάλιν ἀναλύεσθαι (complex object). Οἶον ἢ ψυχὴν, φησίν, ἢ ἡμετέρα, ἀῆρ οὖσα, συγκρατεῖ (=συγκρατέει) ἡμᾶς, καὶ ὅλον τὸν κόσμον πνεῦμα καὶ ἀῆρ περιέχει. Λέγεται δὲ συνωνύμως ἀῆρ καὶ πνεῦμα (*Stobaeus. Anthologium. I 10, 12*).

Словарь

ἀήρ, ἀέρος, ὁ <i>воздух</i>	κόσμος, ὁ <i>космос</i>
ἀναλύεσθαι <i>разлагаться</i>	λέγεται <i>говорится</i>
Ἀναξιμένης, -ου, ὁ <i>Анаксимен</i>	Μιλήσιος, ὁ <i>милетец</i>
ἀπεφάνηατο <i>объявляя</i>	οἶον <i>как</i>
ἀρχή, ἡ <i>начало</i>	ὅλος, ὅ <i>целый</i>
αὐτός <i>сам; он</i>	πάλιν <i>снова</i>
γάρ <i>ведь</i>	πάντα <i>все</i>
γίγνεσθαι <i>возникать</i>	περιέχω <i>охватывать</i>
δέ <i>же</i>	πνεῦμα, -ατος, τό <i>дух</i>
εἰς (+acc.) <i>в</i>	συγκρατέω <i>содержу в себе</i>
ἐκ (+gen.) <i>из</i>	συνωνύμως <i>синонимически</i>
Εὐρύστρατος, ὁ <i>Εвристрат</i>	τούτου (h)ego
ἡμεῖς, ἡμᾶς <i>мы, нас</i>	φησὶν <i>говорит</i>
ἡμέτερος, ὅ <i>наш</i>	ψυχή, ἡ <i>душа</i>
καί <i>и</i>	ὢν, οὔσα, ὄν <i>сущий, -ая, -ое;</i> <i>бывши</i>

XVIII. *Прочитайте и переведите текст:* Θές με ὡς σφραγιδα ἐπὶ τὴν καρδιαν σου, ὡς σφραγιδα ἐπὶ τὸν βραχιονά σου· ὅτι κραταιὰ ὡς θάνατος ἀγάπη, σκληρὸς ὡς ἄδης ζῆλος· περίπτερα αὐτῆς περίπτερα πυρός, φλόγες αὐτῆς. (Песн. 8:6). Τὰ ἔργα, ἃ ἐγὼ ποιῶ (=ποιέω) ἐν τῷ ὀνόματι τοῦ πατρός μου, ταῦτα μαρτυρεῖ (=μαρτυρεῖ) περὶ ἐμοῦ· ἀλλὰ ὑμεῖς οὐ πιστεύετε, ὅτι οὐκ ἐστὲ ἐκ τῶν προβάτων τῶν ἐμῶν. Τὰ πρόβατα τὰ ἐμὰ τῆς φωνῆς μου ἀκούουσιν, κἀγὼ (=καὶ ἐγὼ) γινώσκω αὐτά, καὶ ἀκολουθοῦσίν μοι, κἀγὼ δίδωμι αὐτοῖς ζωὴν αἰώνιον (Ин. 10:25-28).

Словарь

<p> ἄ σμ. ὅς <i>который</i> ἀγάπη, ἡ <i>любовь</i> ἄδης, ου, ὁ <i>ад; смерть</i> αἰώνιος, 2 <i>вечный</i> ἀκολουθέω <i>следую (за)</i> ἀκούω <i>слышу</i> ἀλλά <i>но</i> ἄσμα, ατος, τό <i>песня</i> αὐτός, ἡ, ὁ <i>сам; он</i> βραχίων, ονος, ὁ <i>рука</i> γινώσκω <i>знаю</i> δίδωμι <i>даю</i> ἐκ (+gen.) <i>из</i> ἐμός, 3 <i>мой</i> ἐμοῦ, μου, μοι, με <i>от ἐγώ я</i> ἐν (+dat.) <i>в</i> ἐπί (+acc.) <i>на</i> ἔργον, τό <i>дело</i> ἐστέ σμ. εἰμί <i>быть</i> ζῆλος, ὁ <i>ревность</i> ζωή, ἡ <i>жизнь</i> θάνατος, ὁ <i>смерть</i> </p>	<p> θές <i>положи</i> καρδία, ἡ <i>сердце</i> καί <i>и</i> κραταιός, 3 <i>могучий</i> μαρτυρέω <i>свидетельствую</i> ὄνομα, ὀνόματος, τό <i>имя</i> ὅτι <i>(потому) что</i> οὐ (οὐκ) <i>не</i> πατήρ, πατρός, ὁ <i>отец</i> περί (+gen.) <i>вокруг; о</i> περίπτερα, ἡ <i>искра; стрела</i> πιστεύω <i>верю</i> ποιέω <i>делаю</i> πρόβατον, τό <i>овца</i> πῦρ, πυρός, τό <i>огонь</i> σκληρός, 3 <i>жесткий</i> σου σμ. σύ <i>ты</i> σφραγίς, -ίδος, ἡ <i>печать</i> ταῦτα σμ. οὗτος <i>этот</i> ύμεῖς <i>вы</i> φλόξ, φλογός, ἡ <i>пламя</i> φωνή, ἡ <i>звук; голос</i> ὡς <i>как</i> </p>
---	---

Nomen substantivum (продолжение)

Declinatio tertia

Masculinum

<i>Casus</i>	<i>Singularis</i>	<i>Pluralis</i>
<i>nominativus=voc.</i>	χαρακτήρ	χαρακτήρες
<i>genitivus</i>	χαρακτήρος	χαρακτήρων
<i>dativus</i>	χαρακτήρι	χαρακτήρι(ν)
<i>accusativus</i>	χαρακτήρα	χαρακτήρας

Femininum: женский род склоняется так же, как мужской.

Neutrum

<i>Casus</i>	<i>Singularis</i>	<i>Pluralis</i>
<i>nominativus=voc.</i>	σῶμα «тело»	σώματα
<i>genitivus</i>	σώματος	σωμάτων
<i>dativus</i>	σώματι	σώμασι(ν)
<i>accusativus</i>	σῶμα	σώματα

XIX. Прочитайте, найдите глаголы, переведите текст:
 εὐδουσι δ' ὀρέων κορυφαί τε καὶ φάραγγες / πρῶνές τε καὶ
 χαράδραι / φύλά τ' ἐρπέτ' (=έρπετά), ὅσα τρέφει μέλαινα
 γαῖα, / θῆρες τ' ὄρεσκῶιοι (=ὄρεσκῶοι) καὶ γένος μελισσᾶν
 (=μελισσῶν) / καὶ κνώδαλ' ἐν βένθεσσι (=βένθεσι)
 πορφυρέας ἄλός' / εὐδουσι δ' οἰωνῶν φύλα ταυυπτερούγων
 (*Alcman. Fragmentum. 89*).

Ср.: «Горныя вершины / Спать во тьмѣ ночной; / Тихія
 долины / Полны свѣжей мглой; / Не пылить дорога, / Не
 дрожать листы... / Подожди немного, / Отдохнешь и ты»
 (*М. Ю. Лермонтовъ. Изъ Гёте*).

Словарь

ἄλς, ἄλός, ἡ <i>more</i> βένθος, εος, τό <i>глубина</i> γαῖα, ἡ <i>земля</i> γένος, εος, τό <i>род</i> δ' (=δέ) <i>же</i> ἐν (+dat.) <i>в</i> ἐρπετόν, τό <i>пресмыкающееся</i> εὔδω <i>сплю</i> θήρ, θηρός, ὁ <i>зверь</i> καί <i>и</i> κνώδαλον, τό <i>чудовище</i> κορυφή, ἡ <i>темя; вершина</i> μέλας, -αινα, -αν <i>черный, -</i> <i>ая, -ое</i> μέλισσα, ἡ <i>пчела</i>	οἰωνός, ὁ <i>хищная птица</i> ὄρεσκῶρος, 2 <i>обитающий в</i> <i>горах</i> ὄρος, εος, τό <i>гора</i> ὄσος, 3 <i>какой, который</i> πορφύρεος, 3 <i>багряный,</i> <i>темный</i> πρῶων, ὠονος, ὁ <i>мыс; ; холм</i> τανυπτέρυξ, -υγος, <i>быстро</i> <i>летающий; длиннокрылый</i> τ' (=τε) <i>и (постпозиционно)</i> τρέφω <i>кормлю</i> φάραγξ, -αγγος, ἡ <i>пропасть</i> φῦλον, τό <i>племя</i> χαράδρα, ἡ <i>ущелье</i>
---	---

Participia

Praesens	Nominativus	Genitivus
activum	λύ-ων, λύ-ουσα, λῦον «освобождающий»	λύ-οντ-ος (m, n.), λυ- ούσ-ης (f.)

Medium et passivum	λυ-ό-μεν-ος, 3 «освобождающий (для) себя» / «освобождаемый»
-----------------------	--

XX. *Прочитайте, найдите глаголы, переведите текст:*
 1. <...> νήπιοι ὁὐ γάρ σφιν δολιχόφρονές εἰσι μέριμναι, οἳ δὴ γίγνεσθαι πάρος οὐκ ἐὼν ἐλπίζουσιν ἢ τι καταθνήσκειν τε καὶ ἐξόλλυσθαι ἀπάντη. ταῦτα γὰρ τὰ ἔπη μέγα βοῶντός

ἔστι τοῖς ὦτα ἔχουσι, ὡς οὐκ ἀναιρεῖ γένεσιν ἀλλὰ τὴν ἐκ μὴ ὄντος, οὐδὲ φθορὰν ἀλλὰ τὴν ἀπάντη, τουτέστι τὴν εἰς τὸ μὴ ὄν ἀπολλύουσαν (*Empedocles apud Plutarchum, Adv. Colotem. 12*). 2. ἀξιῶ σε, τέκνον, ἀναβλέψαντα εἰς τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν καὶ τὰ ἐν αὐτοῖς πάντα ἰδόντα γινῶναι, ὅτι οὐκ ἐξ ὄντων ἐποίησεν αὐτὰ ὁ Θεός, καὶ τὸ τῶν ἀνθρώπων γένος οὕτω γίνεται (*Machabæorum II, 7:28*). 3. δεῖ αὖ νοῆσαι, ὅτι ἡμῶν ἐν ἐκάστῳ δύο τινέ ἐστων ἰδέα ἄρχοντε καὶ ἄγοντε, οἷν ἐπόμεθα ἢ ἂν ἄγητον, ἢ μὲν ἔμφυτος οὖσα ἐπιθυμία ἡδονῶν, ἄλλη δὲ ἐπίκτητος δόξα, ἐφιεμένη τοῦ ἀρίστου (*Plato. Phædrus, 237d*).

Словарь

ἄγω <i>веду</i>	γένος, εος, τό <i>род</i>
ἀλλά <i>но</i>	γῆ, ἡ <i>земля</i>
ἄλλος, -η, -ο <i>другой</i>	γί(γ)νεσθαι, -ται <i>inf., 3 sg. происходит(ь)</i>
ἀναβλέπω <i>взирать</i>	γινῶναι « <i>познать</i> »
ἀναιρεῶ <i>устраняю</i>	δέ <i>же</i>
ἄνθρωπος, ὁ <i>человек</i>	δεῖ <i>нужно; следует</i>
ἀξιῶ <i>здесь: умоляю</i>	δή <i>подлинно</i>
ἀπάντη <i>повсюду</i>	δολιχόφρων, 2 (-ονος)
ἀπολλύω <i>развязываю</i>	далеко <i>простирающийся</i>
ἄριστος, 3 <i>лучший</i>	<i>мысль</i>
ἄρχω <i>управляю</i>	δόξα, ἡ <i>представление</i>
αὖ <i>потом; далее</i>	δύο <i>два</i>
αὐτός, -η, -ο <i>сам; он</i>	εἰς (+acc.) <i>в, на (+вин. п.)</i>
βοάω <i>кричу</i>	ἐκ (ἐξ) (+gen.) <i>из</i>
γάρ <i>ведь, ибо</i>	ἕκαστος, 3 <i>каждый</i>
γένεσις, εως, ἡ <i>рождение</i>	

<p>ἐλπίζω <i>надеюсь; полагаю</i> ἔμφυτος, 2 <i>природный</i> ἐν (+dat.) <i>в (+ пр. п.)</i> ἐξόλλυσθαι <i>погибнуть</i> ἐόν = ὄν см. ὦν ἔπος, εὖς τό <i>слово</i> ἐπιθυμία, ἡ <i>влечение</i> ἐπίκτητος, 2 <i>приобретенный</i> ἐποίησεν <i>создал</i> ἐπόμεθα(+dat.) <i>следуем за (+</i> <i>тв. п.)</i> ἐστ-, εἰσι см. εἰμί <i>есмы</i> ἐφίεμενος, 3 <i>стремящийся</i> ἔχω <i>имею</i> Θεός, ὁ <i>Бог</i> ἦ <i>или</i> ἦ ἄν <i>куда бы ни</i> ἡδονή, ἡ <i>наслаждение</i> ιδέα, ἡ <i>начало</i> ιδών, ἰδοῦσα, ἰδόν <i>увидевший</i> ἡμεῖς (ἡμῶν etc.) <i>мы</i> καί <i>и</i> καταθνήσκω <i>умираю</i> μέγας, μέγαλη, μέγα <i>большой</i></p>	<p>μέν — μέριμνα, ἡ <i>забота; дума</i> μή <i>не</i> νήπιος, 3 <i>неразумный</i> νοῆσαι <i>заметить</i> οἶ, οἶν см. ὅς <i>который</i> ὄντ-, οὔσα см. ὦν ὅτι <i>что</i> οὐρανός, ὁ <i>небо</i> οὕτω <i>так</i> οὐ (οὐκ) <i>не</i> οὐδέ <i>и не</i> οὔς, ὡτός, τό <i>ухо</i> πᾶρος <i>прежде</i> πᾶς, πᾶσα, πᾶν <i>весь</i> σύ (σοῦ etc.) <i>ты</i> σφεῖς (σφῶν etc.) <i>они</i> ταῦτα см. οὗτος <i>этот</i> τε <i>и</i> (постпозиц.) τέκνον, τό <i>дитя</i> τις, τί <i>некто; некий</i> τουτέστι <i>т.е.</i> φθορά, ἡ <i>гибель</i> ὦν, οὔσα, ὄν см. εἰμί ὡς <i>как; что</i> ᾧτα см. οὔς</p>
--	--

Nomen adiectivum (продолжение)

Gradus

Gradus positivus	Gradus comparativus	Gradus superlativus
δίκαιος, 3 «справедливый»	δικαιό-τερο-ος, 3 «справедливее»	δικαιό-τατ-ος, 3 «справедливейший»
εὐσεβής (m, f), -ές (n) «благочестивый»	εὐσεβέσ-τερο-ος, 3	εὐσεβέσ-τατ-ος, 3
супплетивные степени сравнения		
ἀγαθός, 3 хороший	ἀμείνων, ἄμεινον βελτίων, βέλτιον κρείττων, κρείττον λῶων, λῶον	ἄριστος, 3 βέλτιστος, 3 κράτιστος, 3 λῶστος, 3
κακός, 3 плохой	κακίων, κάκιον χειρόων, χειρόον ἥττων, ἥττον	κάκιστος, 3 χειρίστος, 3 ἥκιστος, 3

XXI. Прочитайте, разберите по составу степени сравнения, переведите: Ἄξιόν ἐστιν ὡς ἀληθῶς μακαρίζειν σε τὴν Θεοτόκον, τὴν ἀειμακάριστον καὶ παναμώμητον, καὶ Μητέρα τοῦ Θεοῦ ἡμῶν. Τὴν τιμιωτέραν τῶν Χερουβείμ, καὶ ἐνδοξοτέραν ἀσυγκρίτως τῶν Σεραφεείμ, τὴν ἀδιαφθόρως Θεὸν Λόγον τεκοῦσαν, τὴν ὄντως Θεοτόκον σὲ μεγαλύνομεν.

ἀδιαφθόρως <i>непорочно</i> ἀειμακάριστος, 2 <i>всегда</i> <i>счастливый</i> ἀληθῶς <i>истинно</i> ἄξιος 3 <i>достойный</i> ἀσυγκρίτως <i>несравнимо</i> ἐνδοξος 2 <i>славный</i> ἡμεῖς (ἡμῶν, ἡμῖν, ἡμᾶς) <i>мы</i> Θεός, ὁ <i>Бог</i> Θεοτόκος, ἡ <i>Богородица</i> καὶ <i>и</i> λόγος, ὁ <i>слово</i> μακαρίζω <i>прославлять</i>	μεγαλύνω <i>возвеличивать</i> μήτηρ, μητρός, ὁ <i>мать</i> ὄντως <i>подлинно</i> παναμώμητος 2 <i>безупречный</i> Σεραφίμ (от εвр.: שֵׁרָפִים) <i>Серафим</i> σύ (σοῦ, σοί, σέ) <i>ты</i> τίκτω (<i>aor.</i> ἔτεκον) <i>рождаю</i> τίμιος 3, <i>почитаемый</i> Χερουβείμ (от εвр.: כְּרוּבִים) <i>Херувим</i> ὡς <i>как</i>
--	---

Numeralia

Количественные	Ποрядκowie
εἷς (G. ἑνός) μία (G. μιᾶς) ἓν (G. ἑνός) «один»	πρῶτος, 3
δύο «два»	δεύτερος, 3
τρεις (m., f.) τρία (n.) (G. τριῶν, D. τρισί) «три»	τρίτος, 3
τέτταρες (m., f.) τέτταρα (n.) «четыре»	τέταρτος, 3
πέντε «пять»	πέμπτος, 3
ἕξ «шесть»	ἕκτος, 3
ἑπτὰ «семь»	ἕβδομος, 3
ὀκτώ «восемь»	ὄγδοος, 3
ἐννέα «девять»	ἕνατος, 3
δέκα «десять»	δέκατος, 3
καὶ τὰ ἄλλα (κτλ.) = et cetera (etc.)	

XXII. Прочитайте, наϊдите глаголы, переведите текст:

1. Μέτρον ἄριστον (*Cleobulus apud Diog. Laert. I 93*). 2. Καλοκάγαθίαν ὄρκου πιστοτέραν ἔχε (*Solon ap. D.L. I 60*). 3. Πρεσβύτατον τῶν ὄντων Θεός· ἀγένητον γάρ· κάλλιστον κόσμος· ποίημα γὰρ Θεοῦ· μέγιστον τόπος· ἅπαντα γὰρ χωρεῖ· τάχιστον νοῦς· διὰ παντὸς γὰρ τρέχει· ἰσχυρότατον ἀνάγκη· κρατεῖ γὰρ πάντων· σοφώτατον χρόνος· ἀνευρίσκει γὰρ πάντα (*Thales ap. D.L. I 35*). 4. τῶν <ιχ, m. e. c ними> μὲν πενήκοντα νέες κίον, ἐν δὲ ἐκάστη/κοῦροι Βοιωτῶν ἑκατὸν καὶ εἴκοσι βαῖνον (*Homerus. Ilias, II. 509-510*). 5. Αἴας δ' ἐκ Σαλαμῖνος ἄγεν δυοκαίδεκα νῆας (*Ibid., II. 557*). 6. ὁ ἔχων νοῦν ψηφισάτω τὸν ἀριθμὸν τοῦ θηρίου, ἀριθμὸς γὰρ ἀνθρώπου ἐστίν· καὶ ὁ ἀριθμὸς αὐτοῦ ἑξακόσιοι ἐξήκοντα ἕξ (*Откр. 13:18*).

Словарь

ἀγένητος, 2 <i>нерожденный</i>	καλός, 3 <i>прекрасный</i>
ἄγω <i>веду</i>	κίω <i>идти</i>
Αἴας, αντος, ὁ <i>Аякс</i>	κόσμος, ὁ <i>мироздание</i>
ἀνάγκη, ἡ <i>необходимость</i>	κοῦρος, ὁ <i>юноша; сын</i>
ἀνευρίσκω <i>открываю</i>	κρατέω <i>властвую</i>
ἄνθρωπος, ὁ <i>человек</i>	μέγιστος, 3 <i>прев. к</i>
ἄπας, ἅπασα, ἅπαν <i>весь</i>	μέγας
ἄριθμός, ὁ <i>число</i>	μέν —
ἄριστος, 3 <i>прев. к ἀγαθός</i>	μέτρον, τό <i>мера</i>
<i>хороший</i>	ναῦς, ἡ (N. pl. <i>νέες, асс.</i>
αὐτός, ἡ, ὁ <i>сам; он</i>	<i>νῆας</i>) <i>корабль</i>
βαίνω <i>шагаю; всхожу</i>	νοῦς, ὁ <i>ум</i>
Βοιωτός, ὁ <i>беотиец</i>	ὄντ-, οὔσα <i>см. ὦν</i>
γάρ <i>ведь</i>	ὄρκος, ὁ <i>клятва</i>
δέ, δ' <i>же</i>	πᾶς, πᾶσα, πᾶν <i>весь</i>
διά (+gen.) <i>через</i>	πεντήκοντα <i>50</i>
δυοκαίδεκα <i>12</i>	πιστός, 3 <i>верный</i>
εἴκοσι(v) <i>20</i>	ποίημα, ατος, τό
εἰμί <i>есмы</i>	<i>творение</i>
ἐκ (+gen.) <i>из</i>	πρεσβύς <i>старый</i>
ἕκαστος, 3 <i>каждый</i>	Σαλαμίς, ἴνος, ἡ <i>ο.</i>
ἑκατόν <i>100</i>	<i>Саламин</i>
ἐν (+dat.) <i>в</i>	σοφός, 3 <i>мудрый</i>
ἕξ <i>6</i>	τόπος, ὁ <i>место;</i>
ἔχω <i>имею; считаю</i>	<i>пространство</i>
Θεός, ὁ <i>Бог</i>	ταχύς, εἶα, ὁ <i>быстрый</i>
θηρίον, τό <i>зверь</i>	τρέχω <i>бегу</i>
ἰσχυρός, 3 <i>сильный</i>	χρόνος, ὁ <i>время</i>
καί <i>и</i>	χωρέω <i>вмещаю</i>
καλοκάγαθία, ἡ <i>порядочность</i>	ψηφίζω <i>исчисляю</i>

Verbum (продолжение)
Medium et passivum

Ind.	Persona	Главные времена		Исторические времена	
	1	-ο-μαι	-ό-μεθα	-ό-μην	-ό-μεθα
	2	-ε-σαι > -η	ε-σθε-	-ε-σο > -ου	-ε-σθε
	3	-ε-ται	-ο-νται	-ε-το	-ο-ντο

Imper.	2	-ε-σο > -ου	-ε-σθε	inf.	-ε-σθαι
	3	έ-σθω	έ-σθων		

___ passivum υπό + genitivus → ___ страд. зал. тв. пад.

XXIII. Прочитайте, найдите глаголы, переведите текст:
 Две причины, породившие поэтическое искусство: (1) Τό τε γάρ μιμῆσθαι σύμφυτον τοῖς ἀνθρώποις ἐκ παίδων ἐστὶ καὶ τούτῳ διαφέρουσι τῶν ἄλλων ζώων, ὅτι <τὸ ἀνθρώπινον γένος> μιμητικώτατόν ἐστι καὶ τὰς μαθήσεις ποιεῖται διὰ μιμήσεως τὰς πρώτας, (2) καὶ τὸ χαίρειν τοῖς μιμήμασι πάντας. Σημεῖον δὲ τούτου τὸ συμβαῖνον ἐπὶ τῶν ἔργων· ἃ γὰρ αὐτὰ λυπηρῶς ὀρῶμεν, τούτων τὰς εἰκόνας τὰς μάλιστα ἠκριβωμένας χαίρομεν θεωροῦντες, οἷον θηρίων τε μορφᾶς τῶν ἀτιμοτάτων καὶ νεκρῶν. Αἴτιον δὲ καὶ τούτου, ὅτι μανθάνειν οὐ μόνον τοῖς φιλοσόφοις ἥδιστον ἀλλὰ καὶ τοῖς ἄλλοις ὁμοίως, ἀλλ' ἐπὶ βραχὺ κοινωνοῦσιν αὐτοῦ (*Aristoteles. Poetica. 1448b*).

Словарь

αἴτιον, τό <i>причина</i>	μάθησις, εως, ἡ <i>учение;</i> <i>знание</i>
ἀκριβῶς <i>точно</i> <i>делаю</i>	μάλιστα <i>весьма</i>
ἀλλά <i>но</i>	μανθάνω <i>учусь; узнаю</i>
ἄλλος, -η, -ο <i>другой, с</i> <i>артиклем — остальной</i>	μιμέομαι <i>подражаю</i>
ἀνθρώπινος, 3 <i>человеческий</i>	μίμημα, ατος, τό <i>копия</i>
ἄνθρωπος, ὁ <i>человек</i>	μίμησις, εως, ἡ <i>подражание</i>
ἄτιμος, 2 <i>гнусный</i>	μιμητικός, 3 <i>склонный к</i> <i>подражанию</i>
αὐτός, ἡ, ὁ <i>сам; он</i>	μόνον <i>только</i>
γάρ <i>ведь</i>	μορφή, ἡ <i>вид, образ</i>
γένος, εος, τό <i>род</i>	νεκρός, ὁ <i>мертвец</i>
δέ <i>же</i>	οἶον <i>как например</i>
διά (+gen.) <i>посредством</i>	ὁμοίως <i>равным образом</i>
διαφέρω <i>отличаюсь</i>	ὄραω <i>смотрю</i>
ἐκών, ὄνος, ἡ <i>образ</i>	ὅς, ἧ, ὃ <i>который</i>
εἰμί <i>есмы</i>	ὅτι <i>(потому) что</i>
ἐκ (+gen.) <i>из, от</i>	οὐ <i>не</i>
ἐπί (+gen.) <i>при, в</i>	οὗτος, αὕτη, τοῦτο <i>этот</i>
ἐπί βραχύ <i>немного</i>	παῖς, παιδός, ὁ, ἡ <i>ребенок</i>
ἔργον, τό <i>дело; вещь</i>	ποιέω <i>делаю</i>
ζῶον, τό <i>живое существо</i>	πᾶς, πᾶσα, πᾶν <i>весь</i>
ἡδύς, -εῖα, -ύ <i>приятный</i>	πρῶτος, 3 <i>первый</i>
ἠκριβῶ- <i>см. ἀκριβῶ-</i>	σημεῖον, τό <i>доказательство</i>
θεωρέω <i>смотрю</i>	συμβαίνειν <i>случаться</i>
θηρίον, τό <i>зверь</i>	σύμφυτος, 2 <i>свойственный</i>
καί <i>и</i>	τε <i>и</i>
κοινωνέω <i>есмы причастный</i>	φιλόσοφος, ὁ <i>философ</i>
λυπηρῶς <i>неприятно</i>	χαίρω <i>раδуюсь</i>

Aoristus I

		Activum	Medium
ind. sg.	1	ἔλυσα «я освободил»	ἐλυσάμην «я освободил (для) себя»
	2	ἔ-λυ-σα-ς	ἐ-λύ-σω
	3	ἔ-λυ-σ-ε(ν)	ἐ-λύ-σα-το
pl.	1	ἐ-λύ-σα-μεν	ἐ-λυ-σά-μεθα
	2	ἐ-λύ-σα-τε	ἐ-λύ-σα-σθε
	3	ἔ-λυ-σα-ν	ἐ-λύ-σα-ντο
imp. sg. pl.	2	λύ-σον	λύ-σαι
	3	λυ-σά-τω	λυ-σά-σθω
	2	λύ-σα-τε	λύ-σα-σθε
	3	λυ-σά-ντων	λυ-σά-σθων=λυ-σά-σθωσαν
inf.		λύ-σαι	λύ-σα-σθαι
part. m. f. n.	m	λύ-σα-ς (-σα-ντ-ος)	λυ-σά-μεν-ος
	f	λύ-σα-σ-α (-ης)	λυ-σα-μέν-η
	n	λύ-σα-ν(-σα-ντ-ος)	λυ-σά-μεν-ον

XXIV. Προχिताΐτε, ναΐδιτε γлагоλι, переведите текст:

1. Πρὸς δὲ τὸν ἀξιοῦντα δημοκρατίαν ἐν τῇ πόλει καταστήσασθαι ὁ Λυκούργος· σὺ πρῶτος, — ἔφη, — ἐν τῇ οἰκίᾳ σου ποιήσον δημοκρατίαν (*Plutarchus. Aporhthegmata Laconica. P. 228c*). 2. ὦ Γοργία· καί μοι ἐπίδειξιν αὐτοῦ τούτου ποιήσαι — τῆς βραχυλογίας, μακρολογίας δὲ εἰς αὐθις (*Plato. Gorgias. 449c*). 3. Ὁ ἔρως ἔμφυτος ἀλλήλων τοῖς ἀνθρώποις καὶ τῆς ἀρχαίας φύσεως συναγωγεὺς καὶ ἐπιχειρῶν ποιήσαι ἐν ἐκ δυοῖν καὶ ἰάσασθαι τὴν φύσιν τὴν ἀνθρωπίνην (*Plato. Symposium. 191d*). 4. Θεὸν νοῆσαι μὲν χαλεπὸν· φράσαι δὲ ἀδύνατον, ὡς τις τῶν παρ' Ἑλλησι θεολόγων ἐφιλοσόφησεν — οὐκ ἀτέχνως ἐμοὶ δοκεῖν <...>. ἀλλὰ φράσαι μὲν ἀδύνατον, ὡς ὁ ἐμὸς λόγος, νοῆσαι δὲ ἀδυνατώτερον (*Gregorius Nazianzenus. Oratio. 28, 4*).

Словарь

<p> ἀδύνατος, 2 <i>невозможный</i> ἀλλά <i>но</i> ἀλλήλων <i>друг друга</i> ἀνθρώπινος, 3 <i>человеческий</i> ἄνθρωπος, ὁ <i>человек</i> ἀξιόω <i>требую</i> ἀρχαῖος, 3 <i>древний</i> ἀτέχνως <i>просто; неискусно</i> αὐθις <i>потом; в другой раз</i> αὐτός, ἡ, ὁ <i>сам; он</i> βραχυλογία, ἡ <i>немногословность</i> Γοργίας, ου, ὁ <i>Горгий</i> <i>(оратор V-IV вв. до Р. X.)</i> δέ <i>же</i> δημοκρατία, ἡ <i>демократия</i> δύο <i>два, две</i> ἐγώ <i>я</i> ἐμοὶ δοκεῖν <i>по-моему</i> εἷς, μία, ἓν <i>один</i> εἰς <i>на, в</i> ἐκ (+gen.) <i>из</i> Ἕλλην, -ηνος, ὁ <i>грек</i> ἐμός, 3 <i>мой</i> ἐν (+dat.) <i>в</i> ἐπίδειξις, εως, ἡ <i>показ</i> ἐπιχειρῶ <i>стремлюсь</i> ἔρως, -ωτος, ὁ (+gen.) <i>влечение (к кому-либо)</i> </p>	<p> ἔμφυτος, 2 <i>природный</i> ἔφη «<i>говорил (-а)</i>» θεόλογος, ὁ <i>богослов</i> Θεός, ὁ <i>Бог</i> ἰάομαι <i>лечу; исцеляю</i> καθίστημι <i>устанавливаю</i> καί <i>и</i> καταστήσα- <i>см. καθίστη-</i> <i>λόγος, ὁ слово; мнение</i> Λυκοῦργος, ὁ <i>Ликург (11 в. до</i> <i>Р. X.) спарт. законодатель</i> μακρολογία, ἡ <i>многословие</i> μέν — νοέω <i>постигаю</i> οἰκία, ἡ <i>дом; семья</i> οὐ(κ) <i>не</i> οὗτος, αὕτη, τοῦτο <i>этот</i> παρά (+dat.) <i>у</i> ποέω <i>делаю</i> πόλις, -εως, ἡ <i>город</i> πρός (+acc.) <i>к</i> πρῶτος, 3 <i>первый</i> σύ <i>ты</i> συναγωγεὺς, ἑως, ὁ <i>соединитель</i> τις, τί <i>некто; нечто</i> φιλοσοφῶ <i>φιλοσοφствую</i> φράζω <i>рассказываю</i> φύσις, -εως, ἡ <i>природа</i> χαλεπός, 3 <i>трудный</i> ὡς <i>как</i> </p>
--	--

XXV. *Прочитайте, найдите глаголы, переведите текст:*
 Βασιλεῦ Οὐράνιε, Παράκλητε, τὸ Πνεῦμα τῆς ἀληθείας, ὁ πανταχοῦ παρὼν καὶ τὰ πάντα πληρῶν, ὁ θησαυρὸς τῶν ἀγαθῶν καὶ ζωῆς χορηγός, ἔλθε καὶ σκηνώσον ἐν ἡμῖν καὶ καθάρισον ἡμᾶς ἀπὸ πάσης κηλίδος, καὶ σῶσον, Ἄγαθέ, τὰς ψυχὰς ἡμῶν.

ἀγαθός 3 добрый; благой ἀλήθεια ἡ истина ἀπό (+gen.) от βασιλεύς -έως ὁ царь ἐν (+dat.) в ἔρχομαι (aor. 2 ἦλθον) прихожу ζωή ἡ жизнь ἡμεῖς (ἡμῶν, ἡμῖν ἡμᾶς) мы θησαυρός ὁ сокровище καθαρῖζω очищать καί и κηλὶς -ῖδος ἡ пятно; позор οὐράνιος 3 небесный πανταχοῦ везде	παράκλητος ὁ утешитель παρὼν причастие от πάρειμι присутствовать πᾶς, πᾶσα, πᾶν весь (τὰ πάντα всё) πληρῶν причастие от πληρόω наполнять; исполнять πνεῦμα -ατος τό дух σκηνόω раскидываю шатер; вселяюсь σώζω спасаю χορηγός ὁ руководитель хора; податель ψυχὴ ἡ душа
---	--

Futurum

Футурум (будущее время) образуется при помощи суффикса -σ-; окончания в действительном и среднем залогах — как в соответствующих залогах настоящего времени. Об образовании страдательного залога футурума см. ниже. Повелительное наклонение не употребляется, причастия указывают на цель при глаголах движения.

XXVI. *Прочитайте, наϊдите глаголы, переведите:*

Πᾶ ποκ' ἄρ' ἦσθ', ὅκα Δάφνις ἐτάκετο, πᾶ ποκα, Νύμφαι·
 τῆνον μᾶν θῶες, τῆνον λύκοι ὠρῦσαντο
 τῆνον χῶκ δρυμοῖο (=δρυμοῦ) λέων ἔκλαυσε θανόντα.
 πολλαὶ δὲ δαμάλαι καὶ πόρτιες ὠδύραντο. <Κύπρις>
 κείπε· τύ θην τὸν Ἔρωτα κατεύχεο, Δάφνι, λυγιξεῖν·
 ἦ ῥ' οὐκ αὐτὸς Ἔρωτος ὑπ' ἀργαλέω (-οῦ) ἐλυγίχθης;
 ἦ γὰρ ἐγὼν ὑπ' Ἔρωτος ἐς Ἄϊδα ἐλκομαι ἤδη.
 χῶ μὲν τόσσ' εἰπὼν ἀπεπαύσατο· τὸν δ' Ἀφροδίτα
 ἦθελ' ἀνορθῶσαι. <...>/ <...> ἔκλυσε δίνα / τὸν Μοΐσαις
 φίλον ἄνδρα <...> (*Theocritus. Idyllia. I, 66, 71-72, 75, 97-98, 130, 138-139, 140-141*).

Словарь

Ἄϊδας, α, ὁ <i>Αιδ</i>	ἐθέλω <i>хочу</i>
ἀνῆρ, ἀνδρός, ὁ <i>муж</i>	εἰπὼν <i>сказав(шии)</i>
ἀνορθῶ <i>поднимаю</i>	ἐκ (+gen.) <i>из, от</i>
ἀπαπαύ <i>прекращаю</i>	ἔλκω <i>тащу; волоку</i>
ἄρ' = ἄρα <i>итак</i>	ἐλυγίχθης <i>ты покорён</i>
ἀργαλέος, 3 <i>тяжкий</i>	Ἔρωτος, ὠτος, ὁ <i>Эрос</i>
αὐτός, ἦ, ὁ <i>сам; он</i>	ἐς (=εἰς) (+acc.) <i>в</i>
Ἀφροδίτα, ἡ <i>Афродита</i>	ἐτάκετο <i>см.: τάκω</i>
γὰρ <i>ведь</i>	ἦ γὰρ <i>подлинно</i>
δαμάλα, ἡ <i>молодая корова</i>	ἦ ῥά <i>разве</i>
Δάφνις, ἶδος, ὁ <i>Дафнис</i>	ἦδη <i>уже</i>
(<i>πασυx, сын Гермеса и</i>	ἦθελ = ἦθελε <i>см.: ἐθέλω</i>
<i>нимфы, умерший в</i>	ἦσθ=ἦστε <i>ihr wart, you were</i>
<i>юности</i>)	θανών, ὄντος <i>умиравший</i>
δέ <i>же</i>	θῆν <i>ведь; конечно</i>
δίνα, ἡ <i>водоворот; пучина</i>	θῶς, θῶός, ὁ <i>шакал</i>
δρυμός, ὁ <i>дубрава</i>	καί <i>и</i>
ἐγώ(ν) <i>я</i>	κατεύχεο <i>ты хвалился</i>

κεῖπε (= καὶ εἶπε) <i>и сказал(a)</i>	ὄκα <i>когда</i>
κλαίω (αογ. ἔκλαυσα) <i>рыдаю</i>	πᾱ <i>где</i>
κλύζω <i>смываю, удаляю</i>	ποκά <i>же</i>
Κύπρις, ἶδος, ἦ = Ἀφροδίτα	πολύς, πολλή, πολύ <i>многий</i>
λέων, οντος, ὁ <i>лев</i>	πόρτις, ἰος, ἦ <i>телица</i>
λυγίζω <i>сгибаю; покоряю</i>	τάκω <i>чахну; угасаю</i>
λύκος, ὁ <i>волк</i>	τῆνος, -α, -ο <i>тот; он</i>
μάν <i>действительно</i>	τόσσος, 3 <i>таковой</i>
μέν —	τύ (=σύ) <i>ты</i>
Μοῖσα = Μοῦσα, ἡ <i>Муза</i>	ὑπό (+gen.) → <i>тв. пад.</i>
Νύμφα, ἡ <i>нимфа</i>	φίλος, 3 <i>милый; приятный</i>
ὀδύρομαι <i>оплакиваю</i>	χῶ = καὶ ὁ
οὐ(κ) <i>не</i>	χῶκ = καὶ ὁ ἐκ
	ὠρύομαι <i>вою</i>

Imperfectum

Persona	Activum	Medium/passivum
1	ἔ-λυ-ο-ν «я освобождал»	ἐ-λυ-ό-μην
2	ἔ-λυ-ε-ς	ἐ-λύ-ου
3	ἔ-λυ-ε(ν)	ἐ-λύ-ε-το
1	ἐ-λύ-ο-μεν	ἐ-λυ-ό-μεθα
2	ἐ-λύ-ε-τε	ἐ-λύ-ε-σθε
3	ἔ-λυ-ο-ν	ἐ-λύ-ο-ντο

Aoristus II

Некоторые глаголы имеют сильный (асигматический) аорист. К корню, отличному от презенсной основы, в индикативе аориста II присоединяются морфемы как в имперфекте; в других наклонениях, инфинитиве и причастиях — как в соответствующих наклонениях, инфинитиве и причастиях презенса (с переходом ударения в некоторых формах на один слог к концу).

Список некоторых глаголов, имеющих второй аорист

Praesens	Aoristus	Перевод	Praesens	Aoristus	Перевод
ἄγω	ἤγαγον	веду	λέγω	εἶπον	говорю
αἰρέω	εἵλον	выбираю	λείπω	ἔλιπον	оставляю
βάλλω	ἔβαλον	бросаю	μανθάνω	ἔμαθον	учусь
γί(γ)νομαι	ἐγενόμην	рождаюсь	ὁράω	εἶδον	вижу
ἔρχομαι	ἦλθον	прихожу	πάσχω	ἔπαθον	терплю
ἐσθίω	ἔφαγον	ем	πίπτω	ἔπεσον	падаю
εὐρίσκω	εὕρον	нахожу	τίκτω	ἔτεκον	рождаю
ἔχω	ἔσχον	имею	τυγχάνω	ἔτυχον	попадаю
θνήσκω	ἔθανον	умираю	φέρω	ἤνεγκον	несу
λαμβάνω	ἔλαβον	беру	φεύγω	ἔφυγον	бегу

XXVII. Прочитайте, найдите глаголы, переведите текст:

Πᾶσα μὲν ἀνθρώπου ψυχὴ φύσει τεθέαται τὰ ὄντα, ἢ οὐκ ἂν ἦλθεν εἰς τόδε τὸ ζῶον· ἀναμνησκεισθαι δὲ ἐκ τῶνδε ἐκεῖνα οὐ ῥάδιον ἀπάσῃ <ψυχῇ>. Οὐτε <ταύταις ψυχαῖς,> ὅσαι βραχέως εἶδον τότε τὰκεῖ, οὐθ' <ταύταις,> αἱ δεῦρο πεσοῦσαι ἐδυστύχησαν, ὥστε ὑπὸ τινων ὀμιλιῶν ἐπὶ τὸ ἄδικον τραπόμεναι λήθην <τούτων,> ὧν τότε εἶδον ἱερῶν, ἔχειν. Ὀλίγαι δὴ λείπονται, αἷς τὸ τῆς μνήμης ἰκανῶς πάρεστιν <...>. Περὶ δὲ κάλλους, ὥσπερ εἵπομεν, μετ' ἐκείνων τε ἔλαμπεν ὄν, δεῦρό τ' ἐλθόντες κατειλήφαμεν αὐτὸ διὰ τῆς ἐναργεστάτης αἰσθήσεως τῶν ἡμετέρων στίλβον ἐναργέστατα (Plato. Phaedrus, 249e–250d).

Словарь

ἄδικον, τό <i>несправедливость</i>	ἄνθρωπος, ὁ <i>человек</i>
αἴσθησις, εως, ἡ <i>чувство</i>	ἅπας, ἅπασα, ἅπαν <i>весь</i>
ἂν <i>бы</i>	αὐτός, ἢ, ὁ <i>сам; он</i>
ἀναμνησέσκομαι	βραχέως <i>мало</i>
<i>вспоминаю</i>	

δέ же	μέν —
δεῦρο сюда; здесь	μετά, μετ' (+gen.) среди
δή итак	μνήμη, ἡ память
διά (+gen.) посредством	ὄδε, ἤδε, τότε этот
δυστυχέω делаюсь	ὀλίγος, 3 немногий
несчастливым	ὀμιλία, ἡ общение
εἰς (+acc.) в	ὄν, ὄντα см. ὄν
ἐκ (+gen.) из; на	ὀράω (аог. εἶδον) смотрю
основании	ὅς, ἥ, ὅ которых
ἐκεῖνος, ἐκεῖνη, ἐκεῖνο	ὅσος, 3 какой; которых
тот	οὐ, οὐκ не
ἐναργέστατα яснее всего	οὐτε, οὐθ' и не, ни
ἐναργής, 2 ясный; яркий	πάρειμι присутствую
ἐπί (+acc.) к	πᾶς, πᾶσα, πᾶν весь
ἔρχομαι (аог. ἦλθον)	περί (+gen.) о
прихожу	πίπτω (аог. ἔπεσον) падаю
ἔχω имею	ῥάδιος, 3 легкий
ζῶον, τό живое существо	στίλβω блистаю
ἤ или; а иначе	τάκεῖ= τὰ ἐκεῖ то, что там
ἡμέτερος, 3 наш	τε, τ' и (постпозиционно)
ἱερός, 3 священный	τεθέαται созерцал(а)
ἱκανῶς достаточно	τις, τί некто; некий
κάλλος, (εος > ους), τό	τότε тогда
красота	τρέπω (аог. ἔτραπον) обращаю
κατελήφамεν мы стали	ὑπό (+gen.) по причине
воспринимать	φύσις, εως, ἡ природа
λάμπω сияю	ψυχή, ἡ душа
λέγω (аог. εἶπον) говорю	ὥσπερ как
λείπομαι остаюсь	ὥστε (так) чтобы
λήθη, ἡ забвение	

XXVIII. Прочитайте, наїдите глаголы, переведите текст: 1. Καιρὸν γινῶθι (*Pittacus apud Diogenem. Laertium. I, 79*). 2. γνούς, ὅτι πάντων εἰσὶν ἀπορῥοαί, ὅσ' ἐγένοντο (*Empedocles. Fragmentum. 89, cp.: Plato. Meno. 76c*). 3. ὡς <...> θερμὸν δ' ἐποχεύετο θερμῶ, / ὦς γλυκὺ μὲν γλυκὺ μάρπτει, πικρὸν δ' ἐπὶ πικρὸν ὄρουσεν, / ὄξυ δ' ἐπ' ὄξυ ἔβη, δαερὸν δ' ἐποχεῖτο δαηρῶ (*Ibid. Fr. 90, 7-9*). 4. Ἐν δὲ Κότῳ διάμορφα καὶ ἄνδιχα πάντα πέλονται, / σὺν δ' ἔβη ἐν Φιλότῃτι καὶ ἀλλήλοισι ποθεῖται (*Ibid. Fr. 21, 11-12*). 5. Πρὸ τοῦ δέ <> πολλὰ καὶ δεινὰ θεοῖς ἐγίγνετο, ὡς λέγεται, διὰ τὴν τῆς Ἀνάγκης βασιλείαν· ἐπειδὴ δ' ὁ θεὸς οὗτος <i.e. Ἐρως> ἔφυ, ἐκ τοῦ ἐρᾶν τῶν καλῶν πάντ' ἀγαθὰ γέγονεν καὶ θεοῖς καὶ ἀνθρώποις (*Plat. Sym. 197b*). 6. Ὁ μέντοι στερεὸς θεμέλιος τοῦ Θεοῦ ἔστηκεν, ἔχων τὴν σφραγίδα ταύτην· ἔγνω Κύριος τοὺς ὄντας αὐτοῦ, καί' ἀποστήτω ἀπὸ ἀδικίας πᾶς ὁ ὀνομάζων τὸ ὄνομα Κυρίου (2 *Tim. 2:19*).

Словарь

ἀγαθός, 3 <i>хороший, добрый</i>	γέγονεν <i>возник (-ла, -ло)</i>
ἀδικία, ἢ <i>неправда, несправедливость</i>	γίγνομαι (<i>ἐγενόμην</i>)
ἀλλήλων (πο 1-2 <i>скл.</i>) <i>друг друга</i>	<i>происхожу, возникаю; емь</i>
ἀνάγκη, ἢ <i>необходимость</i>	γινώσκω (<i>ἔγνων</i>) <i>познаю</i>
ἄνδιχα <i>врозь</i>	γλυκύς, -εῖα, -ύ <i>сладкий</i>
ἄνθρωπος, ὁ <i>человек</i>	δαερός, 3 <i>горячий</i>
ἀπό (+ <i>gen.</i>) <i>от, из</i>	δαηρός, 3 <i>теплый; жаркий</i>
ἀπορῥοή, ἢ <i>поток; истечение</i>	δέ <i>же</i>
ἀποστήτω <i>см. ἀφιστημι</i>	δεινός, 3 <i>страшный</i>
αὐτός, -η, -ο <i>сам; он</i>	διά (+ <i>acc.</i>) <i>из-за; вследствие</i>
ἀφιστημι (<i>ἀπέστην</i>) <i>отступаю</i>	διάμορφος, 2 <i>имеющий</i>
βαίνω (<i>ἔβην</i>) <i>набрасываюсь</i>	<i>особую форму</i>
βασιλεία, ἢ <i>царство</i>	εἰμί <i>емь</i>
	ἐκ (+ <i>gen.</i>) <i>из; от</i>

<p>ἐν (+dat.) <i>в</i> ἐπειδή <i>после того как</i> ἐπί (+acc.) <i>к, в, на</i> ἐποχέομαι <i>езжу (на)</i> ἐποχεύομαι <i>сочетаюсь;</i> <i>соединяюсь</i> ἐράω (inf. ἐράων) <i>люблю</i> Ἔρως, ὠτος, ὁ ἔρος ἔστηκεν «<i>стоит</i>» ἔχω <i>имею</i> θεμέλιος, ὁ <i>основание</i> θεός, ὁ <i>бог; Бог</i> θερμός, ὁ <i>теплый</i> καί <i>и</i> καιρός, ὁ <i>надлежащие мера,</i> <i>время, место</i> καλός, ὁ <i>прекрасный</i> κότος, ὁ <i>злоба</i> Κύριος, ὁ <i>Господь</i> λέγω <i>говорю</i> μάρπτω <i>хватаяю</i> μέν — μέντοι <i>однако</i> ὄνομα, -ατος, τό <i>имя</i> ὀνομάζω <i>именую; называю</i></p>	<p>ὀξύς, -εῖα, -ύ <i>терпкий;</i> <i>кислый</i> ὀροῦω <i>устремляюсь;</i> <i>бросаюсь</i> ὄσσος, ὁ <i>каковой</i> ὅτι (потому) <i>что</i> οὗτος, αὕτη, τοῦτο <i>этот</i> πᾶς, πᾶσα, πᾶν <i>весь; всякий</i> πικρός, ὁ <i>горький</i> ποθέω <i>желаю; нуждаюсь</i> πέλομαι ≈ εἰμί πολύς, πολλή, πολύ <i>многий</i> πρὸ τοῦ <i>до этого</i> στερεός, ὁ <i>твердый</i> συμβαίνω (-έβην) <i>схожусь</i> σφραγίς, σφραγίδος, ἡ <i>печать</i> φιλότης, -ητος, ἡ <i>дружба;</i> <i>любовь</i> φύω <i>рождаю(сь); возникаю</i> ὥν, οὔσα, ὅν <i>см. εἰμί</i> ὥς <i>так</i> ὡς <i>как</i></p>
---	---

Aoristus passivi

Indicativus sg. 1 2 3 pl. 1 2 3	ἐ-λύ-θη-ν	Imperativus sg. 2 3 pl. 2 3	λύ-θη-τι	
	ἐ-λύ-θη-ς		λυ-θή-τω	
	ἐ-λύ-θη		λύ-θη-τε	
	ἐ-λύ-θη-μεν		λυ-θή-ντων	
	ἐ-λύ-θη-τε		Infinitivus	λυ-θή-ναι
	ἐ-λύ-θη-σαν			
Participia: m f n		λυ-θεί-ς (ἐ-ντ-ος) λυ-θεί-σ-α (-ης) λυ-θέν (ἐ-ντ-ος)		

Futurum passivi

Indicativus sg. 1	λυ-θή-σ-ο-μαι κτλ	Infinitivus	λυ-θή-σ-ε-σθαι
		Participium	λυ-θη-σ-ό-μεν-ος, 3

XXIX. Прочитайте, наϊδуйте глаголы, переведите текст:

1. Καιρός τοῦ βαλεῖν λίθους καὶ καιρός τοῦ συναγαγεῖν λίθους, καιρός τοῦ περιλαβεῖν καὶ καιρός τοῦ μακρυνθῆναι ἀπὸ περιλήψεως. 2. Γλυκὺς ὕπνος τοῦ δούλου, εἰ ὀλίγον καὶ εἰ πολὺν φάγεται· καὶ τῷ ἐμπλησθέντι τοῦ πλουτῆσαι οὐκ ἔστιν ἀφίων αὐτὸν τοῦ ὑπνώσαι. 3. Πάντα ταῦτα ἐπέειρασα ἐν τῇ σοφίᾳ· εἶπα· Σοφισθήσομαι, καὶ αὐτὴ ἐμακρύνθη ἀπ' ἐμοῦ μακρὰν <...>. 4. Καὶ εὕρισκω ἐγὼ πικρότερον ὑπὲρ θάνατον, σὺν¹ τὴν γυναῖκα, ἣτις ἐστὶν θηρεύματα καὶ σαγῆναι καρδία αὐτῆς. δεσμοὶ χεῖρες αὐτῆς· ἀγαθὸς πρὸ προσώπου τοῦ Θεοῦ ἐξαιρεθήσεται ἀπ' αὐτῆς, καὶ ἀμαρτάνων συλλημφθήσεται ἐν αὐτῇ. 5. Καὶ μνήσθητι τοῦ κτίσαντός σε ἐν ἡμέραις νεότητός σου (Εκκ. 3:5; 5:11; 7:23-24, 26; 12:1).

¹ У еврейского слова **לֶכֶּת** [lēt], своеобразного «артикля» перед аккузативом, есть омоним — предлог с тем же значением, что и греческий σύν.

Словарь

ἀγαθός, 3 добрый, благой	μακράν далеко
ἁμαρτάνω согрешаю	μακρύνω удаляю
ἀπό (+gen.) от	μιμνήσκομαι помню
αὐτός, -η, -ο сам; он	νεότης, -ητος, ή юность
ἀφίων позволяющий	ὀλίγον немного; мало
βάλλω (aor. ἔβαλον) бросаю	ὅστις, ήτις, ὅτι который
γλυκύς, -εῖα, -ύ сладкий	οὐ (οὐκ) не
γυνή, γυναικός, ή женщина	οὗτος, αὕτη, τοῦτο этот
δεσμός, ὁ pl.: узы, оковы	πᾶς, πᾶσα, πᾶν весь
δοῦλος, ὁ раб	πειράω испытываю
ἐγώ (ἐμοῦ) я (меня)	περιλαμβάνω (aor.
εἰ если	περιέλαβον) обнимаю
εἶπα см.: λέγω	περίληψις, -εως, ή объятие
ἐμπίπλημι (основа: -πλη[σ]-)	πικρός, 3 горький
насыщаю (в pass. с gen.)	πλουτέω емь богатый
ἐν (+dat.) в	πολύ много
ἐξαιρέομαι избавляюсь	πρό (+gen.) перед
εὐρίσκω нахожу	πρόσωπον, τό лицо
θάνατος, ὁ смерть	σαγήνη, ή сеть
Θεός, ὁ Бог	σοφία, ή мудрость
θηρεύμα, -ατος, τό охота,	σοφίζω делаю мудрым
ловля	σύ (σου) ты (тебя)
καί и	συλλαμβάνω захватываю
καιρός, ὁ [надлежащее]	συνάγω (aor. συνήγαγον)
время	собираю
καρδιά, ή сердце	ὑπέρ (+acc.) сверх; чем
κτίζω создаю; творю	ὑπνώω сплю
λέγω (aor. εἶπα) говорю	ὑπνος, ὁ сон
λίθος, ὁ камень	χείρ, χειρός, ή рука
ἡμέρα, ή день	φάγομαι fut. от ἐσθίω ем

XXX. *Прочитайте, найдите глаголы, переведите текст:*
 Τῇ ὑπερμάχῳ στρατηγῷ τὰ νικητήρια, ὡς λυθρωθεῖσα τῶν δεινῶν, εὐχαριστήρια ἀναγράφω σοὶ ἡ πόλις σου, Θεοτόκε· ἀλλ' ὡς ἔχουσα τὸ κράτος ἀπροσμάχητον, ἐκ παντοίων με κινδύνων ἐλευθέρωσον, ἵνα κράζω σοὶ· χαίρε, Νύμφη ἀνύμφευτε.

Словарь

ἀλλά <i>но</i>	κίνδυνος ὁ <i>опасность; беда</i>
ἀναγράφω <i>записываю;</i>	κράζω <i>кричу; восклицаю; взываю</i>
<i>надписываю</i>	κράτος -εος τό <i>сила; мощь;</i>
ἀνύμφευτος 2 <i>безбрачный</i>	<i>власть</i>
ἀπροσμάχητος 2	λυθρόω <i>освобождаю</i>
<i>непобедимый</i>	νικητήριον τό <i>награда</i>
ἐγώ (μου, μοι, με) <i>я</i>	<i>победителю; триумф</i>
εὐχαριστήρια τά	νύμφη ἡ <i>невеста</i>
<i>благодарственное</i>	παντοῖος 3 <i>всяческий; всякий</i>
<i>приношение</i>	πόλις, εως ἡ <i>город; страна;</i>
δεινός 3 <i>страшный; опасный</i>	<i>община</i>
(τὸ δεινόν <i>опасность;</i>	στρατηγός ὁ, ἡ <i>полководец;</i>
<i>несчастье; зло</i>)	<i>воевода</i>
ἐκ (+ <i>gen.</i>) <i>из, от</i>	σύ (σοῦ, σοί, σέ) <i>ты</i>
ἐλευθερώω <i>освобождаю</i>	ὑπέρμαχος 2 <i>сильный в брани</i>
ἔχω <i>держу; имею</i>	χαίρω <i>радуюсь</i>
Θεοτόκος ἡ <i>Богородица</i>	ὡς <i>как</i>
ἵνα <i>чтобы, дабы</i>	

XXXI. *Прочитайте, найдите глаголы, переведите текст:*
 Παναγία Τριάς, ἐλέησον ἡμᾶς. Κύριε, ἰλάσθητι ταῖς ἁμαρτίαις ἡμῶν. Δέσποτα, συγχώρησον τὰς ἀνομίας ἡμῶν. Ὁ Ἅγιε, ἐπίσκεψαι καὶ ἴασαι τὰς ἀσθενείας ἡμῶν, ἕνεκεν τοῦ ὀνόματός Σου.²

² Ср.: Βοήθησον ἡμῶν, ὁ Θεὸς ὁ Σωτὴρ ἡμῶν· ἕνεκα τῆς δόξης τοῦ ὀνόματός Σου, Κύριε, ῥῦσαι ἡμᾶς καὶ ἰλάσθητι ταῖς ἁμαρτίαις ἡμῶν ἕνεκα τοῦ ὀνόματός Σου (Πс. 78:9).

Словарь

ἅγιος 3 <i>святой</i> ἄμαρτία ἢ <i>грех</i> ἀνομία ἢ <i>беззаконие</i> ἀσθένεια ἢ <i>немошь; болезнь</i> δεσπότης -ου, ὁ <i>владыка</i> ἐλεέω <i>жалю</i> ἔνεκεν (+gen.) <i>ради</i> ἐπισκέπτομαι <i>взираю;</i> <i>посещаю</i> ἡμεῖς <i>мы</i>	ἰάομαι <i>лечить; исцелять</i> ἰλάσκομαι (aor. pass.: ἰλάσθην) <i>умилостивляю</i> καί <i>и</i> Κύριος ὁ <i>Господь</i> ὄνομα -ατός τό <i>имя</i> πανάγιος 3 <i>пресвятой</i> σύ <i>ты</i> συγχωρέω <i>делаю уступку</i> Τριάς -άδος ἢ <i>Троица</i>
--	---

XXXII. Прочитайте, переведите текст: Ὁ μονογενῆς Υἱὸς καὶ Λόγος τοῦ Θεοῦ, ἀθάνατος ὑπάρχων καὶ καταδεξάμενος διὰ τὴν ἡμετέραν σωτηρίαν σαρκωθῆναι ἐκ τῆς ἁγίας Θεοτόκου καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, ἀτρέπτως ἐνανθρωπήσας σταυρωθεὶς τε, Χριστέ ὁ Θεός, θανάτῳ θάνατον πατήσας, εἰς ὧν τῆς Ἁγίας Τριάδος, συνδοξαζόμενος τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Ἁγίῳ Πνεύματι, σῶσον ἡμᾶς.

Словарь

ἅγιος, 3 <i>святой</i> ἀειπαρθένος, ἢ <i>Приснодева</i> ἀθάνατος, 2 <i>бессмертный</i> ἀτρέπτως <i>неизменно;</i> <i>непреложно</i> διὰ (+acc.) <i>по причине; из-за</i> εἷς, μία, ἓν <i>один, одна, одно</i> ἐκ (+gen.) <i>из, от</i> ἐνανθρωπεῖν <i>сделаться</i> <i>человеком; вочеловечиться</i> ἡμεῖς <i>мы</i> ἡμέτερος, 3 <i>наш</i> θάνατος, ὁ <i>смерть</i> Θεός, ὁ <i>Бог</i> Θεοτόκος, ἢ <i>Богородица</i> καί <i>и</i> καταδέχομαι <i>соглашаюсь</i>	λόγος, ὁ <i>слово</i> Μαρία, ἢ <i>Мария</i> μονογενῆς, 2 <i>единородный</i> πατέω <i>топчу; попираю</i> πατήρ, πατήρ, ὁ <i>отец</i> πνεῦμα, ατος, τό <i>дух</i> σαρκῶ <i>облеκαю в плоть</i> σταυρόω <i>распинаю</i> συνδοξάζω <i>вместе прославляю</i> σώζω <i>спасать</i> σωτηρία, ἢ <i>спасение</i> τε <i>и (постпозиционно)</i> Τριάς, ἄδος, ἢ <i>Троица</i> υἱός, ὁ <i>сын</i> ὑπάρχω <i>есмы</i> Χριστός, ὁ <i>Христос</i> ὢν, ὄντος <i>сущий</i>
--	---

Perfectum et plusquamperfectum

Показатели перфекта – удвоение первого согласного или аугмент и суффикс -κ(α)- (только в действительном залоге). Окончания в индикативе такие же, как в аористе I, кроме формы 3 pl., где окончание -σι(v).

При образовании плюсквамперфекта (преждепрошедшее время) к основе перфекта добавляется аугмент, суффикс -κε(ι)- (только в действительном залоге), окончания исторических времен.

XXXIII. *Прочитайте, найдите глаголы, переведите текст:* Ἀρχιμήδην δὲ βία τῶν διαγραμμάτων ἀποσπῶντες ὑπῆλειφον οἱ θεράποντες. Ὁ δ' ἐπὶ τῆς κοιλίας ἔγραφε τὰ σχήματα τῆ στλεγγίδι, καὶ λουόμενος, ὡς φασιν, ἐκ τῆς ὑπερχύσεως ἐννοήσας τὴν τοῦ στεφάνου μέτρῃσιν οἶον ἐκ τινος κατοχῆς ἢ ἐπιπνοίας ἐξήλατο βοῶν· *Εὕρηκα*, καὶ τοῦτο πολλάκις φθεγγόμενος ἐβάδιζεν. Οὐδενὸς δ' ἀκηκόαμεν οὔτε γαστριμάργου περιπαθῶς οὔτως· *Βέβρωκα* βοῶντος οὔτ' ἐρωτικοῦ· *Πεφίληκα*, <хотя> μυρίων μυριάκις ἀκολάστων γεγονότων καὶ ὄντων. Ἀλλὰ καὶ βδελυττόμεθα τοὺς μεμνημένους δείπνων ἐμπαθέστερον, ὡς ἐφ' ἡδοναῖς μικραῖς καὶ μηδενὸς ἀξίαις ὑπερασμενίζοντας. Εὐδόξω δὲ καὶ Ἀρχιμήδει καὶ Ἰππάρχῳ συνενθουσιῶμεν, καὶ Πλάτωνι πειθόμεθα περὶ τῶν μαθημάτων <...> (*Plutarchus. Non posse suaviter vivi secundum Epicurum, 1094b-c*).

Словарь

ἀκόλαστος, 2 распутный	геометрическая фигура
ἀκούω (perf.: ἀκήκοα)	ἐκ (+gen.) из
слышу	ἐμπαθῶς страстно
ἀλλά но	ἐννοέω понимаю; постигаю
ἄξιος, 3 достойный (чего — gen.)	ἐπί (+gen.) на; (+dat.) из-за
ἀποσπάω отрываю (кого — acc., от чего — gen.)	ἐπιπνοία, ἡ вдохновение, наитие
Ἀρχιμήδης, -ου(ς), ὁ	ἐξάλλομαι (aor. ἐξηλάμην)
Архимед (ученик Евклида, величайший математик и физик древности, 287-212 гг. до Р.Х.)	выскакиваю
βαδίζω иду, хожу	ἐρωτικός, 3 влюбленный
βδελύττομαι чувствую отвращение	Εὐδοξος, ὁ Эвдокс (ученик Платона, врач, математик и астроном IV в. до Р.Х.)
βία, ἡ сила	εὕρισκω (основа: εὕρ-/εὕρη-)
βιβρώσκω (основа: βρω-) съедаю	нахожу
βοάω кричу	ἐφ' = ἐπί
γαστρίμαργος, 2 склонный к обжорству; прожорливый	ἤ или
γίγνομαι (основы: γν-, γον- и др.) происхожу; возникаю, есмь	ἡδονή, ἡ наслаждение
γράφω черчу	θεράπων, -οντος, ὁ
δέ же	служитель, ученик
δεῖπνον, τό обед; пища, еда	Ἱππαρχος ὁ Гиппарх (астроном и математик сер. II в. до Р.Х.)
διάγραμμα, -ατος, τό	καί и
	κατοχή, ἡ исступление
	κοιλία, ἡ живот
	λούω мою
	μάθημα, ατος, τό наука; pl.: математика

<p>μέτρησης, -εως, ἢ <i>измерение</i> μηδείς, μηδεμία, μηδέν <i>ни один; никто, ничто</i> μικρός, 3 <i>малый; ничтожный</i> μιμνήσκω (основа: μνη-) <i>напоминаю; med.: помню, забочусь (ο – gen.)</i> μυριάκις 10000 <i>раз</i> μυριοί, 3 10000; <i>очень много</i> οἶον <i>словно</i> οὐδείς, οὐδεμία, οὐδέν <i>ни один</i> οὔτε <i>и не</i> οὗτος, αὕτη, τοῦτο <i>этот</i> οὕτως <i>так</i> πείθω <i>убеждаю; med.: верю</i> περί (+gen.) <i>из-за</i></p>	<p>περιπαθῶς <i>взволнованно</i> Πλάτων, -ωνος, ὁ <i>Платон</i> πολλάκις <i>часто</i> στέφανος, ὁ <i>венок; венец</i> στλεγγίς, -ίδος, ἢ <i>банный скребок</i> συνενθουσιάω <i>восторгаюсь (кем – dat.)</i> σχῆμα, -ατος, τό <i>фигура</i> τίς, τί <i>некто; некий</i> ὑπαλείφω <i>умащаю</i> ὑπερασμενίζω <i>слишком сильно радуюсь</i> ὑπέρχυσις, -εως, ἢ <i>разлитие</i> φασίν «<i>говорят</i>» φθέγγομαι <i>говорю</i> φιλέω <i>люблю; целую</i> ῶν, οὔσα, ὄν <i>см. εἰμί есмь</i> ὡς <i>как</i></p>
---	---

Coniugatio secunda (глаголы на -μι)

Второе спряжение отличается от первого отсутствием тематических гласных. Окончания в praes. ind. act.:

Sg. 1	-μι	-μεν
2	-ς	-τε
3	-σι(ν)	-ασι(ν)

Γлаголы 2-го спряжения с удвоенной основой

praesens	δί-δω-μι	τί-θη-μι	ἴ-στη-μι	ἴ-η-μι
futurum	δώ-σ-ω	θή-σ-ω	στή-σ-ω	ῆ-σ-ω
aoristus act.	ἔ-δω-κα	ἔ-θη-κα	ἔ-στη-σα «я поставил» ἔ-στη-ν «я встал»	ῆ-κα
perf. act.	δέ-δω-κα	τέ-θει-κα	ἔ-στη-κα	εἶ-κα
perf. m/p	δέ-δο-μαι	τέ-θει-μαι	ἔ-στα-μαι	εἶ-μαι
aor. pass.	ἐ-δό-θη-ν	ἐ-τέ-θη-ν	ἐ-στά-θη-ν	εἶ-θη-ν
перевод	«давать»	«κλαсть»	«ставить»	«посылать»

XXXIV. *Прочитайте, наϊдите глаголы, переведите текст:* Γεωργός καὶ Τύχη. Γεωργός τις χρυσίον εὐρών ἐν γῆ σκάπτων ἔστεφε τὴν Γῆν καθ' ἡμέραν ὡς εὐεργετηθεὶς παρ' αὐτῆς. Τοῦτω δὲ ἐπιστᾶσά φησιν ἡ Τύχη· ὦ οὗτος, τί τῇ Γῆ τὰ ἐμὰ δῶρα προστιθεῖς, ἅπερ ἐγὼ σοὶ δέδωκα πλουτίσαι βουλομένη σε; <...> Ὁ λόγος δηλοῖ, ὅτι χρὴ ἐπιγιγνώσκειν τὸν εὐεργέτην καὶ τοῦτω χάριτας ἀποδιδόναι. Λύκος καὶ Ἔριφος. Ἔριφος ἐπὶ τινος δώματος ἐστῶς λύκον παριόντα ἐλοιδόρει. Ὁ δὲ ἔφη πρὸς αὐτόν· οὐ σύ με λοιδορεῖς, ἀλλ' ὁ τόπος. Ὁ λόγος δηλοῖ, ὅτι οἱ καιροὶ διδῶσι κατὰ τῶν ἀμεινόνων τὸ θάρσος (*Aesopus. Fabulae. 61 et 100*).

Словарь

ἀλλά <i>но</i> ἀμείνων, 2 (G. -ονος) <i>лучший</i> αὐτός, -ή, -ό <i>сам; он</i> ἅπερ <i>см. ὅσπερ</i>	ἀποδίδωμι <i>воздаю</i> βούλομαι <i>желаю; хочу</i> γεωργός, ὁ <i>земледелец</i> γῆ, ἡ <i>земля (Γῆ, ἡ Γεя)</i> δέ <i>же</i>
---	--

δηλώω <i>показываю; разъясняю</i>	κατά (+gen.) <i>в отношении</i>
δίδωμι <i>даю</i>	λόγος, ὁ <i>слово; рассказ; басня</i>
δῶμα, δώματος, τό <i>дом</i>	λοιδορέω <i>браню; поношу</i>
δῶρον, τό <i>дар</i>	λύκος, ὁ <i>волк</i>
ἐγώ <i>я</i>	ὅσπερ, ἥπερ, ὅπερ <i>тот</i>
ἐμός, ὅ <i>мой</i>	<i>самый, который</i>
ἐν (+dat.) <i>в</i>	ὅτι <i>что</i>
ἐπί (+gen.) <i>на</i>	οὐ <i>не</i>
ἐπιγιγνώσκω <i>признаю; узнаю</i>	οὗτος, αὕτη, τοῦτο <i>этот</i>
ἔριφος, ὁ <i>козленок</i>	παρά (+gen.) → <i>тв. пад.</i>
εὐεργετέω <i>благодетельствую</i>	πάρειμι <i>прохожу мимо</i>
εὐεργέτης, ου, ὁ <i>благодетель</i>	πλουτίζω <i>обогащаю</i>
εὐρίσκω (основа: εὐρ-/εύρη-)	πρός (+acc.) <i>к</i>
<i>нахожу</i>	προστιθημι <i>предлагаю; даю</i>
ἔφη <i>говорил</i>	σκάπτω <i>копаю; вскапываю</i>
ἐφίστημι (aor. ἐπέστην)	στέφω <i>украшаю венками</i>
(+dat.) <i>являюсь (+ дат. п.),</i>	σύ <i>ты</i>
<i>предстаю перед</i>	τί <i>почему</i>
θάρασος, εος, τό <i>смелость</i>	τίς, τί <i>некто; некий</i>
ἵστημι <i>ставлю (в perf.</i>	τόπος, ὁ <i>место</i>
<i>[основа на ἕστ-] стою)</i>	Τύχη, ἡ <i>Тиха, богиня судьбы</i>
καθ' ἡμέραν <i>ежедневно</i>	φησίν <i>говорит</i>
καί <i>и</i>	χάρις, -ιτος, ἡ
καιρός, ὁ <i>благоприятный</i>	<i>благода(ρνος)ть</i>
<i>момент; обстоятельство</i>	χρῆ <i>нужно</i>
	χρυσίον, τό <i>золото</i>
	ὡς <i>как</i>

Syntaxis

Accusativus cum infinitivo

Асс. cum inf. – сложное дополнение, зависящее от глагола со значением чувственного восприятия, мысли, говорения, волеизъявления или долженствования. Этот оборот состоит, как правило, из винительного падежа существительного (или субстантивированной иной части речи) и неопределенной формы глагола. При переводе предложения с асс. cum inf. нужно: 1) найти и перевести сказуемое предложения; 2) поставить слово «что(бы)»; 3) accusativus перевести как подлежащее сложноподчиненного дополнительного предложения; 4) infinitivus перевести как сказуемое сложноподчиненного дополнительного предложения.

Примеры оборота асс. cum inf. в разных языках:

Греч.: «καὶ ποιήσω ὑμᾶς γενέσθαι ἁλιεῖς ἀνθρώπων» (Мк. 1:17).

Церк.-слав. (калька с греч.): «и сотворю вась бꙋйти ловцѣ человѣкомъ» (Мк. 1:17).

Лат. «Me eum esse» (название сборника стихов В. Брюсова).

Нем.: «...doch sah man ihn oft abends auf seinem Dache auf und ab gehen...» (В. Гауф. Маленький Мук).

Франц.: «J'entends des oiseaux chanter dans le jardin».

Англ.: «I like people to tell the truth». «I expect him to come here».

Nominativus cum infinitivo

Nom. cum inf. – сложное подлежащее, при котором имеется сказуемое, согласованное со словом в номинативе и выраженное глаголом со значением чувственного восприятия, мысли, говорения, волеизъявления или долженствования в пассивном залоге. Nom. cum inf. состоит, как правило, из номинатива существительного (или субстантивированной иной части речи) и неопределенной формы глагола. При переводе

предложения с ном. cum inf. нужно: 1) найти и перевести пассивный залог сказуемого безличным или неопределенно-личным предложением; 2) поставить слово «что(бы)»; 3) nominativus перевести как подлежащее сложноподчиненного предложения; 4) infinitivus перевести как сказуемое сложноподчиненного предложения.

Примеры оборота ном. cum inf. в разных языках:

Греч.: «εἰ τις δοκεῖ σοφὸς εἶναι ἐν ὑμῖν ἐν τῷ αἰῶνι τούτῳ, μωρὸς γενέσθω, ἵνα γένηται σοφός» (1 Кор. 3:18).

Церк.-слав. (калька с греч.): «аще ктò мнѣтся мѹдрѣ бѹти въ васѣ, въ вѣщѣ сѣмъ, бѹй да биваетѣ, 'якѡ да премѹдрѣ бѹдетѣ» (1 Кор. 3:18).

Англ.: «They are said to know Greek very well».

XXXV. Прочитайте, найдите оборот, переведите текст:
 Δοκεῖ δ' αὐτῷ <Δημοκρίτῳ> τάδε· ἀρχὰς εἶναι τῶν ὄλων ἀτόμους καὶ κενόν, τὰ δ' ἄλλα πάντα νενομίσθαι ἀπείρους τε εἶναι κόσμους καὶ γενητούς καὶ φθαρτούς. Μηδέν τε ἐκ τοῦ μὴ ὄντος γίνεσθαι μηδὲ εἰς τὸ μὴ ὄν φθείρεσθαι. Καὶ τὰς ἀτόμους δὲ ἀπείρους εἶναι κατὰ μέγεθος καὶ πληθος, φέρεσθαι δ' ἐν τῷ ὄλῳ δινουμένας. Καὶ οὕτω πάντα τὰ συγκρίματα γεννᾶν, πῦρ, ὕδωρ, ἀέρα, γῆν· εἶναι γὰρ καὶ ταῦτα ἐξ ἀτόμων τινῶν συστήματα· ἅπερ εἶναι ἀπαθῆ καὶ ἀναλλοιώτα διὰ τὴν στερότητα. Τόν τε ἥλιον καὶ τὴν σελήνην ἐκ τοιούτων λείων καὶ περιφερῶν ὄγκων συγκεκρισθαι, καὶ τὴν ψυχὴν ὁμοίως ἦν καὶ νοῦν ταυτὸν εἶναι. Ὅρᾶν δ' ἡμᾶς κατ' εἰδώλων ἐμπτώσεις. (Democritus apud Diog. Laert. 9. 44-45).

Словарь

ἀναλλοίωτος, ὁ <i>неизменный</i>	ἐν (+dat.) <i>в</i>
ἀήρ, ἀέρος, ὁ <i>воздух</i>	ἥλιος, ὁ <i>солнце</i>
ἄλλος, 3 <i>другой</i> (с артиклем — <i>остальной</i>)	ἡμεῖς, ἡμᾶς <i>мы, нас</i>
ἀπαθής, 2 <i>нестрадающий</i>	καί <i>и</i>
ἄπειρος, 2 <i>бесконечный</i>	κατά (+acc.) <i>по; из-за</i>
ἄπερ — n. pl. от ὅσπερ	κενόν, τό <i>пустота</i>
ἀρχή, ἡ <i>начало</i>	κόσμος, ὁ <i>мир</i>
ἄτομος, ἡ <i>неделимая</i> <i>частица</i>	λεῖος, 3 <i>гладкий</i>
αὐτός, ἡ, ὁ <i>сам; он</i>	μέγεθος, εος, τό <i>величина</i>
γάρ <i>ведь</i>	μή <i>не</i>
γενητός, 3 <i>рожденный</i>	μηδέ <i>и не</i>
γεννάω <i>рождаю</i>	μηδείς, μηδεμία, μηδέν <i>ни</i> <i>один; никто; ничто</i>
γῆ, ἡ <i>земля</i>	νομίζω <i>признаю; считаю</i>
γίνομαι <i>возникаю</i>	νοῦς, ὁ <i>ум</i>
δέ, δ' <i>же</i>	ὄγκος, ὁ <i>тело; атом</i>
Δημόκριτος, ὁ <i>Демокрит</i> <i>(460-370 гг. до Р. X.)</i>	ὄδε, ἦδε, τόδε <i>этот</i>
διά (+gen.) <i>из-за</i>	ὄλον, τό <i>вселенная</i>
δινέω <i>кружу</i>	ὄλος, 3 <i>целый; весь</i>
δοκεῖν <i>казаться</i>	ὁμοίως <i>подобным образом</i>
εἶδωλον, τό <i>образ;</i> <i>«видность»</i>	ὀράω <i>вижу</i>
εἰμί <i>есмь</i>	ὅς, ἧ, ὅ <i>которые</i>
εἶναι inf. от εἰμί	ὅσπερ, ἦπερ, ὅπερ <i>которые</i>
εἰς (+acc.) <i>на, в</i>	οὗτος, αὕτη, τοῦτο <i>этот</i>
ἐκ = ἐξ (+gen.) <i>из</i>	οὕτω <i>так</i>
ἔμπτωσις, εως, ἡ <i>попадание</i>	πᾶς, πᾶσα, πᾶν <i>весь</i>
	περιφερής, 2 <i>круглый</i>
	πλήθος, εος, τό <i>количество</i>

πῦρ, πυρός, τό <i>огонь</i> σελήνη, ἡ <i>луна</i> στερρότης, ἦτος, ἡ <i>твердость</i> σύγκριμα, ματος, τό <i>составное тело</i> συγκρίνω <i>соединять,</i> <i>составлять</i> σύστημα, ματος, τό <i>соединение</i> ταυτόν = τὸ αὐτό	τε <i>и</i> (постпозиц.) τις, τὶ <i>некто; некий</i> τοιοῦτος, τοιαύτη, τοιοῦτο <i>такой вот</i> ὔδωρ, ὕδατος, τό <i>вода</i> φέρω <i>несу</i> φθαρτός, 3 <i>подверженный</i> <i>порче; тленный</i> φθείρω <i>уничтожаю</i> ψυχή, ἡ <i>душа</i> ὄν, οὐσα, ὄν <i>см. εἶμι</i>
--	--

Genitivus absolutus

Независимый родительный падеж представляет собой сложное обстоятельство, состоящее из именной части речи в родительном падеже и согласованного с ней причастия. Переводится при помощи союза «когда» («так как», «хотя», «если»): существительное (или слово, его заменяющее) переводится подлежащим, причастие — сказуемым (Τοῦ δὲ Ἰησοῦ γεννηθέντος ἐν Βηθλέεμ τῆς Ἰουδαίας <...>, ἰδοὺ μάγοι ἀπὸ ἀνατολῶν παρεγένοντο εἰς Ἱερουσόλυμα [Мф. 2:1]). В церковнославянском обороту соответствует дательный самостоятельный (Иисѹсу же рѡдѡишѹся въ Βηθλεεμѣ Ἰουδαϊστѣмѣ <...>, сѣ волсвѹ ѡт востѡкъ прїидѡша во Ἱερουσαλѹмѣ [Мф. 2:1]); в английском — the nominative absolute participle construction («The student knowing Latin well, the examination did not last long»).

XXXVI. *Прочитайте, наΰдите оборот, переведите текст:* Αεί γάρ ἐκ τοῦ δυνάμει ὄντος γίγνεται τὸ ἐνεργεία ὄν ὑπὸ ἐνεργεία ὄντος, οἷον ἄνθρωπος ἐξ ἀνθρώπου, μουσικὸς ὑπὸ μουσικοῦ, ἀεί κινουῦντός τινος πρώτου· τὸ δὲ κινουῦν ἐνεργεία ἤδη ἔστιν (*Aristoteles. Metaphysica. 1049 b 24-27*). Αὐγούστου μοναρχήσαντος ἐπὶ τῆς γῆς ἡ πολυαρχία τῶν ἀνθρώπων ἐπαύσατο, καὶ σοῦ ἐνανθρωπήσαντος ἐκ τῆς Ἀγνῆς ἡ πολυθεία τῶν εἰδώλων κατήργηται. ὑπὸ μίαν βασιλείαν ἐγκόσμιον αἱ πόλεις γεγένηνται καὶ εἰς μίαν δεσποτείαν Θεότητος τὰ ἔθνη ἐπίστευσαν. Ἀπεγράφησαν οἱ λαοὶ τῷ δόγματι τοῦ Καίσαρος (*cf.: Λκ. 2:1*), ἐπεγράφημεν οἱ πιστοὶ ὀνόματι Θεότητος σοῦ τοῦ ἐνανθρωπήσαντος Θεοῦ ἡμῶν. μέγα σοῦ τὸ ἔλεος, Κύριε, δόξα σοί (*Sancta Cassia, Stichēra in Nativitatem, IX saec.*).

Словарь

ἀγνός, 3 чистый	δόξα, ἡ слава
ἀεί <i>всегда</i>	δύναμις, -εως, ἡ сила;
ἄνθρωπος, ὁ человек	возможность
Αὐγούστος, ὁ Август	ἐγκόσμιος, 2 мирской
ἀπογράφω <i>вношу в списки</i>	ἔθνος, -εος, τό племя
βασιλεία, ἡ царство	εἶδωλον, τό идол
γάρ <i>ведь</i>	εἷς, μία, ἓν <i>один, одна, одно</i>
γῆ, ἡ земля	ἐκ = ἐξ (+gen.) <i>от; из</i>
γίγνομαι (основы: γν-, γεν-) становлюсь	ἔλεος, -εος, τό <i>сострадание,</i> <i>милосердие; милость</i>
δέ же	ἐνανθρωπεῖν
δεσποτεία, ἡ <i>владычество</i>	<i>вочеловечиться</i>
δόγμα, -ατος, τό <i>учение;</i> <i>постановление</i>	

<p>ἐνέργεια, ἡ <i>действие</i>; <i>действительность</i> ἐπί (+gen.) <i>на</i> ἐπιγράφω <i>записываю</i> ἤδη <i>уже</i> ἡμεῖς <i>мы</i> Θεός, ὁ <i>Бог</i> Θεότης, -ητος, ἡ <i>Божество</i> καί <i>и</i> Καῖσαρ, -αρος, ὁ <i>цесарь</i> καταργέω <i>упраздняю</i> κινέω <i>двигаю</i> Κύριος, ὁ <i>Господь</i> λαός, ὁ <i>народ</i> μέγας, μεγάλη, μέγα <i>великий</i> μοναρχέω <i>единолично</i> <i>царствую</i></p>	<p>μουσικός, 3 <i>сведущий в</i> <i>музыке; ученый</i> οἶον <i>как</i> ὄνομα, -ατος, τό <i>имя</i> παύω <i>прекращаю</i> πιστεύω <i>верую</i> πιστός, 3 <i>верный</i> πόλις, -εως, ἡ <i>город</i> πολυαρχία ἡ <i>многовластие</i> πολυθεία, ἡ <i>многобожие</i> πρῶτος, 3 <i>первый</i> σύ (σοῦ etc.) <i>ты</i> τις, τί <i>некто; некий</i> ὑπό (+gen.) → <i>тв. пад. или:</i> <i>через</i> ὑπό (+acc.) <i>под</i> ὄν, οὔσα, ὄν <i>см. εἰμί</i></p>
---	---

Coniunctivus

Сослагательное наклонение образуется при помощи удлинения тематического гласного: ο>ω, ε>η, ει>η и окончаний главных времен. Значения: 1) побуждение к действию, 2) запрещение, 3) сомнение. Употребляется в придаточных цели, после глаголов «боязни»; с частицей ἄν указывает на повторяющееся действие или на действие в будущем. В аористе конъюнктив образуется путем прибавления удлинившегося гласного к суффиксу -σ-. Не следует путать с будущим временем, в котором сослагательного наклонения нет.

XXXVII. *Прочитайте, найдите глаголы, переведите текст:* 1. Φίλους μὴ ταχὺ κτῶ (=κτάου) οὐς δ' ἂν κτήση μὴ ἀποδοκίμαζε (*Solon apud Diog. Laert. I. 60*). 2. Χρόνος δ' οὖν μετ' οὐρανοῦ γέγονεν, ἵνα ἅμα γεννηθέντες ἅμα καὶ λυθῶσιν, ἂν ποτε λύσις τις αὐτῶν γίγνηται, καὶ κατὰ τὸ παράδειγμα τῆς διαιωνίας φύσεως, ἵν' ὡς ὁμοιότατος αὐτῷ κατὰ δύναμιν ἦ (*Plato. Timaeus. 38 b*). 3. Ἄ μὴ κατέθου, μὴ ἀνέλη (*Plato. Leges, XI 913 c*). 4. – Ἐξεστιν δοῦναι κῆνσον Καίσαρι ἢ οὐ; δῶμεν ἢ μὴ δῶμεν; <...> – Τὰ Καίσαρος ἀπόδοτε Καίσαρι καὶ τὰ τοῦ Θεοῦ τῷ Θεῷ (Μκ. 12:14, 17). 5. Ἀγαπητοί, ἀγαπῶμεν ἀλλήλους, ὅτι ἡ ἀγάπη ἐκ τοῦ Θεοῦ ἐστίν, καὶ πᾶς ὁ ἀγαπῶν ἐκ τοῦ Θεοῦ γεγέννηται καὶ γινώσκει τὸν Θεόν. ὁ μὴ ἀγαπῶν οὐκ ἔγνω τὸν Θεόν, ὅτι ὁ Θεὸς ἀγάπη ἐστίν (1 Ιη. 4:7-8).

Словарь

ἀγαπάω люблю	δέ же
ἀγάπη, ἡ любовь	διαιώνιος, 3 вечный
ἀγαπητός, 3 любимый	δίδωμι даю
ἀλλήλων друг друга	δύναμις, εως, ἡ
ἅμα вместе	возможность
ἀν-αιρέω (основа аог. -εЛ-) поднимаю; med. беру	ἐκ (+gen.) от
ἀπο-δίδωμι отдаю	ἔξεστιν позволено
ἀποδοκιμάζω отвергаю	ἢ или
αὐτός, -ή, -ό сам; он	ἦ conj. 3 sg. от εἰμί есмь
γεννάω рождаю	Θεός, ὁ Бог
γίγνομαι (основы: γν-, γον- и др.) возникаю	ἵνα чтобы
γινώσκω (аог. ἔγνω) познаю; знаю	καὶ и
	Καῖσαρ, -αρος, ὁ кесарь
	κατὰ (+acc.) по; согласно
	κατα-τίθημι кладу

κτάομαι <i>приобретаю</i>	οὖν <i>итак</i>
κῆνσος, ὁ <i>подать</i>	παράδειγμα, -ατος, τό
λύσις, -εως, ἡ <i>распад</i>	ὄβραζεϋ
λύω <i>разрушаю</i>	πᾶς, πᾶσα, πᾶν <i>весь</i>
μετά (+gen.) <i>с</i>	ποτέ <i>когда-либо</i>
μή <i>не</i>	ταχύ <i>быстро, скоро</i>
ὅμοιος, ὅ <i>похожий</i>	τις, τί <i>некто; некий</i>
οὐ, οὐκ <i>не</i>	φίλος, ὁ <i>друг</i>
οὐρανός, ὁ <i>небо</i>	φύσις, -εως, ἡ <i>природа</i>
ὅς, ἧ, ὅ <i>который</i>	χρόνος, ὁ <i>время</i>
ὅτι <i>(потому) что</i>	ὡς <i>как</i>

Optativus

Оптитив образуется при помощи суффикса с иотой: -ο-ι-, -α-ι-, -ε-ιε-, -ε-ιη- и окончаний исторических времен. Выражает пожелание. С частицей ἄν указывает на возможное действие. Употребляется в косвенной речи, если в главном предложении есть историческое время.

XXXVIII. *Переведите текст:* 1. Κλεονίκη· Τί δ' ἄν γυναῖκες φρόνιμον ἐργασαίατο (=ἐργάσαιντο, есть вариант: ἐργασαίμεθα) / ἢ λαμπρόν, αἱ καθήμεθ' ἐξηνθισμέναι, / κροκωτοφοροῦσαι καὶ κεκαλλωπισμέναι...; (*Aristophanes. Lysistrata. 42-44*). 2. <ὁ κιθαριστὴς Στρατόνικος> διδάσκων γὰρ κιθαριστάς, ἐπειδὴ ἐν τῷ διδασκαλείῳ εἶχεν ἐννέα μὲν εἰκόνας τῶν Μουσῶν, τοῦ δὲ Ἀπόλλωνος μίαν, μαθητάς δὲ δύο, πυνθανομένου τινὸς πόσους ἔχοι μαθητάς, ἔφη· σὺν τοῖς θεοῖς δώδεκα (*Athenaeus. Deipnosophistae.VIII, 41*). 3. ὁ δὲ Θεὸς τῆς ἐλπίδος πληρῶσαι ὑμᾶς πάσης χαρᾶς καὶ εἰρήνης ἐν τῷ πιστεύειν, εἰς τὸ περισσεύειν ὑμᾶς ἐν τῇ ἐλπίδι ἐν δυνάμει Πνεύματος Ἁγίου (Рим. 15:13).

Словарь

ἅγιος, 3 святой	Θεός, ὁ Бог
ἄν пожалуй, бѣ и др.	κάθημαι <i>сажусь; сижу</i>
Ἀπόλλων, -ωνος, ὁ	καί <i>и</i>
Аполлон	καλλωπίζω <i>украшаю лицо;</i>
γάρ <i>ведь</i>	<i>прихорашиваюсь</i>
γυνή, γυναικός, ἡ	κιθαριστής, -οῦ, ὁ <i>кифарист</i>
женщина	Κλεονίκη, ἡ <i>Клеоника</i>
δέ <i>же</i>	κροκωτοφορέω <i>ношу платье</i>
διδασκαλεῖον, τό <i>училище</i>	<i>цвета шафрана</i>
διδάσκω <i>учу; обучаю</i>	λαμπρός, 3 <i>ясный; славный</i>
δύναμις, -εως, ἡ <i>сила</i>	μαθητής, -οῦ, ὁ <i>ученик</i>
δύο <i>два</i>	μέν —
δώδεκα <i>двенадцать</i>	Μοῦσα, ἡ <i>Муза</i>
εἰκών, εἰκόνας, ἡ	ὅς, ἧ, ὅ <i>который</i>
<i>изображение; образ</i>	πᾶς, πᾶσα, πᾶν <i>весь</i>
εἰρήνη, ἡ <i>мир</i>	περισσεύω <i>изобилую;</i>
εἰς (+acc.) <i>в; для</i>	<i>преуспеваю</i>
εἷς, μία, ἓν <i>один, одна,</i>	πιστεύω <i>вер(у)ю</i>
<i>одно</i>	πληρόω <i>наполняю</i>
ἐλπίς, ἐλπίδος, ἡ <i>надежда</i>	πνεῦμα, -ατος, τό <i>дух</i>
ἐν (+dat.) <i>в</i>	πόσος, 3 <i>сколький</i>
ἐννέα <i>девять</i>	πυνθάνομαι <i>спрашиваю</i>
ἐξανθίζω <i>украшаю</i>	Στρατόνικος, ὁ <i>Стратоник</i>
<i>цветами</i>	σύν (+dat.) <i>с</i>
ἐπειδή <i>когда</i>	τίς, τί <i>кто; что</i>
ἐργάζομαι <i>делаю</i>	τίς, τί <i>некто; некий</i>
ἔφη <i>говорил(а)</i>	ὕμεῖς <i>вы</i>
ἔχω <i>имею</i>	φρόνιμος, 3 <i>умный</i>
ἤ <i>или</i>	χαρά, ἡ <i>радость</i>

Casūs

1. Casus realis. В обеих частях предложения — индикатив без *ἄν*. Представляет собой объективное предположение. Схема перевода: «Если А, то Б».

2. Casus irrealis. В обеих частях предложения — историческое время индикатива, в главном предложении есть частица *ἄν*. Условие мыслится невыполнимым. Схема перевода: «Если бы А, то бы Б».

3. Casus potentialis. В придаточном предложении — оптатив, в главном — оптатив с *ἄν*. Условие мыслится возможным. Схема перевода: «Если А, то, пожалуй, Б».

4. Casus futuralis. В придаточном предложении: *ἐάν* (=εἰ+ἄν) с сослагательным наклонением, в главном — футурум индикатива. Схема перевода: «Если будет А, то будет Б».

XXXIX. Прочитайте, найдите глаголы, переведите текст: 1. Σοφιστοῦ δέ τις ἐιπόντος· πάντων λόγος ἐστὶ κράτιστον, <Ἄγις> οὐκοῦν, – ἔφη, – σὺ, ἐὰν σιωπᾷς (=σιωπάης), οὐδενὸς ἄξιος εἶ. 2. Πρὸς δὲ τοὺς ἐπιζητοῦντας τῶν πολιτῶν· πῶς ἂν πολεμίων ἔφοδον ἀλεξιόμεθα; <Λυκοῦργος> ἐὰν πτωχοί, – ἔφη, – ἦτε καὶ μὴ μείζων ἄτερος θατέρου ἐρᾷ (=ἐράη) εἶναι. 3. <Πεδάριτος,> ἰδὼν δὲ τινα τῇ μὲν φύσει μαλακὸν δι' ἐπιείκειαν δ' ἐπαινούμενον ὑπὸ τῶν πολιτῶν, ἔφη· οὐτ' ἄνδρας γυναιξίν ὁμοίους ὄντας ἐπαινεῖν δεῖ οὔτε γυναικας ἀνδράσιν, ἐὰν μὴ <τὴν γυναικα> χρεῖα τις καταλάβῃ. 4. Τῶν δὲ εἰλώτων τινὸς θρασύτερον αὐτῶ <i.e. Χαρίλλω> προσφερομένου, εἰ μὴ ὠργιζόμεν, – <Χαρίλλος> εἶπε, – κατέκτανον ἄν σε (*Plutarchus. Apophthegmata Laconica, 215e; 228e; 231b; 232c*).

Словарь

<p>ἄγις, -ιδος, ὁ <i>Αγιδ</i>, <i>спартанский царь</i> <i>ἀλέξω отражаю;</i> <i>предотвращаю</i> <i>ἄν бы</i> <i>ἀνήρ, ἀνδρός, ὁ муж(чина)</i> <i>ἄξιος, 3 достойный (чего —</i> <i>gen.)</i> <i>ἄτερος = ὁ ἕτερος</i> <i>αὐτός, ἡ, ὁ сам; он</i> <i>γυνή, γυναικός, ἡ</i> <i>жен(щина)</i> <i>δέ же</i> <i>δεῖ нужно</i> <i>διά (+gen.) из-за</i> <i>ἐάν (=εἰ+ἄν) если</i> <i>εἰ если</i> <i>εἴλω, -ωτος, ὁ илот</i> <i>εἰμί εсмь (εἶ — 2-е лицо)</i> <i>εἶπον см.: λέγω</i> <i>ἐπαινέω хвалю</i> <i>ἐπιείκεια, ἡ кротость</i> <i>ἐπιζητέω спрашиваю</i> <i>ἐράω люблю; стремлюсь</i> <i>ἕτερος, 3 другой</i> <i>ἔφη говорил</i> <i>ἔφοδος, ὁ нападение</i> <i>θατέρου = τοῦ ἑτέρου</i> <i>θρασύτερον сравн. ст. от</i> <i>θρασέως дерзко; нагло</i></p>	<p>ἦτε conj. от εἰμί <i>ἰδών прич. аор. 2 от ὀράω</i> <i>καί и</i> <i>κατακτείνω (аор. 2</i> <i>κατέκτανον) убиваю</i> <i>καταλαμβάνω (аор. 2</i> <i>κατέλαβон) захватываю</i> <i>κράτιστος, 3 самый</i> <i>сильный</i> <i>λέγω (аор. εἶπον) говорю</i> <i>Λυκοῦργος, ὁ Ликург,</i> <i>спартанский законодатель</i> <i>λόγος, ὁ слово</i> <i>μαλακός, 3 изнеженный</i> <i>μεῖζων сравн. ст. от μέγας</i> <i>большой</i> <i>μέν —</i> <i>μή не</i> <i>ὅμοιος, 3 похожий</i> <i>ὀράω (аор. 2 εἶδον) вижу;</i> <i>σмотрю</i> <i>ὀργίζω сердить</i> <i>οὐδείς, οὐδεμία, οὐδέν</i> <i>никто; ничто</i> <i>οὐκοῦν следовательно</i> <i>οὔτε и не, ни</i> <i>πᾶς, πᾶσα, πᾶν весь</i></p>
--	---

Πεδάριτος, ὁ <i>Педарит,</i> <i>спартанский полководец</i> πολέμιος, ὁ <i>враг</i> πολίτης, -ου, ὁ <i>гражданин</i> πρός (+acc.) <i>κ</i> προσφέρομαι <i>обращаюсь</i> πτωχός, 3 <i>нищий; бедный</i> σιωπάω <i>молчу</i> σοφιστής, -οῦ, ὁ <i>софист</i>	σύ <i>ты</i> τίς, τί <i>некто; некий</i> πῶς <i>как</i> ὑπό (+gen.) → τв. пад. φύσις, -εως, ἡ <i>природа</i> Χάριλλος, ὁ <i>Харилл,</i> <i>спартанский царь</i> χρεία, ἡ <i>нужда</i> ὢν, οὔσα, ὄν <i>см. εἰμί</i>
--	--

Supplementum

XL. Переведите: ΔΟΓΜΑΤΙΚΟΝ ΘΕΟΤΟΚΙΟΝ ΗΧΟΣ Α

Τὴν παγκόσμιον δόξαν τὴν ἐξ ἀνθρώπων σπαρείσαν καὶ τὸν Δεσπότην τεκούσαν, τὴν ἐπουράνιον πύλην, ὑμνήσωμεν Μαρίαν τὴν Παρθένον, τῶν ἀσωμάτων τὸ ἄσμα καὶ τῶν πιστῶν τὸ ἐγκαλλώπισμα αὐτὴ γὰρ ἀνεδείχθη οὐρανὸς καὶ ναὸς τῆς Θεότητος. Αὐτὴ τὸ μεσότοιχον τῆς ἔχθρας καθελοῦσα εἰρήνην ἀντείσηξε καὶ τὸ βασιλείον ἠνέφξε. Ταύτην οὖν κατέχοντες τῆς πίστεως τὴν ἄγκυραν, ὑπέρμαχον ἔχομεν τὸν ἐξ αὐτῆς τεχθέντα Κύριον. Θαρσεῖτω τοίνυν, θαρσεῖτω λαὸς τοῦ Θεοῦ, καὶ γὰρ αὐτὸς πολεμήσει τοὺς ἐχθροὺς ὡς παντοδύναμος.

Словарь

ἄγκυρα, ἡ <i>якорь</i> ἀναδείκνυμι (aor. pass. ἐδείχθην) <i>показываю; являю</i> ἄνθρωπος, ὁ <i>человек</i> ἀν-οίγνυμι (aor. ἀν-έφξα) <i>отворяю; открываю</i> ἀντ-εισ-άγω <i>вместо</i> (кого- л./чего-л.) <i>ввожу</i> ἄσμα, ἄσματος, τό <i>песня</i> ἀσώματος, 2 <i>бестелесный;</i> <i>бесплотный</i>	αὐτός, αὐτή, αὐτό <i>сам</i> βασιλείον, τό <i>царская власть;</i> <i>царство</i> γὰρ <i>ведь, ибо</i> δεσπότης, -ου, ὁ <i>владыка</i> δόξα, ἡ <i>слава</i> ἐγκαλλώπισμα, - ατος, τό <i>украшение</i> εἰρήνη, ἡ <i>мир; покой</i> ἐξ <i>перед гласным = ἐκ (+gen.) из,</i> <i>от; с</i>
---	--

<p>ἐπουράνιος, 2 небесный ἔχθρα, ἡ ненависть; вражда ἐχθρός, ὁ враг ἔχω ἰμεῖο θαρσέω <i>являюсь смелым;</i> <i>державо</i> Θεός, ὁ Бог Θεότης, Θεότητος, ἡ <i>божественная природа</i> καθ-αιρέω (αογ. 2 καθ-εἶλον, основа: καθ-ελ-) <i>разрушаю</i> καί <i>и</i> κατ-έχω <i>держу; имею</i> Κύριος, ὁ Господь λαός, ὁ народ Μαρία, ἡ <i>Μαρια</i> μεσότοιχον, τό <i>средостение</i> (ср.: Εφ. 2:14) ναός, ὁ <i>храм</i> οὖν <i>итак; следовательно</i></p>	<p>οὐρανός, ὁ <i>небо</i> οὗτος, αὕτη, τοῦτο (gen. τούτου, ταύτης) <i>этот</i> παγκόσμιος, 2 <i>всемирный</i> παντοδύναμος, 2 <i>всесильный</i> παρθένος, ἡ <i>дева</i> πίστις, πίστεως, ἡ <i>вера</i> πιστός, 3 <i>верный</i> πολεμέω <i>сражаюсь</i> πύλη, ἡ <i>врата</i> σπείρω (αογ. pass. ἐ-σπάρ-η-ν) <i>сею, порождаю</i> τίκτω (αογ. act. ἔ-τεκ-ο-ν, αογ. pass. ἐ-τέχ-θη-ν) <i>рождаю</i> τοῖνον <i>итак</i> ὑμνέω <i>торжественно пою;</i> <i>воспеваю</i> ὑπέρμαχος, ὁ <i>защитник; боец</i> ὡς <i>так как</i></p>
--	---

XLI. Переведите: ΔΟΓΜΑΤΙΚΟΝ ΘΕΟΤΟΚΙΟΝ ΗΧΟΣ Β

Παρήλθεν ἡ σκιά τοῦ νόμου, τῆς χάριτος ἐλθούσης, ὡς γὰρ ἡ βάτος οὐκ ἐκαίετο καταφλεγόμενη, οὕτω παρθένος ἔτεκες καὶ παρθένος ἔμεινας, ἀντὶ στόλου πυρὸς δικαιοσύνης ἀνέτειλεν ἥλιος, ἀντὶ Μωϋσέως Χριστός, ἡ σωτηρία τῶν ψυχῶν ἡμῶν.

Словарь

<p>ἀνατέλλω (αογ.: ἀνέτειλα) <i>восхожу</i> ἀντί (+ gen.) <i>вместо</i> βάτος, ἡ <i>ежевика; терн</i> γάρ <i>ведь, ибо</i> δικαιοσύνη, ἡ <i>праведность;</i> <i>справедливость</i></p>	<p>ἔρχομαι (αογ. ἦλθον, part.: ἐλθών, -οῦσα, -όν) <i>прихожу</i> ἥλιος, ὁ <i>солнце</i> ἡμεῖς (ἡμῶν, ἡμῖν, ἡμᾶς) <i>мы</i> <i>(нас, нам, нас)</i> καί <i>и</i> καίω <i>уничтожаю огнем</i></p>
--	--

καταφλέγω <i>жгу</i> μένω (αογ. ἔμεινα) <i>остаюсь</i> Μωϋσῆς, -έως, ὁ <i>Моисей</i> νόμος, ὁ <i>закон</i> οὐ (οὐκ, οὐχ) <i>не</i> οὕτω(ς) <i>так</i> παρέρχομαι (αογ. παρήλθον) <i>миную; прохожу мимо</i> παρθένος, ἡ <i>дева</i>	πῦρ, πυρός, τό <i>огонь</i> σκιά, ἡ <i>тень</i> στῦλος, ὁ <i>столп; опора</i> σωτηρία, ἡ <i>спасение</i> τίκτω (αογ. ἔ-τεκ-ο-ν) <i>рождаю</i> χάρις, χάριτος, ἡ <i>благодать</i> Χριστός, ὁ <i>Христос</i> ψυχή, ἡ <i>душа</i> ὡς <i>как</i>
---	--

XLII. Переведите: ΔΟΓΜΑΤΙΚΟΝ ΘΕΟΤΟΚΙΟΝ ΗΧΟΣ Γ

Πῶς μὴ θαυμάσωμεν τὸν θεανδρικὸν σου τόκον, Πανσεβάσμιε; πείραν γὰρ ἀνδρὸς μὴ δεξαμένη Πανάμωμε, ἔτεκες ἀπάτορα Υἱὸν ἐν σαρκί, τὸν πρὸ αἰῶνων ἐκ Πατρὸς γεννηθέντα ἀμήτορα, μηδαμῶς ὑπομείναντα τροπὴν ἢ φυρμὸν ἢ διαίρεσιν, ἀλλ' ἑκατέρας οὐσίας τὴν ιδιότητα σῶαν φυλάξαντα. Διὸ Μητροπάρθενε Δέσποινα, αὐτὸν ἰκέτευε σωθῆναι τὰς ψυχὰς τῶν ὀρθοδόξως Θεοτόκον ὁμολογούντων σε.

Словарь

αἰών, ὠνος, ὁ <i>век</i> ἀλλά <i>но</i> ἀμήτωρ, -ορος <i>не имеющий (родившийся без) матери</i> ἀνὴρ, ἀνδρὸς, ὁ <i>муж(чина)</i> ἀπάτωρ, -ορος <i>не имеющий отца; родившийся без отца</i> αὐτός, αὐτή, αὐτό <i>сам; он</i> γάρ <i>ибо, ведь</i> γεννάω <i>рождаю</i> δέσποινα, ἡ <i>владычица</i> δέχομαι <i>принимаю</i> διαίρεσις, -εως, ἡ <i>разделение</i> διὸ <i>поэтому</i> ἐκ (+ gen.) <i>из, от</i> ἑκάτερος, 3 <i>тот и другой (в отдельности)</i>	ἐν (+dat.) <i>в</i> ἢ <i>или</i> θαυμάζω <i>удивляюсь;</i> <i>дивлюсь; восхищаюсь</i> θεανδρικός 2 <i>богомужный</i> Θεοτόκος, ἡ <i>Богородица</i> ιδιότης, -ητος, ἡ <i>индивидуальная особенность; свойство</i> ἰκετεύω <i>умоляю</i> μὴ <i>не</i> μηδαμῶς <i>никоим образом</i> Μητροπάρθενος, ἡ <i>Ματὴρ-Δεβα</i> ὁμολογέω <i>признаю; исповедую</i> ὀρθοδόξως <i>православно</i> οὐσία, ἡ <i>сущность; природа</i>
---	---

πανάμωμος, 2 <i>всенепорочный</i> πανσεβάσμιος, 2 <i>всепочитаемый</i> πατήρ, πατήρ, ὁ <i>отец</i> πειρα, ἡ <i>испытание; искушение</i> πρό (+ gen.) <i>перед, прежде</i> πῶς <i>как</i> σαρξ, σαρκός, ἡ <i>плоть</i> σύ (σου, σοί, σε) <i>ты (тебя, тебе, тебя)</i> σώζω (aor. pass.: ἐ-σώ-θη-ν) <i>спасаю</i>	σῶος, 3 <i>целый,</i> <i>неповрежденный</i> τίκτω (aor. ἔ-τεκ-ο-ν) <i>рождаю</i> τόκος, ὁ <i>рождение</i> τροπή, ἡ <i>перемена</i> υἱός, ὁ <i>сын</i> ὑπομένω (aor.: -μείνω) <i>терплю; претерпеваю</i> φυλάσσω (с) <i>охраняю</i> φυρμός, ὁ <i>смешение</i> ψυχή, ἡ <i>душа</i>
---	--

XLIII. Переведите: ΔΟΓΜΑΤΙΚΟΝ ΘΕΟΤΟΚΙΟΝ ΗΧΟΣ Δ

Ὁ διὰ σὲ Θεοπάτωρ προφήτης Δαυὶδ μελωδικῶς περὶ σοῦ προανεφώνησε τῷ μεγαλειᾷ σοι ποιήσαντι³ Παρέστη ἡ Βασιλισσα ἐκ δεξιῶν σου.⁴ Σὲ γὰρ μητέρα πρόξενον ζωῆς ἀνέδειξεν ὁ ἀπάτωρ ἐκ σοῦ ἐνανθρωπήσαι εὐδοκήσας Θεός, ἵνα τὴν ἑαυτοῦ ἀναπλάσῃ εἰκόνα, φθαρεῖσαν τοῖς πάθεσι, καὶ τὸ πλανηθὲν ὀρειάλωτον⁵ εὐρῶν πρόβατον, τοῖς ὤμοις ἀναλαβὼν,⁶ τῷ Πατρὶ προσαγάγῃ, καὶ τῷ ἰδίῳ θελήματι ταῖς οὐρανίαις συναψῇ Δυνάμεσι, καὶ σώσῃ, Θεοτόκε, τὸν κόσμον· Χριστὸς ὁ ἔχων τὸ μέγα καὶ πλούσιον ἔλεος.

³ Ср.: ὅτι ἐποίησέν μοι μεγαλεῖα (вариант: μεγάλα) ὁ δυνατός (Лк.1:49).

⁴ Ср.: παρέστη ἡ βασίλισσα ἐκ δεξιῶν σου (Пс. 44:10).

⁵ Ср.: «Ты меня, раба лукавого и отступника, привел к Богу и утвердил в звании сына и наследника, и погибшего, и горами похищенного (τὸν ἀπολωλότα καὶ ὀρειάλωτον), уготованного всякому зверю на съедение, разыскал и с незаблудшими овцами (προβάτοις) Божими смешал (Joannes Damascenus. Vita Barlaam et Joasaph). «Ведь мирь – это Он Сам, устранивший средостение, убравший преграду, примиривший нас с Отцом, собравший в одну ограду рассеянное и многими званием и божественными звуками <пастушеской> свирели призвавший похищенных горами (τὰ ὀρειάλωτα) (Michael Psellus. Theologica). См. также: *Иер.* 50:6 (в Септуагинте — 27:6) и *Иез.* 34:6.

⁶ Ср.: *Мф.* 18:10–14, *Лк.* 15:3–7.

Словарь

<p>ἀναδείκνυμι (αογ. ἀνέδειξα) <i>объявляю; провозглашаю</i> ἀναλαμβάνω (αογ.: ἀνέλαβον) <i>беру; поднимаю</i> ἀναπλάσσω <i>восстанавливаю</i> ἀπάτωρ, -ορος <i>не имеющий отца</i> βασίλισσα, ἡ <i>царица</i> γάρ <i>ибо, ведь</i> Δαυίδ, ὁ <i>Давид</i> δεξιόν, τό <i>правая сторона</i> (ἐκ δεξιῶν <i>одесную; справа</i>) διά (+acc) <i>из-за</i> δύναμις, -εως, ἡ <i>сила</i> ἐαυτοῦ <i>свой</i> εἰκῶν, -ονος, ἡ <i>образ</i> ἐκ (+ gen.) <i>из; от</i> ἔχω <i>имею</i> ἔλεος, ἔλεεος, τό <i>сострадание; милость</i> ἐνανθρωπεῖν <i>вочеловечиться</i> εὐδοκέω <i>благоволю</i> εὐρίσκω (αογ.: εὔρον) <i>нахожу</i> ζωή, ἡ <i>жизнь</i> θέλημα, -ατος, τό <i>воля, желание</i> Θεοπάτωρ, -ορος, ὁ <i>Богоотец</i> Θεός, ὁ <i>Бог</i> Θεοτόκος, ἡ <i>Богородица</i> φθεῖρω (αογ. pass. ἐφθάρην) <i>зублю; уродую</i> ἴδος, 3 <i>свой; собственный</i> ἵνα <i>чтобы</i></p>	<p>καί <i>и</i> κόσμος, ὁ <i>мироздание; мир</i> μεγαλεῖον, τό <i>величие</i> μέγας, μεγάλη, μέγα <i>великий</i> <i>μελωδικῶς в песнях</i> μήτηρ, μητρός, ἡ <i>мать</i> ὄρειάλωτος, 2 <i>похищенный</i> <i>горами</i> οὐράνιος, 3 <i>небесный</i> πάθος, -εος, τό <i>страсть</i> παρέστην (αογ. от παρίστημι) <i>стою рядом, предстою</i> πατήρ, πατρός ὁ <i>отец</i> περί (+gen.) <i>о</i> πλανῶ <i>заставляю блуждать</i> (в pass.: <i>блуждаю</i>) πλούσιος, 3 <i>богатый</i> ποιέω <i>делаю; творю</i> προαναφώνέω <i>заранее</i> <i>провозглашаю</i> πρόβατον, τό <i>овца, баран</i> πρόξενος, ὁ, ἡ <i>проксен</i> (лицо <i>оказавшее гостеприимство</i> <i>гражданам др. гос-ва);</i> <i>защитник, заступник</i> προσαγω (αογ. προσήγαγον) <i>привожу к...</i> προφήτης, -ου, ὁ <i>пророк</i> σύ (σου, σοί, σε) <i>ты (тебя, тебе, тебя)</i> συνάπτω <i>соединяю; сочетаю</i> σώζω <i>спасаю</i> Χριστός, ὁ <i>Христос</i> ῶμος, ὁ <i>плечо</i></p>
--	---

XLIV. Переведите: ΔΟΓΜΑΤΙΚΟΝ ΘΕΟΤΟΚΙΟΝ ΗΧΟΣ ΠΛ. Α

Ἐν τῇ ἐρυθρᾷ θαλάσῃ τῆς ἀπειραγάμου Νύμφης εἰκῶν διεγράφη ποτέ. Ἐκεῖ Μωϋσῆς διαιρέτης τοῦ ὕδατος, ἐνθάδε Γαβριήλ ὑπηρέτης τοῦ θαύματος, τότε τὸν βυθὸν ἐπέζησεν ἀβρόχως Ἰσραήλ, νῦν δὲ τὸν Χριστὸν ἐγέννησεν ἀσπόρως ἡ Παρθένος, ἡ θάλασσα μετὰ τὴν πάροδον τοῦ Ἰσραήλ ἔμεινεν ἄβατος, ἡ ἄμεμπτος μετὰ τὴν κύησιν τοῦ Ἐμμανουὴλ ἔμεινεν ἄφθορος, ὁ ὢν καὶ προὖν καὶ φανείς ὡς ἄνθρωπος Θεός, ἐλέησον ἡμᾶς.

Словарь

ἄβατος, 2 непроходимый	θαύμα, -ατος, τό чудо
ἀβρόχως посуху	Θεός, ὁ Бог
ἄμεμπτος, 2 безупречный,	Ἰσραήλ, ὁ Израиль
непорочный	καὶ и
ἄνθρωπος, ὁ человек	κύησις, -εως, ἡ плодоношение
ἀπειράγαμος, 2 неискушенный	μένω (αογ. ἔμεινα) остаюсь
браком	μετά (+acc.) после
ἀσπόρως без семени	Μωϋσῆς, Μωϋσέως, ὁ Моисей
ἄφθορος, 2 невинный	νύμφη, ἡ невеста
βυθός, ὁ пучина; бездна	νῦν ныне
Γαβριήλ, ὁ Гавриил	παρθένος, ἡ дева
γεννάω рождаю	πεζεύω иду пешком
δέ же	ποτέ некогда, когда-то
διαγράφω черчу	προὖν, -οντος (прич. от гл.
διαιρέτης, -ου, ὁ разделитель	πρόειμι «быть прежде»)
εἰκῶν, -όνος, ἡ образ	πάροδος, ἡ проход; переход
ἐκεῖ там; тогда	τότε тогда
ἐλεέω (αογ. ἠλέησα) имею	ὔδωρ, ὕδατος, τό вода
сострадание, милую	ὑπηρέτης, -ου, ὁ служитель
ἐν (+dat.) в	φαίνω (αογ. pass. ἐφάνην)
Ἐμμανουήλ, ὁ Эммануил	являю
ἐνθάδε здесь; теперь	Χριστός, ὁ Христос
ἐρυθρός, 3 красный	ὢν, ὄντος (прич. от глагола
ἡμεῖς (ἡμῶν, ἡμῖν, ἡμᾶς) мы	εἰμί) суиций
(нас, нам, нас)	ὡς как
θάλασσα, ἡ море	

XLV. Переведите: ΔΟΓΜΑΤΙΚΟΝ ΘΕΟΤΟΚΙΟΝ ΗΧΟΣ ΠΛ. Β

Τίς μὴ μακαρίσει σε, Παναγία Παρθένε; τίς μὴ ἀνυμνήσει σου τὸν ἀλόχευτον τόκον; ὁ γὰρ ἀχρόνως ἐκ Πατρὸς ἐκλάμπας Υἱὸς μονογενής, ὁ αὐτὸς ἐκ σοῦ τῆς Ἀγνῆς προήλθεν, ἀφράστως σαρκωθεὶς, φύσει Θεὸς ὑπάρχων, καὶ φύσει γενόμενος ἄνθρωπος δι' ἡμᾶς, οὐκ εἰς δυάδα προσώπων τεμνόμενος, ἀλλ' ἐν δυάδι φύσεων ἀσυγχύτως γνωριζόμενος. Αὐτὸν ἱκέτευε, σεμνὴ Παμμακάριστε, ἐλεηθῆναι τὰς ψυχὰς ἡμῶν.

Словарь

ἀγνός 3 <i>чистый, непорочный</i>	καὶ <i>и</i>
ἄνθρωπος, ὁ <i>человек</i>	μακαρίζω (fut. μακαρίσω)
ἀλλά <i>но</i>	<i>считаю счастливым;</i>
αὐτός, αὐτή, αὐτό <i>сам, он; с артиклем: он же</i>	<i>прославляю</i>
ἀχρόνως <i>вне времени</i>	μὴ <i>не</i>
ἀλόχευτος, 2 <i>без схваток и болей</i>	μονογενής, 2 <i>единородный</i>
ἀνυμνέω <i>прославляю гимнами; воспеваю</i>	οὐκ <i>не</i>
ἀσυγχύτως <i>неслитно</i>	παμμακάριστος, 2 <i>всеблаженный</i>
ἀφράστως <i>невыразимо</i>	<i>ный</i>
γάρ <i>ибо</i>	πανάγιος, 3 <i>всесвятой</i>
γίγνομαι (αογ. ἐγενόμην) <i>становлюсь</i>	πάρθενος, ἡ <i>дева</i>
γνωρίζω <i>познаю</i>	πατήρ, πατρός, ὁ <i>отец</i>
διά (+acc.) <i>из-за; ради</i>	προέρχομαι (αογ. προῆλθον) <i>происхожу</i>
δυάς, -άδος, ἡ <i>двоица</i>	πρόσωπον, τό <i>лицо</i>
εἰς (+acc.) <i>в (+вин. п.)</i>	σαρκῶ <i>воплощаю</i>
ἐκ (+gen.) <i>из</i>	σεμνός, 3 <i>досточтимый, святой</i>
ἐκλάμπω <i>сияю</i>	σύ (σοῦ, σοί, σέ) <i>ты</i>
ἐν (+dat.) <i>в</i>	τέμνω <i>рассекаю; разделяю</i>
ἐλεέω <i>сжаливаюсь; милую</i>	τίς, τί <i>кто? что?</i>
ἡμεῖς (ἡμῶν, ἡμῖν, ἡμᾶς) <i>мы</i>	τόκος, ὁ <i>рождение; рождество</i>
Θεός, ὁ <i>Бог</i>	υἱός, ὁ <i>сын</i>
ἱκετεύω <i>умоляю</i>	ὑπάρχω <i>являюсь</i>
	φύσις, -εως, ἡ <i>природа</i>
	ψυχῆ, ἡ <i>душа</i>

XLVI. Переведите:
ΔΟΓΜΑΤΙΚΟΝ ΘΕΟΤΟΚΙΟΝ ΗΧΟΣ ΒΑΡΥΣ.

Μήτηρ μὲν ἐγνώσθης ὑπὲρ φύσιν, Θεοτόκε, ἔμεινας δὲ Παρθένος ὑπὲρ λόγον καὶ ἔννοιαν, καὶ τὸ θαῦμα τοῦ τόκου σου ἐρμηνεύσαι γλῶσσα οὐ δύναται. Παραδόξου γὰρ οὔσης τῆς συλλήψεως, Ἀγνή, ἀκατάληπτός ἐστιν ὁ τρόπος τῆς κήσεως, ὅπου γὰρ βούλεται Θεός, νικάται φύσεως τάξις. Διό σε πάντες Μητέρα τοῦ Θεοῦ γινώσκοντες, δεόμεθά σου ἐκτεινῶς. Πρέσβευε τοῦ σωθῆναι τὰς ψυχὰς ἡμῶν.

<p>ἀγνός, 3 <i>чистый; непорочный</i> ἀκατάληπτος, 2 <i>непостижимый</i> βούλομαι <i>хочу</i> γὰρ <i>ибо</i> γινώσκω <i>познаю</i> γλῶσσα, ἡ <i>язык</i> δέ <i>же</i> δεόμαι <i>прошу</i> διό <i>поэтому</i> δύναμαι <i>могу</i> εἰμί <i>есмя</i> ἐκτεινῶς <i>прилежно; усердно</i> ἔννοια, ἡ <i>мысль</i> ἐρμηνεύω <i>разъясняю</i> ἡμεῖς <i>мы</i> θαῦμα, -ατος, τό <i>чудо</i> Θεοτόκος, ἡ <i>Богородица</i> Θεός, ὁ <i>Бог</i> καὶ <i>и</i> κύησις, εως, ἡ <i>плодоношение</i></p>	<p>λόγος, ὁ <i>слово; разум</i> μένω (αογ. ἔμεινα) <i>останюсь</i> μήτηρ, μητρός, ἡ <i>мать</i> νικάω <i>побеждаю</i> ὅπου <i>где</i> οὐ <i>не</i> παράδοξος, 2 <i>необыкновенный</i> παρθένος, ἡ <i>дева</i> πᾶς, πᾶσα, πᾶν <i>весь</i> πρεσβεύω <i>являюсь послом;</i> <i>веду переговоры</i> σύλληψις, -εως, ἡ <i>зачатие</i> σύ (σου, σοι, σε) <i>ты</i> σώζω <i>спасаю</i> τάξις, -εως, ἡ <i>строй; порядок</i> τόκος, ὁ <i>рождество</i> τρόπος, ὁ <i>способ; образ</i> ὑπέρ (+acc.) <i>сверх</i> φύσις, -εως, ἡ <i>природа</i> ψυχή, ἡ <i>душа</i> ῶν, οὔσα <i>прич. от гл. еἰμί</i></p>
--	---

XLVII. Переведите:

ΔΟΓΜΑΤΙΚΟΝ ΘΕΟΤΟΚΙΟΝ ΗΧΟΣ ΠΛΑΓ. Δ

Ὁ Βασιλεὺς τῶν οὐρανῶν διὰ φιλανθρωπίαν ἐπὶ τῆς γῆς ὤφθη καὶ τοῖς ἀνθρώποις συνανεστράφη. Ἐκ Παρθένου γὰρ ἀγνῆς σάρκα προσλαβόμενος καὶ ἐκ ταύτης προελθὼν μετὰ τῆς προσλήψεως, εἷς ἐστὶν Υἱὸς διπλοῦς τὴν φύσιν, ἀλλ' οὐ τὴν ὑπόστασιν. Διὸ τέλειον αὐτὸν Θεὸν καὶ τέλειον Ἄνθρωπον ἀληθῶς κηρύττοντες, ὁμολογοῦμεν Χριστὸν τὸν Θεὸν ἡμῶν, ὃν ἰκέτευε Μήτηρ ἀνύμφευτε, ἐλεηθῆναι τὰς ψυχὰς ἡμῶν.

Словарь

ἀγνός, 3 <i>чистый; непорочный</i>	ἐλεέω <i>милую</i>
ἀληθῶς <i>истинно</i>	ἐπί (+gen.) <i>на</i>
ἀλλά <i>но</i>	ἡμεῖς (gen. ἡμῶν) <i>мы</i>
ἄνθρωπος, ὁ <i>человек</i>	Θεός, ὁ <i>Бог</i>
ἀνύμφευτος, 2 <i>не познавший (-ая) брака</i>	ἰκετεύω <i>молю</i>
αὐτός, 3 <i>сам; он</i>	καί <i>и</i>
βασιλεύς, -έως, ὁ <i>царь</i>	κηρύττω <i>провозглашаю;</i>
γάρ <i>ибо</i>	προповеδύω
γῆ, ἡ <i>земля</i>	μετά (+gen.) <i>с</i>
διά (+acc.) <i>из-за</i>	μήτηρ, μητρός, ἡ <i>мать</i>
διό <i>поэтому</i>	ὁμολογέω <i>признаю;</i>
διπλοῦς, 3 <i>двойственный;</i>	исповеδύω
<i>сугубый</i>	ὀράω (aor. pass. ὤφθην) <i>вижу</i>
εἰμί <i>есмы</i> (ἐστίν — 3-е лицо ед. ч.)	ὅς, ἧ, ὃ <i>которые</i>
εἷς <i>один</i>	οὐ <i>не</i>
ἐκ (+gen.) <i>из; от</i>	οὐρανός, ὁ <i>небо</i>
	οὔτος, αὕτη, τοὔτο <i>этот, эта, это</i>

παρθένος, ἡ <i>deva</i> προέρχομαι (αογ. προῆλθον) <i>происхожу</i> προσλαμβάνω (αογ. προσέλαβον) <i>принимаю</i> πρόσληψις, -εως, ἡ <i>принятие;</i> <i>восприятие</i> σάρξ, σαρκός, ἡ <i>плоть</i> συναναστρέφομαι (+dat.) (αογ. pass. συν-αν-ε-στράφ-η-ν) <i>живу вместе</i>	τέλειος, <i>3 совершенный</i> υἱός, ὁ <i>сын</i> ὑπόστασις, -εως, ἡ <i>ипостась, лицо</i> φιλανθρωπία, ἡ <i>человеколюбие</i> φύσις, -εως, ἡ <i>природа</i> Χριστός, ὁ <i>Χριστος</i> ψυχή, ἡ <i>душа</i>
---	---

XLVIII Сравните греческий текст малого догматика (богородичной стихиры) первого гласа с церковнославянским переводом и найдите различие.

Παρθενική πανήγυρις σήμερον, ἀδελφοί, σκιρτάτω ἡ κτίσις, χορευέτω ἡ ἀνθρωπότης, συνεκάλεσε γὰρ ἡμᾶς ἡ Ἁγία Θεοτόκος, τὸ ἀμόλυτον κειμήλιον τῆς Παρθενίας, ὁ λογικὸς τοῦ δευτέρου Ἀδάμ Παράδεισος, τὸ ἐργαστήριον τῆς ἐνώσεως τῶν δύο φύσεων, ἡ πανήγυρις τοῦ σωτηρίου συναλλάγματος, ἡ παστάς, ἐν ἧ ὁ Λόγος ἐνυμφεύσατο τὴν σάρκα, ἡ ὄντως κούφη νεφέλη, ἡ τὸν ἐπὶ τῶν Χερουβείμ μετὰ σώματος βαστάσασα. Ταῖς αὐτῆς ἰκεσίαις, Χριστέ ὁ Θεός, σῶσον τὰς ψυχὰς ἡμῶν.

Дѣвственное торжество днѣсь брѣтїе, да възграѣтся твѣрь, да ликовствуѣтъ чловѣчество: созвѣ бо нась святѣя Богородица, несквѣрное сокровище дѣвства: словѣсный втораго адама рай: хранѣлице соединѣнїя двѣ естествѣ: торжество спасѣтельнаго примирѣнїя: чертогъ, въ немже Слово оуневѣстивый плоть воуистину лѣгкїй ѡблакъ, ѹже над херувїмы сѹщаго, съ тѣломъ носѣвшїй. Тоѹ молѣтвами Христѣ Бѡже спасѣ дѹши нашь.⁷

⁷Октоих, сиречь Осмогласник. Гласы 1-4. Издательский Совет РПЦ, 2004. С. 22.

Словарь

<p>ἅγιος, 3 <i>святой</i> Ἄδᾰμ <i>Адам</i> ἀδελφός, ὁ <i>брат</i> ἀνθρωπότης, ητος, ἡ <i>человеческая</i> <i>природа</i> ἀμόλυντος, 2 <i>незапятнанный;</i> <i>неоскверненный</i> αὐτός, αὐτή, αὐτό <i>сам, в</i> <i>косв. пад. он</i> βαστάζω <i>ношу</i> γάρ <i>ведь, ибо</i> δεύτερος, 3 <i>второй</i> δύο <i>два, двое, две</i> ἐν (+dat.) <i>в</i> (+пр. п.) ἔνωσις, εως, ἡ <i>соединение</i> ἐπί (+gen.) <i>на</i> ἐργαστήριον, τό <i>мастерская</i> ἦ <i>см. ὅς, ἦ, ὅ</i> ἡμεῖς ἡμῶς ἡμῖς ἡμᾶς <i>мы</i> Θεός, ὁ <i>Бог</i> Θεοτόκος, ἡ <i>Богородица</i> ἱκεσία, ἡ <i>мольба (на</i> <i>коленях), просьба; моление</i> κειμήλιον, τό <i>сокровище</i> κοῦφος, 3 <i>легкий</i> κτίσις, ἡ <i>творение; тварь</i> λογικός, 3 <i>одаренный</i> <i>разумом</i> λόγος, ὁ <i>слово</i> μετά (+gen.) <i>вместе с</i></p>	<p>νεφέλη, ἡ <i>облако</i> νυμφεύω <i>и</i> νυμφέομαι <i>беру в</i> <i>жены</i> ὄντως <i>подлинно; воистину</i> ὅς, ἦ, ὅ <i>который</i> πανήγυρις, εως, ἡ <i>всенародное</i> <i>празднество; торжество</i> Παράδεισος, ὁ <i>сад; рай</i> παρθενία, ἡ <i>девичество;</i> <i>девство</i> παρθενικός 3 <i>девичий,</i> <i>девственный</i> παστάς, ἄδος, ἡ <i>(брачный)</i> <i>чертог</i> σάρξ, σαρκός, ἡ <i>плоть</i> σήμερον, τό <i>сегодня, ныне</i> σκιριτάω <i>скачу, подпрыгиваю;</i> <i>ликую</i> συγκαλέω <i>созываю</i> συνάλλαγμα, ατος, τό <i>договор</i> σώζω (fut. σώσω, aor. ἔσωσα) <i>спасаю</i> σῶμα, ατος, τό <i>тело</i> σωτήριος, 3 <i>спасительный</i> Χερουβεὶμ <i>Херувимы</i> χορεύω <i>пляшу; танцую</i> Χριστός, ὁ <i>Христос</i> φύσις, εως, ἡ <i>природа</i> ψυχή, ἡ <i>душа</i></p>
--	---

XLIX Переведите без словаря:

Πιστεύω εἰς ἓνα Θεόν, Πατέρα, παντοκράτορα, ποιητὴν οὐρανοῦ καὶ γῆς, ὁρατῶν τε πάντων καὶ ἀοράτων.

Καὶ εἰς ἓνα Κύριον Ἰησοῦν Χριστόν, τὸν Υἱὸν τοῦ Θεοῦ τὸν Μονογενῆ, τὸν ἐκ τοῦ Πατρὸς γεννηθέντα πρὸ πάντων τῶν αἰώνων.

Φῶς ἐκ φωτός, Θεὸν ἀληθινὸν ἐκ Θεοῦ ἀληθινοῦ, γεννηθέντα, οὐ ποιηθέντα, ὁμοούσιον τῷ Πατρί, δι' οὗ τὰ πάντα ἐγένετο. Τὸν δι' ἡμᾶς τοὺς ἀνθρώπους καὶ διὰ τὴν ἡμετέραν σωτηρίαν κατελθόντα ἐκ τῶν οὐρανῶν καὶ σαρκωθέντα ἐκ Πνεύματος Ἁγίου καὶ Μαρίας τῆς Παρθένου καὶ ἐνανθρωπήσαντα.

Σταυρωθέντα τε ὑπὲρ ἡμῶν ἐπὶ Ποντίου Πιλάτου, καὶ παθόντα καὶ ταφέντα.

Καὶ ἀναστάντα τῇ τρίτῃ ἡμέρᾳ κατὰ τὰς Γραφάς.

Καὶ ἀνελθόντα εἰς τοὺς οὐρανοὺς, καὶ καθεζόμενον ἐν δεξιῶν τοῦ Πατρὸς.

Καὶ πάλιν ἐρχόμενον μετὰ δόξης κρῖναι ζῶντας καὶ νεκρούς, οὗ τῆς βασιλείας οὐκ ἔσται τέλος.

Καὶ εἰς τὸ Πνεῦμα τὸ Ἅγιον, τὸ Κύριον, τὸ ζωοποιόν, τὸ ἐκ τοῦ Πατρὸς ἐκπορευόμενον, τὸ σὺν Πατρὶ καὶ Υἱῷ συμπροσκυνούμενον καὶ συνδοξαζόμενον, τὸ λαλῆσαν διὰ τῶν Προφητῶν.

Εἰς μίαν, ἀγίαν, καθολικὴν καὶ ἀποστολικὴν Ἐκκλησίαν.

Ὁμολογῶ ἓν βάπτισμα εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν.

Προσδοκῶ ἀνάστασιν νεκρῶν.

Καὶ ζωὴν τοῦ μέλλοντος αἰῶνος. Ἀμήν.

Основной словарный запас

<p>Α ἀγαπάω <i>люблю</i> ἀγάπη, ἡ <i>любовь</i> ἀγαθός, 3 <i>хороший; добрый</i> ἅγιος, 3 <i>святой</i> ἄγω <i>веду</i> ἀεὶ <i>всегда</i> ἀήρ, ἀέρος, ὁ <i>воздух</i> αἴσθησις, εως, ἡ <i>чувство</i> αἴτιον, τό <i>причина</i> ἀκολουθέω <i>следую (за)</i> ἀκούω (pf.: ἀκήκοα) <i>слышу</i> ἀλέξω <i>отражаю</i> ἀλλά <i>но</i> ἀλλήλων <i>друг друга</i> ἄλλος, -η, -ο <i>другой</i> ἄλς, ἄλός, ἡ <i>море</i> ἀμαρτάνω <i>согрешаю</i> ἀνάγκη, ἡ <i>необходимость</i> ἀνήρ, ἀνδρός, ὁ <i>муж</i> ἄνθρωπος, ὁ <i>человек</i> ἄξιος, 3 <i>достойный</i> ἀπό (+gen.) <i>от, из</i> ἀριθμός, ὁ <i>число</i> ἀρχαῖος, 3 <i>древний</i> ἀρχή, ἡ <i>начало</i> ἄρχω <i>управляю</i> ᾄσμα, ατος, τό <i>песня</i> αὐτός <i>сам; он</i></p>	<p>Β βαδίζω <i>иду; хожу</i> βαίνω (aor. ἔβην) <i>иду;</i> <i>шагаю</i> βάλλω (aor. ἔβαλον) <i>бросаю</i> βασιλεία, ἡ <i>царство</i> βία, ἡ <i>сила</i> βοάω <i>кричу</i> βραχυλογία, ἡ <i>немногословность</i> βούλομαι <i>желаю; хочу</i></p> <p>Γ γάρ <i>ведь</i> γράφω <i>черчу; пишу</i> γένεσις, εως, ἡ <i>рождение</i> γεννάω <i>рождаю</i> γένος, εος, τό <i>род</i> γεωργός, ὁ <i>земледелец</i> γῆ, ἡ <i>земля</i> γί(γ)νομαι (aor. ἐγενόμην) <i>происхожу, возникаю; есмь</i> γι(γ)νώσκω (aor. ἔγνων) <i>знаю, познаю</i> γλυκύς, -εῖα, -ύ <i>сладкий</i> γυνή, γυναικός, ἡ <i>женщина</i></p>
--	---

<p> Δ δεῖ <i>нужно; следует</i> δεινός, 3 <i>страшный</i> δειπνον, τό <i>обед; пища, еда</i> δεσμός, ὁ pl.: <i>узы; оковы</i> δηλόω <i>показываю,</i> <i>разъясняю</i> δημοκρατία, ἡ <i>демократия</i> διά (+gen.) <i>из-за; через;</i> <i>посредством</i> διδάσκω <i>учу; обучаю</i> δίδωμι <i>даю</i> δόγμα, -ατος, τό <i>учение;</i> <i>постановление</i> δόξα, ἡ <i>слава;</i> <i>представление</i> δοῦλος, ὁ <i>раб</i> δύναμις, εως, ἡ <i>сила;</i> <i>возможность</i> δύο <i>два</i> δῶμα, δώματος, τό <i>дом</i> δῶρον, τό <i>дар</i> </p> <p> Ε ἐγώ <i>я</i> ἐθέλω <i>хочу</i> ἔθνος, -εος, τό <i>племя,</i> <i>народ</i> εἰ <i>если</i> εἶδωλον, τό <i>образ</i> </p>	<p> εἰκῶν, ὄνος, ἡ <i>образ</i> εἰμί <i>быть</i> εἰρήνη, ἡ <i>мир</i> εἰς (+acc.) <i>в</i> εἷς, μία, ἓν <i>один, одна, одно</i> ἐκ (+gen.) <i>из</i> ἕκαστος, 3 <i>каждый</i> ἑκατόν <i>100</i> ἐκεῖνος, ἐκεῖνη, ἐκεῖνο <i>тот</i> ἔλεος, -εος, τό <i>милосердие,</i> <i>милость</i> Ἕλλην, -ηνος, ὁ <i>грек</i> ἐμός, 3 <i>мой</i> ἐλπίζω <i>надеюсь; полагаю</i> ἐλπίς, ἐλπίδος, ἡ <i>надежда</i> ἐμός, 3 <i>мой</i> ἐν (+dat.) <i>в</i> ἐνέργεια, ἡ <i>действие;</i> <i>действительность</i> ἐπί (+gen.) <i>при, в; (+acc.)</i> <i>на, к; (+dat.) из-за</i> ἐπιθυμία, ἡ <i>влечение</i> ἐπιπνοία, ἡ <i>вдохновение;</i> <i>наитие</i> ἔπος, εος τό <i>слово</i> ἐράω <i>люблю; стремлюсь</i> ἔργον, τό <i>дело; вещь</i> ἐρπετόν, τό <i>пресмыкающаяся</i> </p>
--	---

<p>ἔρχομαι (αογ. ἦλθον) <i>прихожу</i> ἔρωσ, -ωτος, ὁ <i>любовь, влечение</i> Εὐαγγέλιον, τό <i>Евангелие</i> εὕδω <i>сплю</i> εὐεργέτης, ου, ὁ <i>благодетель</i> εὐρίσκω <i>нахожу</i> ἔχω <i>имею; считаю</i></p> <p>Ζ ζωή, ἡ <i>жизнь</i> ζῶον, τό <i>живое существо</i></p> <p>Η ἡ <i>или</i> ἡδονή, ἡ <i>наслаждение</i> ἡδύς, ἡδεῖα, ἡδύ <i>приятный</i> ἥλιος, ὁ <i>солнце</i> ἡμεῖς <i>мы</i> ἡμέρα, ἡ <i>день</i> ἡμέτερος, ὁ <i>наш</i></p> <p>Θ θάνατος, ὁ <i>смерть</i> θέλω <i>хочу</i> θεολογέω <i>богословствую</i> Θεός, ὁ <i>Бог</i> θερμός, ὁ <i>теплый</i> θεωρέω <i>смотрю</i></p>	<p>θήρ, θηρός, ὁ <i>зверь</i> Ι ἰάομαι <i>лечу; исцеляю</i> ιδέα, ἡ <i>начало; идея</i> ἱερός, ὁ <i>священный</i> ἵνα <i>чтобы</i> ἵππος, ὁ <i>конь</i> ἵστημι <i>ставлю</i> ἰσχυρός, ὁ <i>сильный</i></p> <p>Κ κάθημαι <i>сажусь; сижу</i> καί <i>и</i> καιρός, ὁ <i>надлежащие мера; время; место</i> Καῖσαρ, -αρος, ὁ <i>кесарь, император</i> καλοκἀγαθία, ἡ <i>порядочность</i> καλός, ὁ <i>прекрасный</i> καρδία, ἡ <i>сердце</i> κατά (+gen.) <i>в отношении; (+acc.) по; согласно</i> καταργέω <i>упраздняю</i> κενόν, τό <i>пустота</i> κινέω <i>двигаю</i> κοιλία, ἡ <i>живот</i> κορυφή, ἡ <i>темя; вершина</i> κόσμος, ὁ <i>космос; мир</i> κτάομαι <i>приобретаю</i></p>
---	---

<p>κτίζω <i>создаю; творю</i> Κύριος, ὁ <i>Господь</i> κωλύω <i>мешаю;</i> πρηνεπταστυού</p> <p>Λ λαμπρός, 3 <i>ясный;</i> славный λαός, ὁ <i>народ</i> λέγω (αογ. εἶπον) <i>говорю</i> λείπω (αογ. ἔλιπον) <i>оставляю</i> λέων, οντος, ὁ <i>лев</i> λήθη, ἡ <i>забвение</i> λίθος, ὁ <i>камень</i> λόγος, ὁ <i>слово</i> λοιδορέω <i>браню; поношу</i> λούω <i>мою</i> λύκος, ὁ <i>волк</i> λύω <i>разрушаю,</i> <i>развязываю</i></p> <p>Μ μάθημα, ατος, τό <i>наука; pl.: математика</i> μαθητής, οὔ, ὁ <i>ученик</i> μάθησις, εως, ἡ <i>учение;</i> <i>знание</i> μάλιστα <i>весьма</i> μανθάνω <i>учусть; узнаю</i> μαρτυρέω <i>свидетельствую</i></p>	<p>μέγας, μέγαλη, μέγα <i>большой; великий</i> μέλας, -αινα, -αν <i>черный</i> μέλισσα, ἡ <i>пчела</i> μέριμνα, ἡ <i>забота; дума</i> μετά (+gen.) <i>среди; с</i> μή <i>не</i> μικρός, 3 <i>малый;</i> <i>ничтожный</i> μιμέομαι <i>подражаю</i> μίμησις, εως, ἡ <i>подражание</i> μνήμη, ἡ <i>память</i> μοναρχέω <i>единолично</i> <i>царствую</i> μορφή, ἡ <i>вид, образ</i></p> <p>Ν ναῦς, ἡ <i>корабль</i> νεκρός, 3 <i>мертвый</i> νομίζω <i>признаю; считаю</i> νοῦς, ὁ <i>ум</i></p> <p>Ξ ξένος, 3 <i>чужой</i></p> <p>Ο ὅδε, ἦδε, τόδε <i>этот</i> οἰκία, ἡ <i>дом; семья</i> ὀλίγος, 3 <i>немногий</i> ὅλος, 3 <i>целый</i> ὅμοιος, 3 <i>похожий</i> ὄνομα, ὄνόματος, τό <i>имя</i></p>
---	--

<p>ὀνομάζω <i>именую;</i> <i>называю</i> ὄξύς, -εἶα, -ύ <i>терпкий;</i> <i>кислый</i> ὄράω <i>смотрю</i> ὀργίζω <i>сердить</i> ὄρκος, ὁ <i>клятва</i> ὄρος, εος, τό <i>гора</i> ὅς, ἥ, ὅ <i>который ὅτι</i> <i>(потому) что</i> οὐ (οὐκ) <i>не</i> οὐρανός, ὁ <i>небо</i> οὔς, ὠτός, τό <i>υχο</i> οὔτος, αὐτή, τοὔτο <i>этот</i></p> <p>Π παῖς, παιδός, ὁ, ἡ <i>ребенок</i> πάλιν <i>снова</i> παρά (+gen.) → τв. пад.; (+dat.) <i>у</i> παράδειγμα, ατος, τό <i>образец; пример</i> πᾶς, πᾶσα, πᾶν <i>весь</i> πατήρ, πατρός, ὁ <i>отец</i> παύω <i>прекращаю</i> πεῖθω <i>убеждаю; med.:</i> <i>верю</i> πειράω <i>испытываю</i> περὶ (+gen.) <i>вокруг; ο; из-за</i> πικρός, ὅ <i>горький</i></p>	<p>πίπτω (αογ. ἔπεσον) <i>падаю</i> πιστεύω <i>верю</i> πιστός, ὅ <i>верный</i> πληρόω <i>наполняю</i> πλουτέω <i>есμь богатый</i> πνεῦμα, ατος, τό <i>дуновение, дух</i> ποιέω <i>делаю</i> πολέμιος, ὁ <i>враг</i> πόλις, -εως, ἡ <i>город</i> πολίτης, -ου, ὁ <i>гражданин</i> πολλάκις <i>часто</i> πολύς, πολλή, πολύ <i>многий</i> πρεσβύς <i>старый</i> πρόβατον, τό <i>овца</i> πρός (+acc.) <i>к</i> πρόσωπον, τό <i>лицо</i> πρῶτος, ὅ <i>первый</i> πτωχός, ὅ <i>нищий; бедный</i> πυνθάνομαι <i>спрашиваю</i> πῦρ, πυρός, τό <i>огонь</i></p> <p>Ρ ῥάδιος, ὅ <i>легкий</i></p> <p>Σ σελήνη, ἡ <i>луна</i> σημεῖον, τό <i>доказательство</i> σιωπάω <i>молчу</i> σκληρός, ὅ <i>жесткий</i> σοφία, ἡ <i>мудрость</i></p>
--	--

σοφιστής, -οῦ, ὁ σοφιστ	φίλος, 3 милый,
σοφός, 3 мудрый	приятный
στέφανος, ὁ веннок; венец	φίλος, ὁ друг
σχῆμα, -ατος, τό фигура	φιλοσοφέω φιλοσοφствую
σύ (σοῦ etc.) ты	φιλόσοφος, ὁ философ
σύν (+dat.) с	φλόξ, φλογός, ἡ пламя
σύστημα, ματος, τό	φράζω объясняю;
соединение	рассказываю
Τ ταχύς, εἶα, ὁ быстрый	φρόνιμος, 3 умный
τέκνον, τό дитя	φύσις, εως, ἡ природа
τις, τὶ некто; некий	φύω рождаю(сь);
τόπος, ὁ место;	возникаю
пространство	φωνή, ἡ звук; голос
τότε тогда	Χ χαίρω радуюсь
τρέπω (αοг. ἔτραπον)	χαλεπός, 3 трудный
обращаю	χαρά, ἡ радость
τρέχω бегу	χάρις, -ιτος, ἡ благодать
Υ ὕδωρ, ὕδατος, τό вода	χείρ, χειρός, ἡ рука
ὑμεῖς вы	χρεία, ἡ нужда
ὑπέρ (+acc.) сверх; чем	χρή нужно
ὑπνώω сплю	χρόνος, ὁ время
ὑπνος, ὁ сон	χρυσίον, τό золото
ὑπό (+gen.) → τв. пад.;	χωρέω вмещаю
(+dat.) под; из-под	Ψ ψηφίζω считаю;
Φ φέρω несу	исчисляю
φθείρω уничтожаю	ψυχή, ἡ душа
φθορά, ἡ гибель	Ω ὦν, οὔσα, ὄν сущий
φιλέω люблю; целую	ὡς как

Оглавление

Цель и задачи	3
Phonetica	4
Alphabetum.....	4
Diphthongi.....	6
Accentus.....	7
Morphologia	9
Verbum	9
Coniugatio prima.....	9
Praesens activi.....	9
Indicativus.....	9
Imperatīvus.....	10
Infinitivus.....	11
Verbum εἰμί «есмь».....	11
Nomen substantivum	13
Declinatio secunda.....	13
Masculinum et femininum.....	13
Neutrum.....	15
Declinatio prima.....	16
Femininum.....	16
Masculinum.....	22
Articuli	23
Nomen adiectivum	25
Pronomina	28
Nomen substantivum (продолжение)	32
Declinatio tertia.....	32
Masculinum et femininum.....	32
Neutrum.....	32
Participia	33
Nomen adiectivum (продолжение)	36
Gradus.....	36
Numeralia	37

<i>Verbum (продолжение)</i>	39
Medium et passivum.....	39
Aoristus I.....	41
Futurum.....	43
Imperfectum.....	45
Aoristus II.....	45
Aoristus passivi.....	50
Futurum passivi.....	50
Perfectum et plusquamperfectum.....	54
<i>Coniugatio secunda</i>	56
Syntaxis.....	59
<i>Accusativus cum infinitivo</i>	59
<i>Nominativus cum infinitivo</i>	59
<i>Genitivus absolutus</i>	62
<i>Coniunctivus</i>	64
<i>Optativus</i>	66
<i>Casus</i>	68
Supplementum.....	70
Основной словарный запас.....	82